शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बेंगलूरु भारत की एयरोस्पेस की है राजधानी: डीके शिवकुमार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 11 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-41

मोदी से नफरत की इंतिहा : बेशर्म बांग्लादेश ने कूटनीतिक मर्यादा भी छोड़ी

मोदी लाल नाम रखकर गाय काटी, जुलूस निकाला और बीफ पार्टी की

ढाका, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में कांग्रेस पार्टी और वामपंथी दलों के साथ साठगांठ रखने वाले संगठन जमात-ए-इस्लामी की बांग्लादेश शाखा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नफरत का इजहार गाय काट कर और कटी हुई गाय का मांस खाकर किया। कूटनीतिक और प्रोटोकॉलिक उल्लंघन के इतने गंभीर मामले में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने शातिराना चुप्पी साध रखी है। भारत के विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश में हुई इस गंभीर घटना पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह आश्चर्यजनक है।

बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथ और भारत विरोधी रवैया बेशर्मी की हदें पार कर रहा है। स्थिति इतनी विद्रूप हो गई है कि बांग्लादेश ने कूटनीतिक और प्रोटोकॉलिक मर्यादा का पालन करना भी छोड़ दिया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस कट्टरपंथियों और भारत विरोधियों को उकसा रहे हैं और कट्टरपंथियों पर कार्रवाई का फर्जी प्रचार करा रहे हैं। यूनुस के उकसावे पर कट्टरपंथी हिंदुओं पर लगातार हमले कर रहे हैं। उनके घरों, मंदिरों को तोड़ने और उनकी बहन-बेटियों का बलात्कार कर रहे हैं। बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

नफरत की बेशर्म नुमाइश पर बेशर्म यूनुस और बेशर्म प्रगतिशील चुप

बांग्लादेश में तो अब भारत के प्रति नफरत की इंतिहा हो गई है। जमाते इस्लामी की बांग्लादेश इकाई ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपनी नफरत जाहिर करते हुए एक बेजुबान गाय का नाम सांकेतिक तौर पर मोदी लाल रखा और बाकायदा मोदी लाल गाय को शहर के प्रमुख स्थानों पर घुमाया। जमाते इस्लामी के लोगों ने पोस्टर बैनर ले रखे थे। पोस्टरों पर हलाल मोदी लाल लिखा था। कट्टरपंथियों की जमात पूरे शहर में मोदी के खिलाफ नारेबाजी कर रही थी। उन लोगों ने एक सार्वजनिक स्थान पर गाय को हलाल किया। काटी गई गाय का मांस पकाया और सार्वजनिक पार्क में बीफ-पार्टी की। इस बेशर्म गतिविधि को यूनुस सरकार कहे कि इसके बारे में पता नहीं, तो यह सरकार की बेशर्मी की सनद है।

गाय का मोदी लाल नाम रख कर उसके शहरभर में घुमाने, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जुलूस निकालने, सार्वजनिक स्थान पर मोदी लाल गाय को हलाल करने और बीफ-पार्टी करने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लेकिन यूनुस की मक्कार चुप्पी कायम है। सोशल मीडिया के जरिए वॉयस ऑफ बांग्लादेशी हिंदू ने भी इसकी पुष्टि की कि जमाते इस्लामी के कट्टरपंथियों ने नरेंद्र मोदी के नाम पर मोदी लाल नामक गाय का वध करके भारतीय प्रधानमंत्री और भारतीय नागरिकों के ▶10पर

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने संसद में उठाया यूएसएड फंडिंग का मसला

भारत के टुकड़े हों, इसके लिए गांधी परिवार को मिलता था धन

राजीव गांधी फाउंडेशन, सैम पित्रोदा, जॉर्ज सोरोस पा रहे थे फंड

भारत विरोधी हरकतों में सक्रिय राहुल गांधी से पूछे 12 सवाल

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार को अस्थिर करने और उसकी स्थिति बांग्लादेश जैसी करने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) फंडिंग कर रहा था। यूएसएड ने भारत विरोधी कुत्सित कर्म के लिए अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस के साथ भारत में राजीव गांधी फाउंडेशन को भी अकूत धन दिए। अमेरिका से भारत-विरोधी गतिविधियों के संचालन के लिए यूएसएड ने ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रौदा को भी भारी फंडिग की। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आधिकारिक तौर पर यह बात संसद के पटल से लेकर सार्वजनिक मंच पर रखी है। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी से कुछ गंभीर सवाल पूछे हैं। सांसद निशिकांत दुबे ने भारत विरोधी ताकतों को यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) से हुई फंडिंग का मामला 10 फरवरी 2025 को लोकसभा में उठाया।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, आजादी से लेकर अब तक कांग्रेस ने सिर्फ देश को तोड़ने का काम किया है। राजीव गांधी फाउंडेशन सहित कई एनजीओ ने यूएसएड से पैसे लेकर देश विरोधी तत्वों को फायदा पहुंचाया। विपक्ष देश तोड़ना चाहता है। इसके साथ ही उन्होंने लोकसभा की कार्रवाई का एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वे इससे जुड़े सवाल उठा रहे हैं। निशिकांत दुबे ने गांधी परिवार से 12 सवाल पूछे हैं। यूएसएड ने भारत को तोड़ने के लिए ओपन सोसायटी फाउंडेशन के मालिक जॉर्ज सोरोस को 5000 करोड़ रुपए दिए या नहीं?

▶10पर

ट्रंप ने बंद किए यूएसएड के दुनियाभर में फैले दफ्तर

वाशिंगटन, 10 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन की करतूतों का हर दिन नया नया खुलासा हो रहा है। बाइडेन ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) के जरिए दुनियाभर में गंदगी फैलाने की हरकतें कीं। भारत को अस्थिर करने और उसकी हालत बांग्लादेश जैसी करने के लिए यूएसएड ने अकूत धन खर्च किए। इसके अलावा यूएसएड ने दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व एशिया को अराजक स्थिति में फंसा कर रखने के लिए आतंकवादी संगठनों को भी धन दिया। यूएसएड ने दुनियाभर यौन विकृतियां फैलाने के लिए भी ▶10पर

एयरो-इंडिया : लड़ाकू विमानों की गर्जना से गूंजा आकाश

यह पराक्रम का महाकुंभ है : राजनाथ

भारत की शक्ति दर्शा रहा एयरो इंडिया का महाकुंभ

बेंगलुरु, 10 फरवरी (एजेंसियां)। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को बेंगलुरु में एयरो इंडिया 2025 का उद्घाटन करने के बाद कहा कि कमजोर सुरक्षा से शांति नहीं मिलती। भारत मजबूत होकर बेहतर वैश्विक शांति व्यवस्था के लिए काम कर सकता है। बेंगलुरु के येलहंका एयरफोर्स स्टेशन पर एयरो इंडिया 2025 का 15वां संस्करण का समारोह चल रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में वैश्विक अनिश्चितताओं का जिक्र करते हुए कहा कि एक बड़े देश के तौर पर भारत हमेशा शांति और स्थिरता का हिमायती रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा, हमारे लिए सुरक्षा और शांति अलग-अलग नहीं है। सुरक्षा, स्थिरता और शांति साझा स्थितियां हैं जो किसी भी राष्ट्रीय सीमा से परे हैं। एयरो इंडिया में विदेशी देशों के हमारे मित्रों की मौजूदगी इस बात का सबूत है कि हमारे साझेदार एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य के हमारे दृष्टिकोण को साझा करते हैं। राजनाथ सिंह ने एयरो इंडिया 2025 की तुलना महाकुंभ से की। उन्होंने कहा, इस समय भारत में महाकुंभ चल रहा है। मुझे भी संगम में डुबकी लगाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं समझता हूं कि एयरो इंडिया के रूप में आज से भारत में एक और महाकुंभ का प्रारंभ हो रहा है। जहां एक तरफ प्रयागराज का महाकुंभ आत्म संधान का कुंभ है, वहीं दूसरी तरफ एयरो इंडिया का यह महाकुंभ अनुसंधान का कुंभ है। जहां एक तरफ प्रयागराज का महाकुंभ आंतरिक मजबूती पर ध्यान दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ एयरो इंडिया का यह महाकुंभ हमारी बाहरी मजबूती पर ध्यान दे रहा है। जहां एक तरफ प्रयागराज का महाकुंभ भारत की संस्कृति को दर्शा रहा है, वहीं दूसरी तरफ एयरो इंडिया का यह महाकुंभ भारत की शक्ति को दर्शा रहा है।

▶10पर

यूपी के 12 स्थानों में तेल भंडार मिलने के संकेत

लखनऊ, 10 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा नवाबगंज क्षेत्र के तटीय इलाकों में जमीन के अंदर प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम व खनिज भंडार होने की संभावना जताई जा रही है। ओएनजीसी (ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन) ने इसकी पुष्टि के लिए सिस्मिक सर्वे व थ्री डी मैपिंग शुरू कराई है। प्रक्रिया शुरू होने पर लोगों ने भविष्य की उम्मीदों को संजोना शुरू कर दिया है। ओएनजीसी की तरफ से अल्फा जियो इंडिया लिमिटेड ने क्षेत्र के उमरिया, होलापुर काजी, कल्याणपुर सहित एक दर्जन इलाकों में जमीन के अंदर खनिज भंडार मिलने की संभावनाओं को देखते हुए सर्वे के लिए जमीन में ड्रिल करने का काम शुरू किया है। कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर एंड कंसल्टेंट टू पेट्रोलियम एडवाइजर मृत्युंजय सिंह ने बताया कि भू वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट से सभी क्षेत्रों का सर्वे किया था। सैटेलाइट सर्वे में उक्त एक दर्जन इलाकों में प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम व खनिज भंडार होने के संकेत मिले हैं। इन सभी स्थानों पर जमीन के अंदर

ओएनजीसी ने शुरू किया ड्रिलिंग का काम

100 फिट गहराई में ड्रिल करके उसके अंदर रॉकेट से विस्फोट किया जाएगा। रॉकेट जमीन में करीब पांच से सात किलोमीटर नीचे तक जाएगा। इससे उठने वाली तरंगों का सेंसर मशीन से सर्वे कर डाटा इकट्ठा किया जाएगा। सेंसर का डाटा परीक्षण के लिए ओएनजीसी भेजा जाएगा। ▶10पर

महाकुंभ में राष्ट्रपति ने लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज, 10 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रयागराज महाकुंभ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने पूरी आस्था के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। पावन डुबकी लगाने से पहले राष्ट्रपति ने त्रिवेणी संगम में पुष्प और नारियल अर्पित किया और भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर प्रणाम किया। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने से ठीक पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सपरिवार विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले राष्ट्रपति ने सबसे पहले पूर्ण आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर पवित्र जल में फूल माला और नारियल अर्पित कर समस्त राष्ट्र की समृद्धि और शांति की मनोकामना की। इसके बाद उन्होंने भगवान सूर्य की आराधना की और अर्घ्य देकर प्रणाम किया। इसके बाद उन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ संगम में एक के बाद एक कई डुबकियां लगाईं। स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया। राष्ट्रपति ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी का दुग्धाभिषेक किया। इसके बाद उन्होंने अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहां मौजूद तीर्थ पुरोहित ने उन्हें कलावा बांधकर उनका अभिनंदन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सोमवार सुबह प्रयागराज पहुंचने पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से राष्ट्रपति अरैल घाट पहुंचीं, जहां से क्रूज पर सवार होकर वह त्रिवेणी संगम पहुंचीं।

एकता और सामाजिक समरसता का दिया संदेश

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,350/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 97,650/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 20^0

दिल्ली में हार के बाद आपा की पंजाबी सत्ता पर खतरा

शराब घोटाले में सीबीआई ने तेज की कार्रवाई

केजरीवाल और सिसोदिया मुश्किल में

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आपा) को मिली करारी हार के बाद उसकी मुश्किलें और बढ़ती जा रही है। पार्टी को अब राजनैतिक और कानूनी फ्रंट पर समस्याएं आ रही हैं। दिल्ली के बाद उसका पंजाब का सिंहासन डोल रहा है। कांग्रेस पंजाब में उसकी सरकार गिराने की फिराक में है। दूसरी तरफ शराब घोटाला मामले में मुखिया केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई ने जल्दी मुकदमा चलाने को कदम बढ़ा दिए हैं। आपा को एकसाथ कई फ्रंट पर चुनौती मिलने वाली है।

दिल्ली में हार के बाद पंजाब की कांग्रेस ईकाई सरकार गिराने में जुट गई है। पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने दावा किया है कि सत्तारूढ़ आपा के 30 विधायक कांग्रेस के सम्पर्क में हैं। उन्होंने दावा किया है कि यह सम्पर्क पिछले एक वर्ष से बना हुआ है। उन्होंने कहा है कि यह सभी विधायक आपा छोड़ कर कांग्रेस को समर्थन देने को भी तैयार हैं। उन्होंने पार्टी में भीतरी लड़ाई का भी हवाला दिया है। प्रताप सिंह बाजवा ने दावा किया है कि केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पद से हटा कर खुद सीएम बनने का कदम उठा सकते हैं। बाजवा ने कहा

है कि आगामी दिनों में पंजाब में एक सीट पर उपचुनाव होना है और इस सीट से केजरीवाल अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। उन्होंने कहा, अपने करीबियों की बड़ी फ़ौज को समायोजित करने के साथ ही केन्द्रीय एजेंसियों की जांच एवं कार्रवाई से बचें और फंड्स जुटाने को आपा मुखिया पंजाब का मुख्यमंत्री बनने की कोशिश करेंगे। बाजवा ने यह भी दावा किया कि भगवंत मान दिल्ली में भाजपा के हाईकमान से अपने संबंध सुधारने में जुटे हैं। बाजवा जैसे ही कुछ सुर पंजाब कांग्रेस के मुखिया और सांसद अमरिंदर सिंह राजा वरिंग के हैं। उन्होंने कहा है कि आने वाले दिनों में राज्य के भीतर कई नेता आपा छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा है कि अब पंजाब में कांग्रेस असफल पंजाब मॉडल और असफल दिल्ली मॉडल को लेकर सरकार पर हमलावर होगी। उन्होंने कहा है कि दिल्ली में आपा की हार, पंजाब में कांग्रेस के लिए आपदा में अवसर जैसी है। वरिंग ने कहा है कि आपा को पंजाब से भी अपना बोरिया बिस्तर बांध लेना चाहिए। वहीं आपा ने पार्टी में टूट के सभी दावों को नकारा है। पंजाब आपा के प्रवक्ता नील गर्ग ने कहा, केजरीवाल हमारे राष्ट्रीय संयोजक हैं और भगवंत मान पंजाब के मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस का ग्राफ रसातल को जा रहा है। दिल्ली में लगातार तीसरी बार उसका प्रदर्शन जीरो रहा है। नील गर्ग ने दावा किया कि 2027 चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन 2022 के मुकाबले और भी बुरा होगा। गौरतलब है कि 117 सीटों वाली पंजाब विधानसभा में वर्तमान में आपा को प्रचंड बहुमत हासिल है। उसके पास 93 विधायक हैं जबकि कांग्रेस के पास मात्र 16 विधायक हैं। राज्य में शिरोमणि अकाली दल के पास 3 जबकि भाजपा के पास 2 विधायक हैं। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

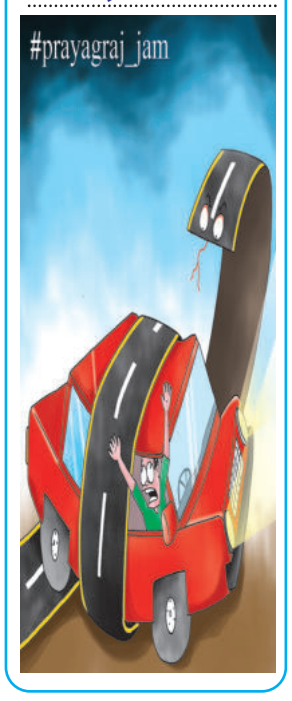

वर्तमान युग में आध्यात्मिकता और वैज्ञानिकता का प्रभाव व्यक्ति के नूतन विकास में जरूरी: मुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि मोहजीत कुमार जी, मुनि भव्य कुमार जी के पावन सानिध्य में बेंगलूरु स्तरीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, अलग सोचें - अलग करें और अलग बनें कार्यशाला का अभातेयुप उपाध्यक्ष प्रथम पवन मांडोत की अध्यक्षता में तेयुप विजयनगर द्वारा अर्हम भवन में किया गया। व्यक्तित्व विकास कार्यशाला में युवकों को सम्बोधित करते हुए मुनि मोहजीत कुमार जी ने कहा नया सोच नया चिन्तन नई अवधारणा को वर्तमान जीवन शैली के साथ तालमेल जोड़ना जरूरी है। नई पीढ़ी में अपनी स्वागत चिन्तन धारा को विकसित करना होगा। पश्चिम की संस्कृति से मुड़ कर नया करने की मानसिकता के निर्माण में बुद्धि और विवेक को जगाना होगा। जिससे व्यक्तिगत पारिवारिक एवं सामाजिक स्थितियों में नूतनता का जन्म हो सकता है। मुनि जयेश कुमार जी ने इस अवसर पर उप-स्थित युवावर्ग को संबोधित करते

हुए कहा आज के इस तेजी से बदलते युग में व्यक्ति नई सोच के बिना आगे नहीं बढ़ सकता है। मैं अनेक बार कहता हूं कि मनुष्य का जन्म कुछ नया करने हेतु हुआ है, पर नया करने के लिये पहले कुछ अलग सोचना जरूरी है। व्यक्ति अपनी अलग सोच से सामान्य कार्य को भी असाधारण उत्कृष्टता प्रदान कर सकता है। उन्होंने आगे कहा प्रसिद्ध सूक्त है सफलता बड़ी चीजों में होती है पर खुशियां छोटी चीजों से मिलती है। कई लोग छोटी छोटी खुशियों को ज्यादा महत्व देते है, पर सच्चाई यह है कि कुछ बड़ा किये बिना व्यक्ति जीवन में महानता का वरण नहीं कर सकता है। सफलता के लिये छोटी छोटी खुशियों का बलिदान करना ही पड़ता है। हर महान व्यक्ति ने इनका बलिदान देकर ही असाधारण सफलताओं को हासिल किया है। मुनि ने आशा व्यक्त कि इस कार्यशाला में प्राप्त संबोध आपके जीवन में नई सोच के जागरण के साथ उसे नई दिशा दे सकेगा। कार्यक्रम की शुरुवात मुनि द्वारा नवकार मंत्र के मंगल मंत्रोच्चार से किया गया। विजय गीत का मंगलाचरण विजय स्वर संगम टीम ने किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन पवन मांडोत ने किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए व्यक्तित्व विकास कार्यशाला हेतु शुभकामना प्रेषित की।

कमलेश ने मुनि की विजयनगर प्रवास हेतु कृतज्ञता ज्ञापित की। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दिनेश पोखरणा ने चिंता और स्वस्थ चिंतन में फर्क करने हेतु प्रेरणा प्रदान की। मुख्य प्रशिक्षक पदम संचेती ने बड़े लक्ष्यों को हमेशा सामने रखने हेतु अवचेतन मन को सकारात्मक, अनुशासित बनाने हेतु अच्छी आदतों पर कार्य करने की प्रेरणा प्रदान की। कुछ प्रयोगों द्वारा प्रतिभागियों को रूढ़िवादी मानसिकता के प्रभाव बताए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पवन मांडोत ने रोचकता पूर्वक वर्तमान व्यापारिक परिदृश्य को रेखांकित किया। वर्तमान स्थिति में व्याप्त चुनौतियों में सोशल मीडिया के उपयोग एवं विशिष्ट तरीकों का उदाहरण देते हुए श्रोताओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में इस कार्यक्रम के सहयोगी परिवार सुशीला देवी - पुखराज, नितिका -दीपक कुमार, रिदित श्रीश्रीमाल, दिवेर-बेंगलूरु, मनोज, बिंदु, तुषार, निहार महनोत उदासर बेंगलूरु का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अणुविभा संगठन मंत्री राजेश चावत, अर्हम मित्र मंडल अध्यक्ष बहादुर सेठिया, टीपीएफ वेस्ट अध्यक्ष ललित बेगानी, महिला मंडल उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया की गरिमा मय उपस्थिति रही। तेयुप विजयनगर उपाध्यक्ष विकास बांठिया, अशोक मारु, सहमंत्री कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर सहित अभातेयुप परिवार एवं स्थानीय पदाधिकारी, सम्मानित पूर्व अध्यक्ष गण, परामर्शगण, बेंगलूरु की परिषदों के प्रबंध मंडल खासकर अध्यक्ष विमल धारीवाल, कमलेश चौरडिया, कमलेश झाबक, बिकास छाजेड़, कन्हैया लाल गांधी, महावीर गन्ना आदि लोगों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक विकास बाँठिया एवं सहसंयोजक विनय पितलिया का श्रम रहा।

प्रेक्षा प्रवाह, शांति एवं शक्ति की ओर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशानुसार प्रेक्षा कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज के अंतर्गत प्रेक्षा प्रवाह- शांति एवं शक्ति की ओर का आयोजन स्थानीय तेरापंथ भवन में किया गया।

जिसका तीसरे चरण का विषय मंत्र-प्रेक्षा ध्यान का शक्तिशाली प्रयोग था। कार्यशाला का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। तत्पश्चात प्रेक्षा गीत का संगान किया गया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षक ट्रेनर अभिलाषा डांगी ने मंत्र-प्रेक्षा के विषय पर बताया की मनन करने पर जो त्राण दे वह मंत्र हैं। सबसे छोटा मंत्र ओम है पर प्रेक्षाध्यन में बहुत प्रचलित एवं महत्वपूर्ण मंत्र हैं अर्हम मंत्र। अर्हम शब्द शक्तियों को जगाने वाला मंत्र हैं। मंत्र का उच्चारण बार बार करने से वाइब्रेशन होता हैं जो शक्तिशाली होती हैं। मंत्रों के बारे बहुत विस्तार में जानकारी भी प्रदान किया। श्वास प्रेक्षा में पहले महाप्राण ध्वनि करवाया पश्चात मंत्र प्रेक्षा में केंद्र पर रंगों का ध्यान का महत्व बताया एवं नमस्कार महामंत्र के द्वारा इसका प्रयोग भी करवाया। मंत्र शक्ति, विशिष्ट रंग एवं चैतन्य केंद्र ये त्रिवेणी संगम का रूप है। जहाँ चाह हैं वहाँ राह हैं कहकर कार्यशाला के प्रयोगों को संपन्न करवाया। कुशल संचालन मंत्री नम्रता पितलिया ने किया व आभार ज्ञापन ज्ञानशाला प्रशिक्षका सुनीता भटेवर ने व्यक्त किया। इस कार्यशाला में उपाध्यक्ष संगीता बोहरा, कोषाध्यक्ष हंसा बाबेल, संगठन मंत्री सरोज मारू, कन्या मंडल संयोजिका पूर्णिमा कठोतिया, कार्यकारिणी इन्द्रा देवी कठोतिया, विमला बाई पितलिया आदि लोग मौजूद थी।

गीता मर्मज्ञ आचार्य आनंद सुब्रमण्यम शास्त्री को दी श्रद्धांजलि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रीमद्भगवद गीता के विद्वान स्व. आचार्य आनंद सुब्रमण्यम् शास्त्री जी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। वाराणसी में जन्में कर्नाटक के मूल निवासी आचार्य आनंद सुब्रमण्यम् शास्त्री विचारक चिंतक एवं गीता मर्मज्ञ पिछले महीने 28 जनवरी को गोलोकवासी हुए। जिसके बाद रविवार को बनशंकरी स्थित धर्मगिरी मंजुनाथेश्वरा मंदिर के सभागार में स्मृति सभा आयोजित की गई। इस सभा में शहर के गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ असम के राज्यपाल महामहिम लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि स्वामी जी पूरे विश्व को ही अपना परिवार मानते थे। उनका कहना था कि व्यक्ति का विकास महत्वपूर्ण है, क्योंकि व्यक्ति का विकास होने से ही समाज और राष्ट्र का विकास संभव है। उन्होंने उत्तर और दक्षिण के बीच श्रीमद्भगवतगीता प्रवचनों के माध्यम से एक सेतु का निर्माण किया। वे गीता के गहन अध्येता थे। इस अवसर पर व्यक्ति विकास संगठन द्वारा प्रकाशित स्वामी जी की लिखी हुई पुस्तक 'विचारों के फूल ' का लोकार्पण हुआ। श्री व्यक्ति विकास संगठन के अध्यक्ष विपिन राम अग्रवाल ने भी अपनी स्मृतियों को साझा किया। गुरुजी ने हिंदी अंग्रेजी और कन्नड़ तीनों भाषाओं में गीता का ज्ञान ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से देश विदेश के हजारों लोगों तक पहुंचाया। इस मौके पर अन्य गणमान्य व्यक्तियों में बेंगलूरु के पूर्व डीसीपी ईश्वर प्रसाद, प्रो. रवि कुमार, भास्कर अवधानी, के चन्द्रमौली, सत्यप्रकाश शास्त्री, डॉ. केटी विश्वनाथ, जी. श्रेयसी राव, वैष्णवी राव, महेश कुमार आदि लोग मौजूद थे।

जरूरतमंदों में खाद्य सामग्री का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्तिक सेवा संघ द्वारा रविवार को केंगेरी स्थित एक लेआउट में जरूरतमंद लोगों में वस्त्र वितरण के साथ ही चावल, बिस्किट के अलावा खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। अध्यक्ष बिमल सरावगी ने बताया कि जरूरतमंद लोगों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। सभी लोगों को ऐसे लोगों की सेवा करने के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर संघ के चेयरमैन सतीश मित्तल, अध्यक्ष बिमल सरावगी, सचिव बिनोद अग्रवाल के साथ कई सदस्य मौजूद थे।

बजट इनसाइट्स 2025 का आयोजन

डिजिटलीकरण और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग के कारण व्यवसाय अधिक पारदर्शी और सुलभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु साउथ और बेंगलूरु नॉर्थ ने संयुक्त रूप से बजट इनसाइट्स 2025 का आयोजन किया, जिसमें केंद्रीय बजट 2025 और इसके व्यवसायों पर प्रभावों को समझने के लिए एक व्यापक समझ प्रदान करने का प्रयास किया गया। यह कार्यक्रम देवराज उर्स भवन, वसंतनगर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के जाप से हुई। इसके बाद जीतो गणमान्य व्यक्तियों और वक्ताओं द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने उप-स्थित लोगों का स्वागत किया और जीतो की आर्थिक सशक्तिकरण, सेवा और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने कार्यक्रम के उद्देश्य को समझाते हुए कहा, जीतो के माध्यम से, हम नए कार्यक्रमों को विकसित करने और समाज के विकास को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं, जिससे व्यवसायिक क्षेत्र में प्रगति हो। विजय सिंघवी, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के मुख्य सचिव ने सत्र के लिए संदर्भ तैयार किया। उन्होंने कहा कि आयकर और जीएसटी में आने वाली चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी, ताकि व्यापारी कर प्रणाली को स्पष्ट रूप से समझ सकें। मुंबई से आए प्रसिद्ध वक्ता सीए विमल पुनमिया ने बजट 2025 में वित्त विधेयक के विभिन्न खंडों में किए गए 100 से अधिक संशोधनों और व्यवसायिक क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण और आधुनिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग के कारण व्यवसाय अधिक पारदर्शी और सुलभ हो गया है। पुनमिया ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों पर एक विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया, जिससे व्यवसायियों को कराधान के बारे में अद्यतन जानकारी मिली। कार्यक्रम में महिलाओं के कार्यस्थल पर सामना की जाने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। पुनमिया ने जोर दिया कि महिलाओं को आयकर के बारे में सटीक जानकारी होनी चाहिए, जिससे वे अपने वित्तीय अधिकारों और जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से समझ सकें। जीएसटी विशेषज्ञ ऋषभ सिंघवी ने बताया कि सरकार विभिन्न स्रोतों से डेटा एकत्र करती है, जिनमें आईटीआर, जीएसटी रिटर्न, बैंकिंग लेनदेन, डिजिटल भुगतान, आयात-निर्यात रिकॉर्ड, और पैन-आधार लिंकिंग शामिल हैं। उन्होंने समझाया कि इस डेटा का विश्लेषण करने से कर चोरी पर अंकुश लगाया जा सकता है और कर प्रणाली को पारदर्शी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में शिरीष शाह और हरिकिशन छाजेड़ द्वारा संचालित पैनल चर्चा में विमल पुनामिया और ऋषभ सिंघवी ने व्यवसाय, कराधान और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इसके बाद एक प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जहां प्रतिभागियों ने बजट 2025 और कर योजना के प्रभाव से संबंधित प्रश्न पूछे। यह चर्चा व्यवसायियों और पेशेवरों के लिए बहुत जानकारीपूर्ण थी। साउथ और नॉर्थ ने कैंटन बिजनेस फेयर 2025 लॉन्च किया, जो 15-20 अप्रैल, 2025 से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में, जीतो ब्रेनी ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के शीर्ष 8 विजेता और 11 दैनिक विजेता को पुरस्कार प्रदान किए गए। दोनों वक्ताओं का सम्मान किया गया।

200 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों की मजबूत उपस्थिति देखी गई। प्रमुख अतिथियों में श्रीपाल बचावत, सचिव जीतो एपेक्स, एपेक्स निदेशक और केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना, केकेजी जोन कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश जैन, जीतो बेंगलूरु साउथ के कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, सचिव प्रतीक गांधी, सह कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाड़िया और नरेंद्र सांकलेचा, साउथ जेपीएफ संयोजक रौनक गुलेचा, नॉर्थ जेपीएफ संयोजक संजय पितालिया, साउथ और नॉर्थ के प्रबंध समिति के सदस्य, जीतो यूथ विंग साउथ के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल, पूर्व जीतो एपेक्स निदेशक संजय धारीवाल और जीतो बेंगलूरु के पूर्व कोषाध्यक्ष राजेश मेहता शामिल थे।

भाषा साहित्य मंच की गोष्ठी में बिखरे प्रेम के विविध रंग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाषा साहित्य मंच की फरवरी माह की गोष्ठी शनिवार दोपहर गूगल मीट से प्रेम के विविध रंग विषय पर आयोजित हुई। गोष्ठी का आरंभ सुदेश वत्स की सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ। तत्पश्चात भाषा साहित्य मंच की संस्थापिका डॉ.उषा श्रीवास्तव ने स्वागत उद्बोधन में प्रेम के विविध रंगों के महत्व एवं मंच की गतिविधियों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम अध्यक्ष एवं मंच की सह संयोजिका डॉ. वत्सला किरण ने मंच के कुछ विषयों के बारे में चर्चा की। इस गोष्ठी में सभी सहभागियों ने विभिन्न रंगों के द्वारा प्रेम के सबसे सुंदर रंग को व्यक्त किया। सुदेश वत्स ने प्रेम के यथार्थ स्वरूप का वर्णन किया कि किस प्रकार किशोरावस्था में परवान चढ़ता हुआ प्रेम जीवन के विभिन्न आयामों से गुजरते हुए कहीं खो सा जाता है। भगवती सक्सेना ने अपनी रचना के द्वारा यह बताया कि कैसे आंखों के रास्ते प्रेम दिल में उतर जाता है। डॉ. लावण्या ने सच्चे प्रेम का बहुत सुंदर व्याख्यात्मक वर्णन किया और डॉ. पूर्णिमा श्रीनिवासन ने प्रेम विषय पर बहुत सुंदर रचना प्रस्तुत की। नंदिनी माथुर ने अपनी रचना माखन चोर -प्रेम जो हमारा जीवन गुलजार करता है सुनाकर मनमोहित कर दिया। डॉ. सीमा भाँति ने महाकुंभ की महिमा का वर्णन करके हमें महाकुंभ के अमृत स्नान का अनुभव करवा दिया।

शिल्पी भटनागर ने पहले कुछ दोहे एवं फिर अपनी गजल देखकर वो हमें मुस्कुराने लगे हैं, पूरे माहौल को शायराना कर दिया। सरिता श्रीवास्तव की कविता आया ऋतुराज देखो आया ऋतुराज गीत बहुत ही सुंदर, सुमधुर एवं सराहनीय थी। त्रिशला मिश्र की रचना प्रेम के विविध रूप पर सारगर्भित एवं सटीक प्रस्तुति सभी को पसंद आई।

डॉ. सुमन मेहरोत्रा की प्रस्तुति हर रंग जो रंग जाए सदैव की भांति उत्तम रही। डॉ. उषा श्रीव-ास्तव की लघुकथा सच्चा प्रेम अत्यंत मार्मिक थी जिसमें उन्होंने सच्चे प्रेम और उसके दिखावे का अंतर सुंदरता से स्पष्ट किया। साथ ही प्रेम के विविध रंगों के महत्व को बताया।

पांच दिवसीय एयर शो और एयरो इंडिया 2025 के 15वें संस्करण का उद्घाटन

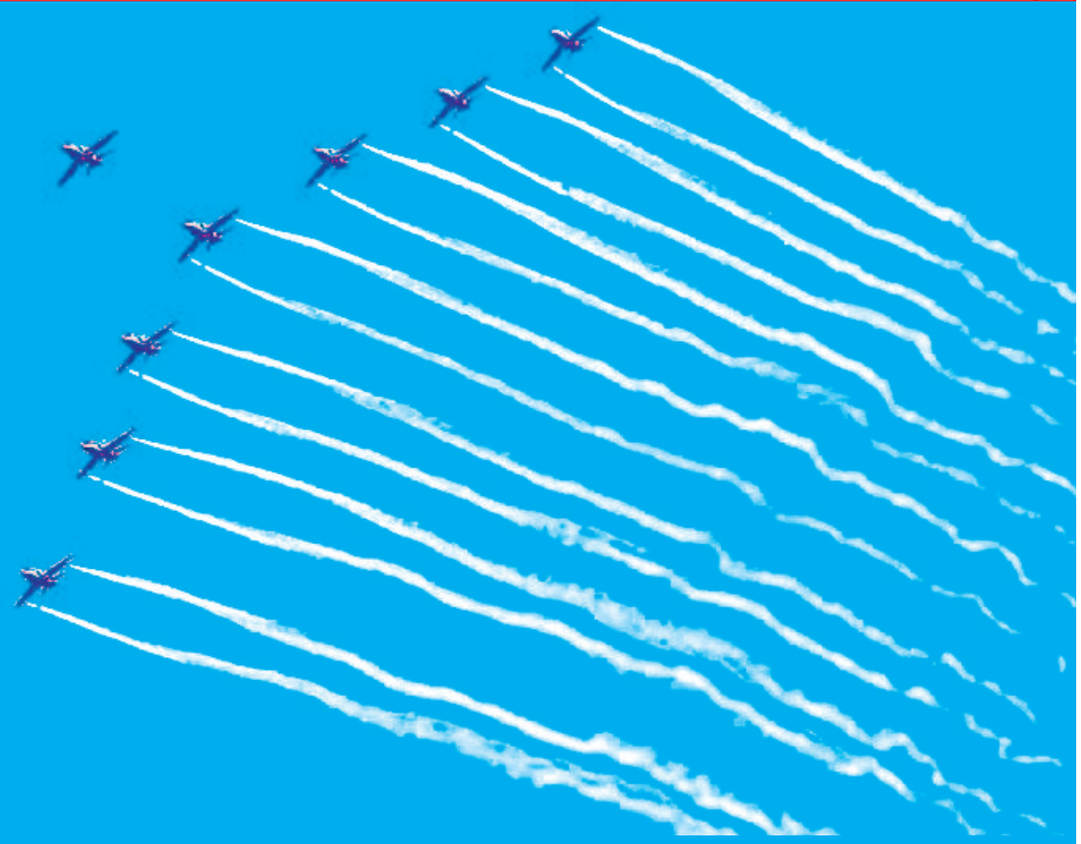

बेंगलूरु भारत की एयरोस्पेस की है राजधानी: डीके शिवकुमार

इसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि बेंगलूरु भारत की एयरोस्पेस राजधानी है, जो देश के एयरोस्पेस विनिर्माण और रक्षा अनुसंधान में लगभग 60 प्रतिशत का योगदान देता है। एयरो इंडिया 2025 के 15वें संस्करण को संबोधित करते हुए, शिवकुमार ने एयरोस्पेस नवाचार में कर्नाटक के नेतृत्व और वैश्विक भागीदारी को आकर्षित करने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा 2025 के एयरोस्पेस के 15वें संस्करण के इस महान आयोजन का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है। यह एक ऐसा प्रमुख मंच है जो एयरोस्पेस और रक्षा में भारत की विकास शक्ति को प्रदर्शित करता है। कर्नाटक इस यात्रा में सबसे आगे रहा है, जिसने नवाचार का नेतृत्व किया है और वैश्विक भागीदारी को आकर्षित किया है। बेंगलूरु देश की एयरोस्पेस राजधानी है, जो एयरोस्पेस निर्माण और रक्षा अनुसंधान में लगभग 60 प्रतिशत योगदान देता है। यह

एचएएल, इसरो, बोइंग, भारत और अन्य विश्व स्तरीय एयरोस्पेस संस्थानों का घर है जो नवाचार और विकास को बढ़ावा देते हैं। शहर के एयरोस्पेस क्षेत्र में 1.15 लाख से अधिक पेशेवर काम करते हैं, जो इसे नवाचार और रक्षा प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता बनाता है। हम शीर्ष तीन वैश्विक एयरोस्पेस शहरों में से एक हैं, जो विभिन्न विदेशी निवेशों को आकर्षित करते हैं। भारत के एयरोस्पेस विकास और नवाचार में कर्नाटक के योगदान की सराहना

करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बेंगलूरु दुनिया का एकमात्र ऐसा शहर है, जहाँ एक ही शहर से वाणिज्यिक और रक्षा दोनों हवाई अड्डे संचालित होते हैं। उन्होंने कहा भारत का एयरोस्पेस विकास और नवाचार आसमान छू रहा है। एयरो इंडिया सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं है, यह एयरोस्पेस और रक्षा में भारत की बढ़ती शक्ति का प्रमाण है। इस वर्ष की थीम रनवे टू बिलियन ऑपर्च्युनिटीज इस क्षेत्र में महत्वाकांक्षाओं को पूरी तरह से दर्शाती है। बेंगलूरु दुनिया का एकमात्र ऐसा शहर है, जहां एक ही शहर से वाणिज्यिक और रक्षा दोनों हवाई अड्डे संचालित होते हैं। विभिन्न देशों के साथ साझेदारी के माध्यम से भारतीय एयरोस्पेस मजबूत हो रहा है।

हम ग्रीन एविएशन प्रौद्योगिकियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस बीच, भारतीय वायु सेना के बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान सुखोई एसयू-30 एमकेआई ने सोमवार को एयरो इंडिया 2025 के दौरान आसमान में युद्धाभ्यास

900 से अधिक प्रदर्शकों की भागीदारी की पुष्टि

42,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में 150 विदेशी कंपनियों सहित 900 से अधिक प्रदर्शकों की भागीदारी की पुष्टि की गई है। यह अब तक का सबसे बड़ा एयरो इंडिया कार्यक्रम होगा। 15वां एयरो इंडिया 10 से 14 फरवरी के बीच आयोजित किया जाएगा। 10 से 12 फरवरी को व्यावसायिक दिन के रूप में आरक्षित किया गया है, जबकि 13 और 14 फरवरी को लोगों के लिए शो देखने के लिए सार्वजनिक दिन निर्धारित किए गए हैं। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन, सीईओ गोलमेज सम्मेलन, भारत और आईडीईएक्स मंडपों का उद्घाटन, मंथन आईडीईएक्स कार्यक्रम, सामर्थ्य स्वदेशीकरण कार्यक्रम, समापन समारोह, सेमिनार, शानदार एयरशो और एयरोस्पेस कंपनियों की प्रदर्शनी शामिल है।

करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बेंगलूरु में एयरो इंडिया एयर शो में लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली प्रोजेक्ट कुशा का भी प्रदर्शन किया गया, जो लगभग 400 किलोमीटर दूर हवाई लक्ष्यों पर हमला कर सकती है। मिसाइल को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा निजी क्षेत्र की फर्म सोलर इंडस्ट्रीज और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ साझेदारी में विकसित किया जाएगा। भारतीय वायुसेना के एलसीए तेजस मार्क 1ए ने भी आसमान में करतब दिखाए। दूसरी ओर, सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के बीएई हॉक एमके 132 ने राष्ट्रीय ध्वज के रंग बिखेरते हुए उड़ान भरी, जिसे दर्शक देख रहे थे। एयरो इंडिया 2025 का थीम 'द रनवे टू अ बिलियन ऑपर्च्युनिटीज' है। पांच दिवसीय इस कार्यक्रम में भारत की हवाई ताकत और स्वदेशी अत्याधुनिक नवाचारों के साथ-साथ वैश्विक एयरोस्पेस कंपनियों के अत्याधुनिक उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' विजन के अनुरूप, यह कार्यक्रम स्वदेशीकरण प्रक्रिया को तेज करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बनाने के लिए एक मंच भी प्रदान करता है, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के संकल्प को बल मिलता है।

उत्तर प्रदेश में 12 प्रतिशत बीमारियाँ प्रदूषित गंगा जल के कारण: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले को लेकर ट्वीट्स की अपनी श्रृंखला जारी रखते हुए मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा उत्तर प्रदेश में 12 प्रतिशत बीमारियाँ प्रदूषित गंगा जल के कारण होती हैं। इससे पहले, एआईसीसी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कुंभ मेले की आलोचना की थी। जबकि इस आलोचना की व्यापक रूप से रिपोर्ट की गई थी, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने महाकुंभ मेले में भाग लिया और पवित्र डुबकी लगाई। इस घटनाक्रम के बाद, मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान के आधार पर सोशल मीडिया पर व्यापक आलोचना व्यक्त की जा रही है। इस घटनाक्रम के बाद, मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे और मंत्री प्रियांक खड़गे ने ट्वीट

किया कि गंगा नदी बेहद प्रदूषित है। उन्होंने प्रदूषित जल में स्नान कर रहे श्रद्धालुओं का एक वीडियो भी साझा किया। यह वास्तविकता है कि हम गंगा के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। नमामि गंगे केवल बजट आवंटन तक ही सीमित है। उन्होंने ट्वीट किया कुंभ मेला चुनावी हथियार की तरह काम करता है। इसी तरह कुछ साल पहले किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि उत्तर प्रदेश में 12 प्रतिशत बीमारियाँ प्रदूषित गंगा जल के कारण होती हैं। गंगा बेसिन 11 राज्यों में फैला हुआ है और भारत के एक चौथाई भूभाग को कवर करता है। यह देश की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी का भरण-पोषण करता है, जिसमें भारत के दो-तिहाई गरीब समुदाय शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, यह भारत के सतही जल का 1/3 से अधिक आपूर्ति करता है और देश के सबसे बड़े सिंचित क्षेत्र को कवर करता है। हालांकि, इस तरह हम अपनी जीवन रेखा की रक्षा कर रहे हैं। इससे पहले कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में हिस्सा लिया और त्रिवेणी संगम में परिवार संग पवित्र डुबकी लगाई। उन्होंने इस विशेष क्षण की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की। उन्होंने लिखा हर-हर महादेव। मुझे 144 वर्षों में एक बार होने वाले महाकुंभ में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, यह मेरे लिए अत्यंत आनंद का क्षण है। डीके शिवकुमार के इस धार्मिक आयोजन में शामिल होने से कर्नाटक समेत पूरे देश में भक्तों में उत्साह देखा जा रहा है। महाकुंभ में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु आ रहे हैं और पुण्य स्नान कर रहे हैं।

आनंद सिंह के खिलाफ अवैध अयस्क खनन मामले में फैसला 24 फरवरी को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री आनंद सिंह के खिलाफ अवैध अयस्क खनन मामले में अंतिम फैसला 24 फरवरी को सुनाया जाएगा। जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत, जिसने मामले की सुनवाई की थी और सोमवार के लिए अपना फैसला सुरक्षित रखा था, ने अंतिम फैसला सुनाने की तारीख को फिर से स्थगित कर दिया है।

न्यायमूर्ति संतोष गजानन भट की एकल पीठ ने कहा कि वह 24 फरवरी को अंतिम फैसला सुनाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व मंत्री आनंद सिंह के खिलाफ अवैध खनन मामले में सीवीसी रिपोर्ट के

आधार पर जांच का आदेश दिया था। कर्नाटक लोकायुक्त ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद जांच की थी। वर्ष 2015 में मामला दर्ज कर जांच की गई तथा जयसिंहपुर के निकट एसवीके फ्लैट में 16,976 मीट्रिक टन अयस्क के अवैध खनन के आरोप में आरोप पत्र दाखिल किया गया। डीएसपी वेणुगोपाल के नेतृत्व में एक टीम ने जांच की और आरोप पत्र प्रस्तुत किया। मामले की सुनवाई करने वाली अदालत ने अपना फैसला सोमवार के लिए सुरक्षित रख लिया था।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

टी. नरसीपुर में 13वां कुंभ मेला शुरू

श्रद्धालुओं ने लगाई पवित्र डुबकी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

टी. नरसीपुर में 13वां कुंभ मेला, जो कावेरी, कपिला और अदृश्य और पौराणिक स्पतिका सरोवर नदियों के संगम पर है सोमवार को शुरू हुआ। लोगों ने पवित्र डुबकी लगाने के लिए स्नान घाटों पर जाने से पहले अगस्त्येश्वर, गुंजा नरसिंहस्वामी, चौदेश्वरी और हनुमान मंदिरों में प्रार्थना की।

अगस्त्येश्वर मंदिर में गण होम सहित धार्मिक अनुष्ठान हुए, जिसके बाद महा मंगला आरती हुई। आदि चुंचनगिरी मठ की मैसूरु शाखा के सोमेश्वरनाथ स्वामीजी, कागिनेले मठ के शिवानंदपुरी स्वामी और अन्य संतों ने तीन दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर श्रद्धालुओं को पवित्र डुबकी लगाने में नेतृत्व किया। मैसूरु से लगभग 35 किमी दूर स्थित टी. नरसीपुर को तीन नदियों के संगम के कारण प्रयागराज जितना ही पवित्र माना जाता है। इसके अलावा, इस शहर का एक पुराना अतीत है और यह प्राचीन मंदिरों से भरा पड़ा है, जिनमें कावेरी के तट पर गुंजा नरसिंहस्वामी मंदिर और अगस्त्येश्वर मंदिर सबसे प्रसिद्ध हैं। मंदिरों को गंगा या चोल काल के उत्तरार्ध का माना जाता है, हालांकि इनका विस्तार होयसल, विजयनगर शासकों द्वारा किया गया था और मैसूरु के वाडियार द्वारा इन्हें और अधिक सुशोभित किया गया था। टी. नरसीपुर में 10 से 12 फरवरी तक कुंभ मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें विशेष अनुष्ठान, धार्मिक समागम और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यहां कुंभ मेला हाल ही में शुरू हुआ है और 1989 में सुत्तूर के संत श्री शिवरात्रि देशिकेंद्र स्वामीजी और अन्य संतों की पहल पर शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को टी. नरसीपुर में संगम पर डुबकी लगाने के लिए प्रोत्साहित करना है, यदि वे प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन या नासिक में होने वाले कुंभ मेले में भाग लेने में असमर्थ हैं। परिणामस्वरूप, टी. नरसीपुर में कुंभ मेला तीन वर्षों में एक बार आयोजित होता है, जो उन चार स्थानों पर होने वाले आयोजन के साथ मेल खाता है, जहाँ इस परंपरा का पुराना इतिहास है।

बेंगलूरु के इंदिरानगर में कोई सीरियल किलर नहीं

वायरल अफवाहों के बाद पुलिस ने किया स्पष्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के इंदिरानगर में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सोशल मीडिया पर एक सीरियल किलर के बारे में यह दावा किया गया कि वह कई लोगों पर हमला कर रहा है। हालांकि, पुलिस ने अफवाहों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि घटना में सीरियल किलर नहीं बल्कि एक उपद्रवी शामिल था। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ईस्ट, डी. देवराजा ने पुष्टि की कि आरोपी ने 8 फरवरी की रात को चार लोगों पर चाकू से हमला किया था। पुलिस के अनुसार, हमलावर नशे की हालत में था, जब वह अपने परिवार के साथ झगड़ा करने लगा और हिंसक हो गया

और चार लोगों को घायल कर दिया। इसके बाद वह मौके से भाग गया।

पुलिस ने पुष्टि की कि आरोपी का इतिहास छोटी-मोटी चोरी का है और उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। भारतीय कानून स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं करते हैं कि सीरियल किलर कौन है, हालांकि इसे मोटे तौर पर एक ही व्यक्ति द्वारा दो या तीन से अधिक लोगों की हत्या के रूप में समझा जाता है। आमतौर पर हत्यारे को पीड़ित अज्ञात होते हैं और ज्यादातर मामलों में अपराध के कारण गैर-व्यक्तिगत होते हैं। सीरियल किलिंग सामूहिक हत्या से अलग है, जहां सभी पीड़ितों को एक ही समय में मार दिया जाता है। पीड़ितों का इलाज चल रहा है और वे खतरे से बाहर हैं। इंदिरानगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसी कोई भी असत्यापित जानकारी न फैलाएं जिससे दहशत फैल सकती है।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 185 मरीजों ने लिया लाभ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। रोटरी के पूर्व अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने बताया कि दृष्टि बाधितों के लिए लगाए जा रहे नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का सभी को लाभ उठाना चाहिए और आंखों की देखभाल पर जोर देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि आंख एक महत्वपूर्ण मानव अंग है और दृष्टि बाधित होने के कारण जीवन कठिन हो जाता है।

समाज में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में दृष्टिबाधित लोगों की संख्या कम करने की महत्वाकांक्षा के साथ यह सेवा कार्य कर रहे हैं और इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

अरविंद चिकित्सालय के डॉ. देवकृष्णा, डॉ. अर्पणा होसूर सहित नर्सिंग कर्मियों ने लोगों की आँखों की जांच की। समस्याग्रस्त लोगों को कोयम्बत्तूर स्थित अरविंद नेत्र चिकित्सालय ले जाया गया। गांवों के लगभग 185 से अधिक लोगों ने आंखों की जांच कराई। इस मौके पर वेंकटेश, राजू, विजय कुमार, कानसिंह सिया-गवरीदेवी, राजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गृह मंत्री परमेश्वर ने पीयूष गोयल की टिप्पणी पर किया पलटवार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का यह बयान कि राज्य के लिए करों में उचित हिस्सा मांगना शर्मनाक है, निंदनीय है। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने पलटवार करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री जो यह कहते हैं कि राज्य को अन्याय होने के बावजूद उसे बर्दाश्त करना चाहिए था, उन्हें शर्म आनी चाहिए। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने अफसोस जताया कि केंद्रीय मंत्री को यह कहते हुए शर्म आनी चाहिए कि हमें हमारा हिस्सा नहीं मांगना चाहिए, जबकि दूसरी ओर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कहती हैं कि राज्य सरकार दिवालिया हो चुकी है और यह भी एक

व्यवस्था लगती है। बता दें कि केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि वह सीधे तौर पर कर का हिस्सा नहीं देंगे। परमेश्वर ने कहा योजना आयोग का गठन पहले कांग्रेस काल में हुआ था। भाजपा सरकार इसे नीति आयोग में बदलकर राज्यों को धोखा दे रही है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को फटकार लगाते हुए कहा कि पहले तो उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए। राज्य सरकार पर जाति जनगणना का खुलासा करने में आनाकानी करने के आरोपों का जवाब देते हुए परमेश्वर ने कहा कि इसके लिए सही अवसर आना ही चाहिए। सोशल मीडिया पर इस पर व्यापक चर्चा हो रही है। पिछड़ा वर्ग के लिए स्थायी आयोग की रिपोर्ट सबसे पहले कैबिनेट में पेश की जानी चाहिए।

फिर इसे सार्वजनिक बहस के लिए खुला रखा जाना चाहिए। अब तक की कैबिनेट बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री की अस्वस्थता के कारण कुछ बैठकें स्थगित कर दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि 17 तारीख को मालेमहादेश्वर हिल पर होने वाली कैबिनेट बैठक में यह मुद्दा उठाए जाने की संभावना है। बीएमआरसीएल ने मेट्रो किराया बढ़ाने का फैसला लिया है। यह एक स्वायत्त संगठन है और इसने लागत के आधार पर कीमतें बढ़ाई हैं। उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री या केंद्र सरकार ने इस मामले में क्या किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ बैठक औपचारिक थी। वहां कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। अगर कोई चर्चा होगी भी तो मैं मीडिया को नहीं बताऊंगा। खड़गे और हम एक परिवार हैं।

राजनीति से इतर वह मेरे बड़े भाई हैं। इसलिए हम अक्सर मिलते रहते हैं। हम कई पारिवारिक मामलों पर बात करते हैं। उन्होंने कहा कि वह मीडिया को सब कुछ नहीं बता सकते। परमेश्वर ने केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के कुंभ मेले में भाग लेने पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

बेलूर के पास बाघ मृत पाया गया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के बेलूर के पास रामदेवरा हाला में रविवार शाम को एक बाघ मृत पाया गया। ग्रामीणों ने जानवर को देखा और वन विभाग के अधिकारियों को सूचित किया। जब तक अधिकारी मौके पर पहुंचे, तब तक अंधेरा हो चुका था। वे पोस्टमार्टम नहीं कर सके। हासन के प्रभागीय वन अधिकारी सौरभ कुमार ने बताया कि जानवर अगस्त 2024 से हासन और बेलूर तालुकों के जंगलों में देखा गया था। जानवर की उम्र करीब तीन से चार साल थी। रविवार शाम को हमें रामदेवरा हाला में जानवर के मृत पाए जाने की सूचना मिली। पशु चिकित्सक सोमवार को मौके पर पहुंचे और पोस्टमार्टम किया।

वन्यजीव शिकार के प्रयास में दो गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

करकला वन्यजीव प्रभाग के वन अधिकारियों ने नूरलबेट्टा गांव में मूरलीकरप्पा के पास कुद्रेमुख वन्यजीव क्षेत्र में जंगली जानवरों का शिकार करने के प्रयास में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान प्रशांत पुजारी और अशोक पुजारी के रूप में हुई है, जो दोनों स्थानीय निवासी हैं।

अधिकारियों ने आरोपियों द्वारा इस्तेमाल की गई एक बन्दूक, 21 गोलियां, एक सर्चलाइट, दो मोबाइल फोन, साथ ही एक कार और एक ऑटो-रिक्शा जब्त किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह अभियान कुद्रेमुख वन्यजीव प्रभाग के उप वन संरक्षक शिवरामु बाबू के निर्देशन में सहायक वन संरक्षक सतीश एन के मार्गदर्शन में चलाया गया। टीम का नेतृत्व करकला वन्यजीव रेंज के वन अधिकारी शशिधर गौड़ा पाटिल ने किया। इस अभियान में उप-रेंज वन अधिकारी राजू एल जे, अधिकारी अभिलाष एस बी, गश्ती वन रक्षक पकिरप्पा और मलैया, शिकार विरोधी रक्षक हरीश एम, नितिन और अजीत, तथा चालक दामोदर और नितिन जे हेगड़े शामिल थे।

जागरूकता प्रयासों के बावजूद दत्तनगर में लगातार कचरा डंपिंग जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दत्तनगर में कचरा निपटान और कूड़ा फेंकने की समस्या पिछले कई महीनों से एक बड़ी समस्या बनी हुई है।

कई स्थानों पर चेतावनी बैनर लगाए जाने के बावजूद, लोग काफी हद तक उदासीन बने हुए हैं और सड़क किनारे कूड़ा फेंकना जारी रखे हुए हैं। इस लगातार समस्या से निपटने के प्रयास में, दत्तनगर निवासीगाला संघ ने कन्नड़ में एक विचारोत्तेजक बैनर लगाया है, जिस पर लिखा है, शिक्षित होने के नाते, यदि आप कचरा फेंकते हैं और अंत में, अशिक्षित कर्मचारी इसे साफ करते हैं, तो शिक्षा का क्या मतलब है? यह संदेश व्यक्तिगत जिम्मेदारी के महत्व को रेखांकित करता है और शिक्षा के मूल्य पर सवाल उठाता है। यदि लोग उचित कचरा निपटान जैसे बुनियादी नागरिक कर्तव्यों का

पालन करने में विफल रहते हैं, इस बैनर के साथ, कूड़ा फेंकने के परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कन्नड़ वर्णमाला वाला एक और चिन्ह लगाया गया है।

इसके अतिरिक्त, कचरा फेंकने वालों पर नजर रखने और उन्हें रोकने के लिए सड़क के किनारे एक सीसीटीवी कैमरा रणनीतिक रूप से लगाया गया है। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, स्थिति गंभीर बनी हुई है। दत्तनगर 3 क्रॉस पर नाला, जो येय्याडी से जुड़ता है, एक प्रमुख डंपिंग ग्राउंड बना हुआ है। कचरा निपटान के कारण बार-बार जाम होने से प्रदूषण और भी बढ़ गया है, जिससे स्थानीय पर्यावरण और भी खराब हो गया है। कुछ व्यक्तियों की लापरवाह हरकतें कचरा प्रबंधन अधिकारियों के लिए बड़ी चुनौतियां पेश करती रहती हैं, जिससे समुदाय की स्वच्छता और भलाई को खतरा होता है।

हिंदुओं की आस्था और विश्वास के साथ खेलना बंद करें कांग्रेसी: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने तंज कसते हुए कहा अयोध्या में भगवान राम की स्थापना के एक साल बीत जाने के बाद भी कुछ कांग्रेसी नेता इसे पचा नहीं पा रहे हैं। अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए हिंदुओं की आस्था और विश्वास के साथ खेलना बंद करें। इस संबंध में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने पूछा मंत्री महादेवप्पा, जब आप हिंदुओं की एकता और उत्सव देखते हैं तो आपको इतनी जलन क्यों होती है?

क्या आपने नहीं कहा था कि प्राचीन कवि महर्षि वाल्मीकि के श्री राम अयोध्या के श्री राम से अलग हैं? तो राष्ट्रकवि कुवेम्पु की रचना श्री रामायण दर्शनम में राम कौन हैं? वाल्मीकि के राम या अयोध्या के राम? हिंदुओं की एकता को तोड़ने वाली और हिंदू समाज में विभाजन पैदा करने वाली इन कम्युनिस्ट विचारधाराओं का नए भारत में कोई स्थान नहीं है।

वामपंथी विचारधारा से प्रेरित ऐसी मनगढ़ंत कहानियों और विभाजनकारी बातों पर कोई विश्वास नहीं करता। अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए हिंदुओं की आस्था और विश्वास के साथ खेलना बंद करें। इससे पहले समाज कल्याण मंत्री डॉ. एचसी महादेवप्पा ने कहा था कि वाल्मीकि द्वारा रचित भगवान राम अयोध्या के भगवान राम से भिन्न हैं। हरिहर तालुक के राजनहल्ली स्थित वाल्मीकि गुरुपीठ में आयोजित जात्रा महोत्सव में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वाल्मीकि ही राम के रचयिता हैं। अयोध्या के राम और वाल्मीकि के रामराज्य की अवधारणा में अंतर है। रामायण में जब वाल्मीकि ने श्री राम का राज्याभिषेक किया तो पूरी दुनिया ने खुशी मनाई। राज्याभिषेक के दौरान और वनवास के दौरान भी श्री राम अडिग रहे। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि ने इसके माध्यम से दिखाया है कि धर्म यथास्थिति की वकालत करता है।

उडुपी के करावली जंक्शन हत्याकांड में तीन गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने करीब डेढ़ साल पहले उडुपी के करावली जंक्शन के पास हुई हत्या के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कनकप्पा हनुमंत रोड़ी (46), यमनूर तिप्पन्ना मारन बसारी (24) और यमनूरप्पा जेडी उर्फ रोड़ी यमनूरप्पा (26) के रूप में हुई है, जो कोप्पल जिले के बिलाकल कुष्टगी के निवासी हैं।

यह घटना 16 अक्टूबर की रात से 17 अक्टूबर, 2023 की सुबह के बीच हुई। पीड़ित कित्तूर सिद्दप्पा शिवनप्पा हुब्बल्ली पर हथियार से हमला किया गया था और करावली जंक्शन के पास अज्ञात हमलावरों ने उसकी हत्या करने से पहले उसका दाहिना हाथ काट दिया था। उडुपी

टाउन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। कथित तौर पर हत्या कपड़े के एक टुकड़े के गायब होने को लेकर हुए विवाद से जुड़ी हुई थी। घटना की रात सिद्दप्पा ने दूसरे आरोपी यमनूर तिप्पन्ना मारन बसारी के दोस्त चिन्नू पटेल हुब्बल्ली पर आधी रात के आसपास हमला किया था। जब बसारी ने हमले के बारे में सिद्दप्पा से बात की तो उसके साथ भी मारपीट की गई। बदला लेने के लिए तीनों आरोपियों ने बाद में सिद्दप्पा पर जान से मारने के इरादे से हमला किया। बसारी ने कथित तौर पर उस पर चाकू से हमला किया, जिससे सिद्दप्पा की मौत हो गई। गिरफ्तार किए गए लोगों को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कर्नाटक सरकार की गारंटी योजनाओं की संयुक्त राष्ट्र महासभा अध्यक्ष ने सराहना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने कर्नाटक सरकार की पांच गारंटी योजनाओं की प्रशंसा की है, जो मुख्य रूप से महिलाओं को लाभ पहुंचाती हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए योजनाओं की सराहना की। हाल ही में यांग ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और योजनाओं के सफल कार्यान्वयन पर उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक प्रेस बयान में कहा कि गारंटी योजनाएं महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं और इसमें शक्ति योजना के तहत मुफ्त बस यात्रा, गृह ज्योति के तहत मुफ्त बिजली और भूख और कुपोषण को रोकने के लिए अन्न भाग्य के तहत मुफ्त भोजन जैसे लाभ शामिल हैं। यांग ने महिलाओं के कल्याण पर उनके प्रभाव को स्वीकार करते हुए इन पहलों की सराहना की। यांग ने महिला-केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कर्नाटक सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की सफलता को भविष्य के संयुक्त राष्ट्र कार्यशालाओं में साझा किया जाएगा, जिससे अन्य देश इन आदर्श योजनाओं को अपना सकेंगे। इसके अतिरिक्त, कर्नाटक अक्षय ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी है, जो अपनी कुल ऊर्जा का 40 प्रतिशत अक्षय स्रोतों से उत्पन्न करता है। यांग ने सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), अनुसंधान और नवाचार में राज्य की प्रगति की भी प्रशंसा की और कर्नाटक को इन क्षेत्रों में वैश्विक केंद्र के रूप में मान्यता दी। राज्य की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश ने रेशम के कोकून का उपयोग करके स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा बनाए गए गुलदस्ते के साथ यांग का स्वागत किया।

रेल मंत्री ने बेतिया रेलवे ऊपरी पुल राष्ट्र को समर्पित किया

बेतिया एवं मुजफ्फरपुर स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का लिया जायजा

हाजीपुर , 10 फरवरी (एजेंसियां)।

बेतिया मेरेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समपार सं. 02 पर नवनिर्मित सड़क ऊपरी पुल (आर.ओ.बी.) को यहां आयोजित एक समारोह में राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान उपस्थित सांसदगण एवं जनसमूह द्वारा बेतिया के रास्ते गोरखपुर और पटना के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की भारी मांग पर उन्होंने विचार करने का आश्वासन दिया और कहा कि जल्द ही पूरे भारत में कई वंदे भारत ट्रेनें चलायी जाएगीं । रेल मंत्री ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किये जा रहे बेतिया स्टेशन के 3डी मॉडल का भी अवलोकन किया ।

इस अवसर पर बेतिया में आयोजित समारोह में कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, सांसद डॉ. संजय जायसवाल, सांसद सुनील कुमार, माननीय सांसद गोपालजी ठाकुर एवं विधायकगण सहित कई अन्य अतिथिगण उपस्थित थे। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह एवं समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव भी उपस्थित थे।

समारोह के उपरांत बेतिया स्टेशन पर आयोजित प्रेस वार्ता में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2009 से 2014 के बीच बिहार में रेलवे के विकास के लिए प्रतिवर्ष औसतन 1,132 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल के बजट में बिहार को रेलवे के लिए रिकॉर्ड 10 हजार 66 करोड़ रूपये का बजट दिया है । यानी पिछली सरकार की तुलना में करीब-करीब नौ गुना अधिक बजट आवंटित किया है। इसी रिकॉर्ड बजट का परिणाम है कि बिहार में नई रेल लाइनों के निर्माण, विद्युतीकरण, नई ट्रेनों का संचालन, स्टेशनों का विकास, यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी के कार्य रिकॉर्ड स्तर पर किए जा रहे हैं ।

उन्होंने कहा कि बिहार में रेलवे के समग्र विकास हेतु 95 हजार 566 करोड़ रूपए का इंवेस्टमेंट किया जा रहा है जिससे अगले 05 वर्षों में बिहार में रेलवे का नेटवर्क का कम्पलीट ट्रांसफॉर्मेशन होने वाला है । उन्होंने कहा कि बिहार में चल रहे प्रोजेक्ट के लिए फंड की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी बिहार में 2009 से 2014 के मध्य जहां औसतन प्रतिवर्ष 64 किमी नई लाइन का निर्माण होता था वहीं 2014 से 2025 के मध्य प्रतिवर्ष औसतन 167 किमी नई लाइन का निर्माण हुआ है, जो लगभग 2.6 गुणा ज्यादा है ।

आपके बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार में 2014 से अब तक 1832 किमी नई रेल लाईन का निर्माण किया जा चुका है जो मलेशिया के कुल रेल नेटवर्क के बराबर है । इसके साथ ही बिहार में 2014 से 3020 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया गया है । इसी का परिणाम है कि आज बिहार में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है । उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन के तहत चम्पारण के आसपास के प्रमुख स्टेशनों जैसे - बेतिया, बापूधाम मोतिहारी, नरकटियागंज, रक्सौल आदि सहित बिहार में कुल 98 स्टेशनों का पुर्नविकास किया जा रहा है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में रेलवे अवसंरचना के विकास हेतु नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा रेलखंड के दोहरीकरण कार्य की कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गयी है । वर्तमान में वाल्मीकिनगर-सगौली एवं सगौली-मुजफ्फरपुर रेलखंड का दोहरीकरण कार्य चल रहा है। इसके पूर्ण हो जाने से इस क्षेत्र में और कई ट्रेनों का परिचालन संभव हो पाएगा ।

प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों से कहा कि वे खुद को चुनौती दें, लेकिन परीक्षा का दबाव न लें

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अपने वार्षिक 'परीक्षा पे चर्चा' के आठवें संस्करण के प्रसारण में पोषण, दबाव पर नियंत्रण और नेतृत्व जैसे कई मुद्दों पर छात्रों से बातचीत की।

मोदी ने छात्रों से कहा कि 'ज्ञान' और परीक्षा दो अलग अलग चीजें हैं। उन्होंने कहा कि किसी को भी परीक्षा को जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं समझना चाहिए। देश भर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए छात्रों के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों को किसी दायरे में बांधा नहीं जाना चाहिए और उन्हें अपनी अभिलाषा को तलाशने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उन्होंने छात्रों से अपने समय का उपयोग योजनाबद्ध तरीके से करने को कहा ताकि इसका प्रभावी प्रबंधन हो सके।

प्रधानमंत्री ने छात्रों से 'अपने समय, अपने जीवन पर नियंत्रण रखने, वर्तमान में जीने, सकारात्मकता की तलाश करने, पोषण' जैसे मुद्दों पर बात की।

छात्रों ने उनसे विभिन्न मामलों पर सवाल पूछे। पारंपरिक 'टाउन हॉल' प्रारूप से हटकर मोदी ने इस बार अधिक अनौपचारिक व्यवस्था को प्राथमिकता दी और लगभग 35 छात्रों को यहां सुंदर नर्सरी ले गए तथा अधिक गहन एवं मुक्त बातचीत की।

माता-पिता से अपने बच्चों को दिखावे के लिए मॉडल के रूप में इस्तेमाल नहीं करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों की तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए बल्कि उनका समर्थन करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने अच्छी नींद के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को यह नहीं सोचना चाहिए कि अगर वे अधिक अंक नहीं लाते हैं तो उनका जीवन बेकार हो जाएगा।

मोदी ने कहा कि छात्रों को दबाव को उसी तरह से संभालना चाहिए जैसे बल्लेबाज दर्शकों के शोर के बीच स्टेडियम में करते हैं। उन्होंने कहा कि बल्लेबाज बाउंड्री की मांग को नजरअंदाज करते हुए अगली गेंद पर ध्यान केंद्रित करते हैं। प्रधानमंत्री ने छात्रों से अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और परीक्षाओं के दबाव में नहीं आने को कहा।

हालांकि, मोदी ने उन्हें खुद को चुनौती देने और हमेशा अपने पिछले परिणामों से बेहतर करने की कोशिश करने को कहा।

उन्होंने पोषण और ध्यान की आवश्यकता पर जोर दिया।

नेतृत्व के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि लोग नेताओं के आचरण से प्रेरणा लेते हैं और केवल भाषणों से मदद नहीं मिलती।

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम और आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जैसी प्रसिद्ध हस्तियों ने भी इस साल 'परीक्षा पे चर्चा' की विभिन्न कड़ियों में जीवन और सीखने के प्रमुख पहलुओं पर अपना अनुभव और ज्ञान छात्रों के साथ साझा किया।

सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे पर मुख्य न्यायाधीश करेंगे फैसला

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे के मामले में सुनवाई पर मुख्य न्यायाधीश कोई फैसला ले सकते हैं।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने निर्देश दिया कि इस मुद्दे को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष बड़ी पीठ द्वारा विचार के लिए रखा जाए।

पीठ ने यह निर्देश देते हुए कहा इस मसले को दो न्यायाधीशों की पीठ द्वारा फिर से खोलना अनुचित होगा, क्योंकि तीन न्यायाधीशों की पीठ ने पहले ही अपने फैसले में इस मामले में सुनवाई की थी।

शीर्ष अदालत अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर 2016 की जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका

से दोषी व्यक्तियों की एक समान अयोग्यता की मांग की गई थी। साथ ही, उन आपराधिक मामलों के फैसले के लिए एक साल की समयसीमा निर्धारित करने की मांग की गई है।

अदालत के समक्ष न्याय मित्र की भूमिका निभा रहे वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने राजनेताओं के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों पर एक अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कई अदालती आदेशों के बावजूद, 42 फीसदी मौजूदा लोकसभा सदस्य अभी भी आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं, जिनमें से कुछ 30 साल से अधिक समय से लंबित हैं।

उन्होंने अन्य मामलों को संभालने वाली विशेष एमपी/एमएलए अदालतों, अत्यधिक स्थगन और सख्त प्रक्रियात्मक प्रवर्तन की कमी सहित प्रमुख बाधाओं को उजागर किया।

हंसारिया ने सुझाव दिया कि यदि कोई आरोपी लगातार दो बार पेश नहीं होता है, तो गैर-जमानती वारंट जारी किया जाए।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि मामले को दो सप्ताह बाद भी रखा जा सकता है, क्योंकि उन्होंने राजनीति के अपराधीकरण के बारे में चिंताओं के साथ प्रासंगिक निर्णयों और अन्य दस्तावेजों का संकलन किया है।

पीठ ने कहा,हम हर हितधारक को सुनने के लिए तैयार हैं।

शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई चार मार्च को करेगी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव : भाजपा के सभी 11 जाट प्रत्याशी चुनाव जीत गए

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 11 जाट नेताओं को टिकट दिया था। इन सभी ने जीत का परचम लहराया। मुस्लिम नेताओं की स्थिति कमजोर हुई है। पंजाबी, सिख, ब्राह्मण और उत्तराखंड के नेताओं की संख्या में भी इजाफा हुआ है।

विधानसभा चुनाव में भाजपा की लहर ने न केवल विपक्षी दलों, बल्कि विभिन्न जातियों और समुदायों को भी अप्रत्याशित परिणाम दिए। इस चुनाव ने विधायकों के जीतने के मामले में जातीय समीकरणों में बदलाव देखने को मिला। जाट, पंजाबी, सिख, ब्राह्मण और उत्तराखंड के नेताओं के विधायक बनने की संख्या में इजाफा हुआ है, जबकि पूर्वांचली, यादव, राजपूत, गुर्जर, वैश्य और मुस्लिम नेताओं को नुकसान का सामना करना पड़ा। चुनाव में सबसे बड़ी बढ़त जाट नेताओं को मिली। भाजपा ने 11 जाट नेताओं को टिकट दिया था जो जीतने में सफल रहे। आम आदमी पार्टी ने सात जाट नेताओं को मैदान में उतारा, जिनमें से केवल एक ही जीत सका। जाट नेताओं ने इस चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीतीं।

पंजाबी और सिख नेताओं ने भी इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया। पंजाबी नेताओं की संख्या में 2020 की तुलना में इजाफा हुआ और इस बार पांच पंजाबी नेता विधानसभा में पहुंचे, जबकि 2020 में यह संख्या केवल तीन थी। इसी तरह सिख समुदाय ने भी बढ़त हासिल की और 2025 में चार सिख विधायक चुनकर आए, जबकि 2020 में यह संख्या केवल दो थी। दूसरी ओर, भाजपा ने नौ ब्राह्मण उम्मीदवारों को टिकट दिया जिनमें से छह जीते। वहीं, आम आदमी पार्टी के केवल एक ब्राह्मण नेता को जीत मिली।

भाजपा के सभी आठ वैश्य उम्मीदवार चुनाव जीतने में सफल रहे, जबकि आम आदमी पार्टी के लिए यह चुनौतीपूर्ण रहा। लिहाजा, वैश्य समुदाय में भाजपा का दबदबा दिखा। इसी तरह पूर्वांचली नेताओं की बात करें तो भाजपा ने छह पूर्वांचली नेताओं को टिकट दिया, जिनमें से चार जीतने में सफल रहे। आम आदमी पार्टी के केवल तीन पूर्वांचली नेता ही जीत सके, जो 12 उम्मीदवारों में से थे।

मुस्लिम नेताओं की स्थिति भी कमजोर हुई है। वर्ष 2020 में पांच मुस्लिम नेता विधानसभा में पहुंचे थे। वहीं, वर्ष 2025 में केवल चार नेता ही जीत सके।

दिल्ली पंचायत संघ ने बड़ी संख्या में ग्रामीण पृष्ठभूमि के विधायक चुनने पर दिल्ली देहात के निवासियों का आभार व्यक्त किया है।

पंचायत संघ के प्रमुख थानसिंह यादव ने 25 विधायकों को बधाई देते हुए हुए दिल्ली देहात और ग्रामीण क्षेत्रों के मुद्दों पर जल्द काम करने की अपील की। साथ ही, उन्होंने भाजपा से ग्रामीण पृष्ठभूमि के किसी विधायक को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। थान सिंह ने कहा कि दिल्ली देहात के लोग दशकों से अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उन्होंने इस बार पंचायत संघ के आह्वान पर अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद करते हुए भाजपा को समर्थन दिया है। इसी कड़ी में यादव ने दिल्ली देहात की 18 सूत्री मांगों का एक ज्ञापन नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री को सौंपने का इरादा जताया।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ब्रह्म प्रकाश और साहिब सिंह वर्मा के दिल्ली देहात के विकास के सपने को भी पूरा करने की उम्मीद व्यक्त की। वर्ष 2020 में पांच गुर्जर नेता चुनाव जीतने में सफल हुए थे।

वहीं, इस बार केवल चार गुर्जर नेताओं को ही सफलता मिली। यादव समुदाय के नेताओं की भी संख्या में गिरावट आई और अब केवल दो नेता विधानसभा में पहुंचे हैं, जबकि 2020 में ये चार थे। राजपूत समुदाय के नेताओं को भी इस बार नुकसान हुआ और केवल दो राजपूत नेता ही विधानसभा में पहुंचे, जबकि 2020 में संख्या चार थी।

पहली बार फरवरी में भी खुला है जोजिला दर्रा

जम्मू, 10 फरवरी (ब्यूरो)।

मौसम की आंख मिचौनी का परिणाम है कि कश्मीर को लद्दाख से जोड़ने वाला जोजिला दर्रा इस बार फरवरी में भी अभी तक खुला हुआ है। जोजिला दर्रा, लद्दाख को कश्मीर और उससे आगे जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण पर्वतीय दर्रा है, जो 11,575 फीट की ऊँचाई पर स्थित है। और इसे ऐतिहासिक उपलब्धि कहें या मौसम का बदलाव की यह क्षेत्र की बेहद कठोर सर्दियों की परिस्थितियों के बावजूद पहली बार फरवरी के दौरान भी खुला हुआ है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि का श्रेय स्थानीय प्रशासन, जिला अधिकारियों, सीमा सड़क संगठन और भारतीय सेना के अथक प्रयासों को जाता है, जिन्होंने शून्य से नीचे के तापमान और चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के बावजूद डटे रहे। जोजिला दर्रा कश्मीर और लद्दाख के बीच एक आवश्यक संपर्क है, जो रक्षा, व्यापार, नागरिक आवाजाही और पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण है। यह नियंत्रण रेखा व वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास सैन्य परिवहन की सुविधा प्रदान करता है और लद्दाख में महत्वपूर्ण वस्तुओं की डिलीवरी की गारंटी देता है।

जेड मोड़ सुरंग सहित कनेक्टिविटी में हाल के विकास ने क्षेत्र में पहुँच को और बढ़ा दिया है। जेड मोड़ सुरंग जम्मू और कश्मीर में एक गेम-चेंजिंग इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना है। 6.5 किलोमीटर लंबी यह दो लेन वाली सुरंग गगनगीर को सोनमर्ग से जोड़ती है, जिससे इस हिल स्टेशन तक साल भर पहुंच सुनिश्चित होती है, जो पहले हिमस्खलन-प्रवण सड़कों के कारण कठोर सर्दियों के दौरान कट जाता था। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर ₹2,400 करोड़ की लागत से बनी यह सुरंग एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम कर रही है, जो लद्दाख से संपर्क बढ़ाती है और क्षेत्र में सैन्य रसद में सुधार करती है।

जोजिला दर्रे पर काम करने वाले अब्दुल रशीद लोन ने मार्ग को बनाए रखने में अपनी टीम के समर्पण पर जोर दिया। वे कहते हैं कि इस सर्दी में अब तक जोजिला केवल कुछ दिनों के लिए ही बंद हुआ है। हमारी टीम सुबह 5.30 बजे काम शुरू करती है ताकि सड़क की स्थिति की निगरानी की जा सके, खासकर हिमस्खलन वाले क्षेत्रों में। टीम का नेतृत्व जूनियर इंजीनियर (जेई) कर रहे हैं। हम बर्फ काटने वाली मशीनों और जेसीबी मशीनों के साथ अथक परिश्रम कर रहे हैं। ऐसी ठंडी परिस्थितियों में काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण है।

उन्होंने जोजिला सुरंग के चालू होने के बाद भी दर्रे के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सड़क जरूरी बनी रहेगी और इसके अपने फायदे भी होंगे। 20 से ज़्यादा सालों से निकासी अभियान से जुड़े फयाज अहमद मीर ने मजदूरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर बात करते हुए बताया कि हालांकि इस साल बर्फबारी कम हुई है, लेकिन मुश्किलें अभी भी बनी हुई हैं। तेज हवाएं और सबजीरो तापमान में काम करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है।

प्रभारी अधिकारी कैप्टन संजय कोहन ने दर्रे को साफ रखने के रणनीतिक और तकनीकी महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मैं जोजिला की निकासी के लिए जिम्मेदार हूं और यह अब तक हर दिन खुला रहा है। कड़ाके की ठंड के बावजूद, हम कुशलता से काम कर रहे हैं। उन्होंने दर्रे का रखरखाव करने वाले मजदूरों की दृढ़ता की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहाँ मजदूरों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनका दृढ़ता काबिले तारीफ है। हम उचित अभ्यास करते हैं और ऑपरेशन को प्रबंधित करने के लिए उन्नत मशीनों का इस्तेमाल करते हैं। तेज हवाएं और हिमस्खलन के जोखिम इस काम को और भी मुश्किल बना देते हैं। जोजिला सुरंग से फायदा तो होगा ही, लेकिन इस दर्रे को चालू रखना भी जरूरी है।

इल्तिजा मुफ्ती के दो अंगरक्षक निलंबित

जम्मू, 10 फरवरी (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर पुलिस ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती के दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) को निलंबित कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा, यह कार्रवाई विडंबनापूर्ण और अनुचित है।

इल्तिजा के दो पीएसओ को उनकी कोई गलती न होने पर भी निलंबित कर दिया गया है। दरअसल रविवार को इल्तिजा मुफ्ती किसी तरह बिलावर पहुंचने में कामयाब रहीं और माखन दीन के परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त की जिसकी मौत को लेकर प्रदेश में राजनीति गरमाई हुई है। इसके बाद वह जम्मू पहुंचीं और यहां पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करने की तैयारी कर रही थीं, लेकिन बाद में पुलिस ने उन्हें राज्य अतिथि गृह में ही रोक दिया, जहां वह ठहरी हुई थीं। महबूबा मुफ्ती ने सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर आरोप लगाया कि वो लोगों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने का वादा करके सत्ता में आई थी, लेकिन मूकदर्शक बनी हुई है। इस तरह वे न सिर्फ अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं, बल्कि इन अन्यायपूर्ण और असामान्य कार्रवाइयों को सामान्य बना रहे हैं। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पीएसओ को इसलिए सजा दी गई क्योंकि इल्तिजा अपराधियों की तरह अपने घर में कैद होने के बावजूद कठुआ पहुंचने में कामयाब हो गई। बता दें कि इल्तिजा मुफ्ती और महबूबा मुफ्ती को शनिवार को श्रीनगर में उस समय नजरबंद कर दिया गया जब वे बिलावर और सोपोर जाकर माखन दीन और वसीम मीर के परिवारों से मिलने की योजना बना रही थीं। महबूबा मुफ्ती ने आत्महत्या पर सबसे पहले प्रतिक्रिया व्यक्त की थी और आरोप लगाया था कि पुलिस ने माखन दीन पर अत्याचार किया था। महबूबा ने कहा कि अब, ये घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। आज महबूबा ने दावा किया कि इल्तिजा के दो पीएसओ को निलंबित कर दिया गया है, क्योंकि इल्तिजा बिलावर पहुंचने में कामयाब हो गई थी।

जानकारी के लिए माखन दीन ने कथित तौर पर बिलावर पुलिस स्टेशन में पुलिसकर्मियों के हाथों यातना झेलने के बाद आत्महत्या कर ली थी। उस पर आतंकवादियों का सहयोगी होने के बारे में पूछताछ की जा रही थी। पुलिस ने दावा किया था कि दीन ने अपना अपराध कबूल कर लिया था और उसे घर भेजकर मोबाइल फोन लाने को कहा गया था, जिस पर वह कथित तौर पर पाकिस्तान से काल रिसीव कर रहा था।

महाकुंभ में महामहिम : राष्ट्रपति ने बड़े हनुमान के दरबार में मत्था टेका

अक्षयवट और सरस्वती कूप का किया दर्शन

महाकुंभ नगर, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रयागराज की पावन धरा पर सोमवार को देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पहुंचकर पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान किया। राष्ट्रपति यहां महाकुंभ की भव्यता व दिव्यता की साक्षी बनीं। इसके उपरांत उन्होंने अक्षयवट और सरस्वती कूप के दर्शन किये, साथ ही बड़े हनुमान मंदिर पहुंचकर श्रद्धाभाव से पूजन-अर्चन किया। इस दौरान प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगम में पवित्र स्नान के उपरांत धार्मिक आस्था को और अधिक मजबूती देने के लिए अक्षयवट का दर्शन-पूजन किया। सनातन संस्कृति में अक्षयवट को अमरता का प्रतीक माना जाता है। यह हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल है, जिसकी महत्ता पुराणों में भी वर्णित है। इसके अलावा वे यहां सरस्वती कूप के दर्शन को भी पहुंचीं। उन्होंने बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन-पूजन किया और देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के महंत और बाघंबरी पीठ के पीठाधीश्वर बलबीर गिरि ने पूरे विधि विधान से पूजन संपन्न कराया और राष्ट्रपति को मंदिर की प्रतिकृति भेंट की।

आधुनिक भारत और डिजिटल युग के साथ धार्मिक आयोजनों को जोड़ने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी समर्थन दिया। वे डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र का अवलोकन करने पहुंचीं, जिसमें महाकुंभ मेले की विस्तृत जानकारी तकनीकी माध्यमों से उपलब्ध कराई जा रही है। देश-विदेश के श्रद्धालुओं को महाकुंभ के अद्भुत आयोजन को और अधिक निकटता से अनुभव करने के लिए इसे स्थापित किया गया है। राष्ट्रपति ने स्वयं इसका अनुभव किया। वहीं, मुख्यमंत्री ने उन्हें केंद्र की विशेषताओं से अवगत कराया।

ममता कुलकर्णी ने छोड़ा किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर का पद

प्रयागराज, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

पूर्व बॉलीवुड अदाकारा ममता कुलकर्णी को बीते दिनों किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनाया गया। उन्होंने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में जाकर अपना पिंडदान किया था। उनकी पट्टाभिषेक प्रक्रिया के बाद उन्हें यह पद दिया गया। मगर, ममता के महामंडलेश्वर नियुक्त किए जाने के बाद से ही, उनकी नियुक्ति पर सवाल उठ रहे थे। सोमवार को ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर के पद से इस्तीफा दे दिया है।

ममता ने कहा, मैं महामंडलेश्वर यामाई ममता नंदगिरी, मैं इस पोस्ट से इस्तीफा दे रही हूं। किन्नर अखाड़े या दो अखाड़ों में मेरे महामंडलेश्वर के पद को लेकर काफी समस्याएं हो रही हैं। मैं पिछले 25 साल से साध्वी थी और साध्वी ही रहूंगी। यह मुझे महामंडलेश्वर का जो एक सम्मान दिया गया था, वो ऐसा सम्मान होता है, जिसने करीब 25 साल स्विमिंग की हो, उसे कहा जाए कि अब जो बच्चे आएंगे, उन्हें स्विमिंग की जानकारी देना। लेकिन, इस पर बहुतों को आपत्ति हो गई। ममता कुलकर्णी ने कहा, मैं काफी वक्त तक बॉलीवुड से दूर रही हूं। मैंने 25 साल से फिल्मी दुनिया छोड़ी हुई है। नहीं, तो फिल्मों से, मेकअप से इतना दूर कौन रहता है? मेरी काफी चीजों को लेकर लोगों के सवाल हैं, प्रतिक्रियाएं हैं। मैंने देखा कि मेरे महामंडलेश्वर होने से शंकराचार्य से लेकर काफी लोगों को आपत्ति है। ममता ने कहा, मेरे जो गुरू हैं, जिनके सान्निध्य में मैंने घोर तपस्या की है, उनका नाम है चैतन्य गगनगिरी महाराज। वे सिद्ध महापुरुष थे। उनकी बराबरी में कोई मुझे नहीं दिखता। मैंने उनके सामने 25 साल टॉप किया है। मुझे कहीं कैलाश जाने, मानस-रोवर जाने की जरूरत नहीं। सब ब्रह्मांड मेरे सामने हैं। 25 साल मैंने घोर तपस्या की है। लेकिन, आज सबको आपत्ति हो गई है। हिमांगी हों या कोई भी, उनके बारे में मैं नहीं बोलूंगी ज्यादा। मैं बस यही कहूंगी कि मैंने कुछ नहीं किया। यह सब चंडी है, जिनकी मैंने घोर आराधना की है। अब वही हैं, जो मुझे संकेत दे रही हैं कि मुझे इससे बाहर निकलना चाहिए।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने की दिव्यांगजन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं की समीक्षा

दिव्यांग पेंशन और कृत्रिम अंग वितरण में तेजी लाने के निर्देश

लखनऊ , 10 फरवरी (एजेंसियां)।

पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने आज सचिवालय में विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में दिव्यांगजन, पिछड़ा वर्ग एवं छात्रवृत्ति योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के त्वरित एवं प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि दिव्यांगजन पेंशन योजना का लाभ पात्र व्यक्तियों को समय से मिले, इसके लिए सभी स्तरों पर समुचित निगरानी रखी जाए। कृत्रिम अंगों एवं सहायक उपकरणों का निःशुल्क वितरण शीघ्र किया जाए, जिससे जरूरतमंद लाभान्वित हो सकें। जिन मंडलीय अधिकारियों की प्रगति असंतोषजनक है, उन्हें तत्काल चेतावनी दी जाए। शादी प्रोत्साहन योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया को सुगम बनाने, लाभार्थियों तक सहायता राशि त्वरित गति से पहुंचाने के निर्देश दिए। दिव्यांगजन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं के कार्यक्रमों का आयोजन उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए, ताकि योजनाओं की पारदर्शिता और प्रभावशीलता बनी रहे।छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा के दौरान मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि छात्रवृत्ति आवंटन की प्रक्रिया को तय समय सीमा में पूरा किया जाए, जिससे छात्रों को वित्तीय सहायता समय पर मिल सके। उन्होंने कार्मिकों की समय पर नियुक्ति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया, ताकि योजनाओं के कार्यान्वयन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।बैठक में कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि युवाओं को समय पर प्रशिक्षण का लाभ मिले और इस योजना का जनपद स्तर पर अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए। इस योजना के तहत अन्य पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए 'ओ' लेवल एवं सीसीसी प्रशिक्षण हेतु लगभग 34,000 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शादी अनुदान योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवेदन प्रक्रिया को व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से अधिक प्रभावी बनाया जाए। इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 200 करोड़ का प्रावधान किया गया, जिसमें से 187.198 करोड़ जनपदों को आवंटित किए जा चुके हैं। बैठक में पूर्वदशम कक्षा 9-10 एवं दशमोत्तर कक्षा 11-12 एवं अन्य छात्रवृत्ति योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। मंत्री ने निर्देश दिया कि निर्गत समय सारिणी के अनुसार सभी स्तरों पर कार्यवाही समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए। कक्षा 9-10 के लिए 12,30,819 छात्रों ने आवेदन किया, जिनमें से 10,11,871 छात्रों के आवेदन स्वीकृत हुए। कक्षा 11-12 के लिए 9,65,322 छात्रों ने आवेदन किया और सभी के आवेदन स्वीकृत हुए। दशमोत्तर कक्षाओं अन्य उच्च कक्षाओं के लिए 19,20,458 छात्रों ने आवेदन किया और सभी के आवेदन स्वीकृत हुए।

महाकुंभ में विश्व हिंदू परिषद ने मंदिर मुक्ति की बनाई योजना

सारे मंदिर हिंदू समाज को वापस किए जाएं: विहिप

महाकुंभ नगर, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

अब किसी भी स्थिति में मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति दिलाकर ही रहेंगे। इस संकल्प से साथ विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की तीन दिवसीय बैठक में देश-विदेश के 950 प्रतिनिधियों ने मिलकर भविष्य की कार्ययोजनाओं का खाका खींचा है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि मंदिर मुक्ति आंदोलन के प्रथम चरण में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता अन्य हिंदू संगठनों के साथ मिलकर प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर मांग करेंगे की सरकारें हिंदू मंदिरों को वापस हिंदू समाज को सौंपे।

आलोक कुमार ने बताया कि, उत्तर भारत और दक्षिण भारत में बड़ी जनसभाएं कर इस संबंध में अपनी मांगे बुलंद करेंगे। आंदोलन के दूसरे चरण में प्रत्येक राज्य की राजधानी व महानगरों में वहां के बुद्धजीवी समाज की सभाएं कर इसके लिए व्यापक जन समर्थन जुटाएंगे।

जिन राज्यों में यह समस्या ज्यादा विकट है, वहां आगामी विधानसभा सत्र के दौरान हमारे कार्यकर्ता विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों से मिलकर वहां के राजनीतिक दलों पर मंदिरों की मुक्ति हेतु दबाव बनाएंगे।

आलोक कुमार ने बताया कि, बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि मंदिरों को अपने नियमित कामकाज के संचालन हेतु अधिकतम स्वतंत्रता होनी चाहिए। मंदिर प्रबंधन में किसी भी प्रकार का बाहरी नियंत्रण अब स्वीकार्य नहीं होगा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिर मुक्ति आंदोलन में हम केवल उन्हीं मंदिरों की बात कर रहे हैं जो अभी तक सरकारी नियंत्रण में है, अन्य मंदिरों की नहीं। आलोक कुमार ने कहा कि, मंदिरों के पैसों को केवल हिंदू कार्यों के लिए खर्च किया जाना चाहिए।

इस संबंध के कानून में पूरी तरह से पारदर्शी बही खाते और आडिट की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि, मंदिरों के संचालन में संपूर्ण हिंदू समाज की सहभागिता और मंदिरों के लिए बने ट्रस्ट में अन्य लोगों के साथ महिलाओं व अनुसूचित समाज का प्रतिनिधित्व भी होगा।

मंदिरों के पुजारियों, पुरोहितों व अन्य कर्मचारियों को मिलने वाले वेतन व भत्तों में कोई कमी नहीं की जाएगी और किसी भी हालत में उनका वेतन उस राज्य के लिए निर्धारित न्यूनतम वेतन से काम नहीं होगा।

उन्होंने आगे बताया कि, विहिप प्रतिनिधि जब मुख्य मंत्रियों को मिलने जाएंगे तो वह अपने साथ उस राज्य के लिए इस संबंध में प्रस्तावित कानून का एक प्रारूप भी उनको सौंपेंगे।

आलोक कुमार ने बताया कि, बैठक में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी व स्व का बोध जैसे पांच परिवर्तनों को भी जनमानस के आचार व्यवहार और संस्कारों का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया गया।

विश्व भर में हिंदू समाज से जुड़े अन्य ज्वलंत मुद्दों पर भी विस्तार से विचार विनिमय हुआ। बैठक में युग पुरुष पूज्य स्वामी श्रीपरमानंद जी महाराज और बौद्ध लामा पूज्यश्री चोस फेल ज्योतपा जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले तथा पूर्व सर कार्यवाह व विहिप के पालक अधिकारी भैया जी जोशी भी उपस्थित रहे। बैठक में देश के सभी प्रांतों के अलावा ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, हांगकांग मॉरीशस, दक्षिणी अफ्रीका, फ्रांस, थाईलैंड, श्रीलंका, नेपाल बांग्लादेश, गुयाना जैसे अनेक देशों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जद यू की बैठक में बनी 2027 के असेम्बली इलेक्शन को लेकर रणनीति

लखनऊ , 10 फरवरी (एजेंसियां)।

जदयू कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष अनुप सिंह पटेल एवं जदयू के प्रदेश प्रभारी एवं बिहार के कैबिनेट मंत्री श्रवणकुमार ने संगठन की समीक्षा बैठक की ज़िसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अनुप सिंह पटेल ने की। इस समीक्षा बैठक में श्रवण कुमार कैबिनेट मंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी ने यूपी के आगामी विधान सभा चुनाव 2027 के लिये बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता नियुक्त करके ज़िमेदारी देने पर जोर दिया। समीक्षा बैठक से मंडल संयोजक के साथ जनपदों के पार्टी जिला अध्यक्ष उत्साहित हुये और अगले माह की समीक्षा बैठक में ज़िले के बूथ कमेटीके साथ समीक्षा बैठक में शिरकत करने का वादा किया। बैठक में प्रमुख तौर पर प्रदेश प्रवक्ता प्रोफेसर केके त्रिपाठी , प्रदेश उपाध्यक्ष ममता सिंह, पुनम सिंह महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष, शालिनी सिंह पटेल, ओपी वर्मा कार्यालय प्रभारी , बागपत से आये चौधरी जयवीर सिंह,हरि शंकर पटेल , एकलाख अहमद , अभिशेक राय , नौशाद खान, प्रशांत सिंह पटेल प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, दिवाकर सिंह प्रवक्ता, विनित तिवारी प्रवक्ता, अमर सिंह कटियार कोषाध्यक्ष, सुभाष पाठक, रजनीश पटेल के साथ प्रदेश भर के मंडल संयोजक एव जनपद अध्यक्ष के साथ पार्टी के तमाम पदाधिकारी एवँ कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

सड़कों पर न लगे वाहनों की कतारें, मेला क्षेत्र में अनाधिकृत वाहनों का प्रवेश वर्जित : सीएम योगी

लखनऊ , 10 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार देर रात शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रयागराज, कौशाम्बी, कानपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, वाराणसी, अयोध्या, मीरजापुर, जौनपुर, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ़, भदोही, रायबरेली, गोरखपुर, महोबा और लखनऊ आदि जनपदों/ज़ोन/रेंज में तैनात वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और मंडलायुक्तों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष बैठक कर महाकुम्भ की व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुंभ मार्ग पर यातायात थमने न देने और पार्किंग स्थलों का सही उपयोग करने का निर्देश दिया। देर रात वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उन्होंने प्रयागराज समेत कई जिलों में ट्रैफिक जाम का संज्ञान लेते हुए निर्देश दिया कि हर दिशा से वाहन प्रयागराज आ रहे हैं। सड़कों पर वाहनों की कतार नहीं लगनी चाहिए। कहीं भी जाम की स्थिति नहीं हो।

सीएम ने शासन के अधिकारियो के साथ महाकुंभ की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि विशेष सतर्कता और सावधानी बरतना जरूरी है। लिहाजा बसंत पंचमी की तरह व्यवस्था लागू की जाए। बेहतर ट्रैफिक और क्राउड मैनेजमेंट लागू करें। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं का सहयोग करें। पार्किंग स्थल से मेला परिसर के लिए शटल बसों की संख्या बढ़ाई जाए। मेला परिसर में कोई भी अनाधिकृत वाहन का प्रवेश नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक-एक श्रद्धालु को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है।

योगी ने कहा कि टोल के नाम पर वाहनों का जाम नहीं लगना चाहिए। रेलवे स्टेशन पर भीड़ नहीं लगने दी जाए। स्वच्छता प्रयागराज महाकुंभ की पहचान है। नदी हो या मेला परिसर, लगातार सफाई कराएं। यह विश्व इतिहास का सबसे बड़ा मानव समागम है। उन्होंने प्रयागराज वासियों के संयम और सहयोग का अभिनंदन भी किया।

सीएम ने कहा कि मेला क्षेत्र में आवागमन चलता रहे। अनावश्यक लोगों को न रोकें। कहीं भी भीड़ का दबाव न बनने पाए। मार्गों पर जाम नहीं होना चाहिए। स्ट्रीट वेंडर आदि को खाली एरिया में व्यवस्थपित करें।लाखों श्रद्धालु वाराणसी और अयोध्या में भी पहुंच रहे हैं। चित्रकूट और मीरजापुर में भी बड़ी संख्या में लोगों का आगमन हो रहा है। अगले दो दिनों में भीड़ बढ़ने की संभावना है। इसके दृष्टिगत सतर्कता-सावधानी बनाये रखें। होल्डिंग एरिया बनाकर लोगों को रोकें। भ्रामक सूचना/गलत जानकारी को प्रसारित करने वाले अराजक तत्वों टर कड़ी कार्रवाई करें। आम जन को तत्काल सही सूचना उपलब्ध कराई जाए।

सड़कों पर वाहन की कतार न लगे। कहीं भी ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं बननी चाहिए। कहीं भी सड़क पर वाहन खड़ा नहीं होने दें। वाहनों का मूवमेंट लगातार बना रहना चाहिए।

प्रयागराज से सीमा साझा करने वाले सभी जिलाधिकारी लगातार प्रयागराज प्रशासन से संपर्क-समन्वय बनाये रखें। वाहनों का मूवमेंट परस्पर समन्वय के साथ किया जाना सुनिश्चित करें। मेला क्षेत्र में भीड़ का दबाव न बने, आवश्यकता के अनुसार बैरीकेडिंग लगाई जाए। टोल के नाम पर जाम न लगने पाए। प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति है। यह वो श्रद्धालु हैं जो अब स्नान करके अपने घर लौट रहे हैं।

माघ पूर्णिमा पर संगम स्नान के साथ पूरा होगा महाकुंभ का कल्पवास

12 फरवरी माघ मास की पूर्णिमा पर होगा महाकुंभ के कल्पवास का समापन

महाकुंभ नगर , 10 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ में व्रत, संयम और सत्संग का कल्पवास करने का विशिष्ट विधान है। इस वर्ष महाकुंभ में 10 लाख से अधिक लोगों ने विधिपूर्वक कल्पवास किया है।

पौराणिक मान्यता है कि माघ मास पर्यंत प्रयागराज में संगम तट पर कल्पवास करने से सहस्त्र वर्षों के तप का फल मिलता है। महाकुंभ में कल्पवास करना विशेष फलदायी माना जाता है। परंपरा के अनुसार 12 फरवरी माघ पूर्णिमा के दिन कल्पवास की समाप्ति हो रही है। सभी कल्पवासी विधि पूर्वक पूर्णिमा तिथि पर पवित्र संगम में स्नान कर कल्पवास का पारण करेंगे। पूजन और दान के बाद कल्पवासी अपने अस्थाई आवास त्याग कर पुनः अपने घरों की ओर लौटेंगे।

आस्था और आध्यात्म के महापर्व, महाकुंभ में कल्पवास करना विशेष फलदायी माना जाता है। इस वर्ष महाकुंभ में देश के कोने-कोने से आये लोग संगम तट पर कल्पवास कर रहे हैं। शास्त्र अनुसार कल्पवास की समाप्ति 12 फरवरी, माघ पूर्णिमा के दिन होगी।

पद्मपुराण के अनुसार पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा एक माह संगम तट पर व्रत और संयम का पालन करते हुए सत्संग का विधान है। कुछ लोग पौष माह की एकादशी से माघ माह में द्वादशी के दिन तक भी कल्पवास करते हैं। 12 फरवरी के दिन कल्पवासी पवित्र संगम में स्नान कर कल्पवास के व्रत का पारण करेंगे। पद्म पुराण में भगवान दत्तात्रेय के बनाए नियमों के अनुसार कल्पवास का पारण किया जाता है। कल्पवासी संगम स्नान कर अपने तीर्थपुरोहितों से नियम अनुसार पूजन कर कल्पवास व्रत पूरा करेंगे।

शास्त्रों के अनुसार कल्पवासी माघ पूर्णिमा के दिन संगम स्नान कर, व्रत रखते हैं। इसके बाद अपने कल्पवास की कुटीरों में आकर सत्यनारायण कथा सुनने और हवन पूजन करने का विधान है। कल्पवास का संकल्प पूरा कर कल्पवासी अपने तीर्थपुरोहितों को यथाशक्ति दान करते हैं। साथ ही कल्पवास के प्रारंभ में बोए गए जौं को गंगा जी में विसर्जित करेंगे और तुलसी जी के पौधे को साथ घर ले जाएंगे। तुलसी जी के पौधे को सनातन परंपरा में मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है। महाकुंभ में बारह वर्ष तक नियमित कल्पवास करने का चक्र पूरा होता है। यहां से लौट कर गांव में भोज कराने का विधान, इसके बाद ही कल्पवास पूर्ण माना जाता है।

संपादकीय

'वनवास' के बाद सत्ता

दिल्ली ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) की राजनीति को खारिज कर दिया। जनादेश भाजपा के पक्ष में रहा। उसे प्रचंड बहुमत मिला है, नतीजतन उसका 27 साल का 'चुनावी वनवास' समाप्त हुआ है। 'आप' सरकार में मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया और मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन, सोमनाथ भारती, सौरभ भारद्वाज आदि चुनाव हार गए हैं। सुखद खबर है कि मुख्यमंत्री आतिशी अंतिम दौर में चुनाव जीतने में सफल रही हैं। केजरीवाल 4089 वोट और सिसोदिया सिर्फ 675 वोट से पराजित हुए। यह भाजपा की स्वाभाविक जीत नहीं, बल्कि केजरीवाल ब्रांड की सियासत का 'अंधकूप' में गिरना है। पूरा चुनाव केजरीवाल के इर्द-गिर्द सिमटा रहा। बेशक 'आप' चुनाव हारी है, लेकिन उसे 43.57 फीसदी वोट हासिल हुए हैं। सत्तारूढ़ होने वाली भाजपा को 45.56 फीसदी वोट मिले हैं। मात्र 2 फीसदी वोट का फासला रहा, लेकिन भाजपा ने 48 सीटों का ऐतिहासिक जनादेश हासिल किया, जबकि 'आप' 62 सीटों से लुढक़ कर 22 सीटों पर आ गई। यकीनन यह अप्रत्याशित जनादेश है। 'आप' का शीर्ष नेतृत्व पराजित हुआ है। इसके लिए केजरीवाल ही जिम्मेदार हैं। यदि उनके साथ-साथ 'आप' की कट्टर ईमानदार, जन-लोकपाल वाली, भ्रष्टाचार-विरोधी और वैकल्पिक राजनीति वाली छवि भंग हुई है, तो दोष उन्हीं का है। आम मतदाता ने उनकी दोगली छवि को स्वीकार नहीं किया। केजरीवाल ने अपने मुख्य चुनावी वायदे भी पूरे नहीं किए और वह नया जनादेश मांगने सडक़ पर निकल पड़े। जनता ने उन्हें खारिज कर दिया। एक सर्वेक्षण के दौरान लोगों ने बताया कि 2020 के जनादेश वाले कालखंड में केजरीवाल और 'आप' ने कुछ भी 'नोटेबल' नहीं किया, जिसके आधार पर एक और बार उन्हें जनादेश दिया जाए। यह निष्कर्ष भी सामने आया है कि दलित, महिला, मध्य वर्ग ने भाजपा के पक्ष में लबालब मतदान किया, नतीजतन भाजपा सत्ता तक पहुंच पाई। पिछले चुनाव तक ये समुदाय 'आप' के समर्थक और जनाधार माने जाते थे, क्योंकि केजरीवाल की नई छवि के साथ इन वर्गों ने उन्हें वैकल्पिक राजनीति का प्रतीक माना था। अब सब कुछ बेनकाब हो गया। केजरीवाल भी बुर्जुआ राजनेता साबित हुए। वह भी भ्रष्टाचारी और पैसावादी हैं। इस चुनाव ने सब कुछ बिखेर कर भी रख दिया, लेकिन अभी 'आप' का सफाया नहीं हुआ है। 'आप' अब भी एक राजनीतिक ताकत है, लेकिन केजरीवाल का पराजित नेतृत्व ही तय करेगा कि 'आप' के भविष्य का अस्तित्व क्या होगा? अलबत्ता इस चुनाव ने विपक्ष के 'इंडिया' वाले नेरेटिव और गठबंधन को ध्वस्त कर दिया है। लोकसभा चुनाव के जनादेश की व्याख्या यह की गई थी कि विपक्ष के पास कुल 234 सीटें हैं, लिहाजा वह मजबूत हुआ है। उसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और अब दिल्ली के चुनाव जीत कर भाजपा-एनडीए ने 'इंडिया' को लगभग बिखेर दिया है। इस चुनाव में 'इंडिया' के ही घटक दलों ने 'आप' का समर्थन किया और कांग्रेस का खुलेआम विरोध किया। नतीजा यह रहा कि कांग्रेस लगातार तीसरे चुनाव में 'शून्य' रही। दिल्ली में 70 में से 68 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई है।

> 'आप' सरकार में मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया और मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन, सोमनाथ भारती, सौरभ भारद्वाज आदि चुनाव हार गए हैं। सुखद खबर है कि मुख्यमंत्री आतिशी अंतिम दौर में चुनाव जीतने में सफल रही हैं। केजरीवाल 4089 वोट और सिसोदिया सिर्फ 675 वोट से पराजित हुए। यह भाजपा की स्वाभाविक जीत नहीं, बल्कि केजरीवाल ब्रांड की सियासत का 'अंधकूप' में गिरना है। पूरा चुनाव केजरीवाल के इर्द-गिर्द सिमटा रहा। बेशक 'आप' चुनाव हारी है, लेकिन उसे 43 .57 फीसदी वोट हासिल हुए हैं। सत्तारूढ़ होने वाली भाजपा को 45 .56 फीसदी वोट मिले हैं। मात्र 2 फीसदी वोट का फासला रहा, लेकिन भाजपा ने 48 सीटों का ऐतिहासिक जनादेश हासिल किया, जबकि 'आप' 62 सीटों से लुढक़ कर 22 सीटों पर आ गई। यकीनन यह अप्रत्याशित जनादेश है। 'आप' का शीर्ष नेतृत्व पराजित हुआ है। इसके लिए केजरीवाल ही जिम्मेदार हैं। यदि उनके साथ-साथ 'आप' की कट्टर ईमानदार, जन-लोकपाल वाली, भ्रष्टाचार-विरोधी और वैकल्पिक राजनीति वाली छवि भंग हुई है, तो दोष उन्हीं का है।

अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के साथ उभरी आम आदमी पार्टी ने अलग तरह की राजनीति देने का वादा किया था

गढ़ भी नहीं रहा और सेनापति भी नहीं

उमेश चतुर्वेदी

मराठी की एक कहावत में गढ़ जीतने को अहम तो बताया गया है, लेकिन गढ़ की जंग में अगर सेनापति का बलिदान हो जाता है तो उस जीत को भी बड़ा नहीं माना जाता। इसी मराठी कहावत की तर्ज पर दिल्ली की सियासी जंग को अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सिंह यानी सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिए आम लोगों को खुशहाल और नए तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आए अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था। अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही। अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के साथ उभरी आम आदमी पार्टी ने अलग तरह की राजनीति देने का वादा किया था। अन्ना के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को लेकर लोगों को कितनी उम्मीदें थीं कि अन्ना का अनशन तो दिल्ली में हो रहा था, लेकिन उसके समर्थन में राजस्थान के रेतीले इलाकों में इक्का-दुक्का घरों के साथ बसी ढाणियों, झारखंड-छत्तीसगढ़ के सुदूर जंगलों, पानीपत से लेकर मोतिहारी, कच्छ लेकर अरूणाचल प्रदेश तक, शायद ही कोई शहर या गांव रहा होगा, जहां मोमबत्तियां न जली हों। ये मोमबत्तियां दरअसल नए भारत की अंजोरियाभरी राह का सपना थीं। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस उम्मीद और सपने को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता ने भरपूर साथ दिया। पहली 54.3 प्रतिशत वोट और 67 सीटें तो दूसरी बार 53.57 प्रतिशत वोट और 62 सीटें देना एक तरह से बेहतर और चमकीले सपनीले भविष्य को लेकर जनाकांक्षाओं का उफान था। कभी बंगला और गाड़ी न लेने, वीआईपी कल्चर को न अपनाने के वायदे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे इसी जनाकांक्षा को भूलते चले गए। दूसरे कार्यकाल में तो वे तानाशाह

की तरह खुद को स्थापित करते गए। झूठ और फरेब की राजनीति को ही उन्होंने अपनी सियासी आदत बना लिया। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भारी जीत के बाद जैसे उनका खुद पर नियंत्रण नहीं रहा। आम आदमी पार्टी में सिर्फ उनकी ही चलती थी। लोकतंत्र का मुखौटा भी वहां नहीं रह गया था। वैसे भी आम आदमी पार्टी को पहली आर्थिक मदद देने वाले प्रशांत भूषण,. वैचारिक आधार तैयार करने वाले योगेंद्र यादव और प्रोफेसर आनंद कुमार के साथ ही अपने साथी रहे कुमार विश्वास को पार्टी से पहले ही बाहर कर चुके थे। उनके साथ रहे उनके आंदोलन के दिनों के साथी मनीष सिसोदिया और स्वाति मालीवाल। हालांकि उनके शासन के आखिरी दिनों में जिस तरह स्वाति की मुख्यमंत्री के घर में ही पिटाई हुई, उसने केजरीवाल के स्वभाव की एक तरह से कलई खोल दी। केजरीवाल ने अपने पहले कार्यकाल में बेशक अच्छे कार्य किए। मोहल्ला क्लीनिक का विचार दिया और उसे लागू किया। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया, दो सौ यूनिट तक बिजली और एक सीमा तक पानी मुफ्त दिया। महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सहूलियत दी। लेकिन इसके साथ ही दिल्ली में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। दो साल पहले के चुनाव में नगर निगम पर भी उनका कब्जा हो गया। इसके पहले दिल्ली की सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम पर अपना नियंत्रण ना होने का बहाना बनाते रहे थे, लेकिन अब वह बहाना भी नहीं रहा। फिर भी दिल्ली गंदी होती चली। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली डीटीसी के बेड़े से बसें कम होती चली गईं। केजरीवाल के दौर में हवा-हवाई घोषणाएं खूब हुईं। इसकी वजह से उनसे फायदा लेने वाले लोग भी खुश नहीं थे। डीटीसी के कर्मचारियों, बसों में तैनात मार्शलों आदि को स्थायी नौकरियां देने का वादा कर चुके केजरीवाल उन्हें नौकरियां नहीं दे पाए। शुरू में उनकी बहानेबाजी तो चली, लेकिन बाद में लोगों ने समझना शुरू कर दिया कि वे सिर्फ हवा-हवाई दावे करते हैं और बहानेबाजी के जरिए खुद को बचा ले जाते हैं। 2022 में पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने महिलाओं को हजार रूपए महीने देने का वादा किया था, लेकिन अब तक उन्हें यह रकम नहीं दे पाए। पंजाब रोडवेज की बसों में महिलाओं को फ्री सहूलियत देने के चलते पंजाब रोडवेज घाटे में है। इसकी वजह से महीनों तक कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही। सूचना और संचार क्रांति के दौर में ये सारी बातें दिल्ली की जनता तक पहुंचती रहीं। इसका असर यह हुआ कि केजरीवाल से लोगों का भरोसा खत्म हो गया। पिछले दो चुनावों तक केजरीवाल नैरेटिव तैयार करते थे और उनके विपक्षी उसका जवाब देते थे। इस बार भी महिलाओं को 21 सौ रूपए महीने देने और उसके लिए उनके फॉर्म भरवाकर नैरेटिव स्थापित कर दिया था। लेकिन बाद में बीजेपी ने उनकी काट शुरू की। उसने अपना पंद्रह सूत्रीय संकल्प पत्र पेश किया। महिलाओं को 2500 रूपए महीने की सम्मान निधि देने और 200 की बजाय 300 यूनिट बिजली फ्री देने जैसे ऐलान किए। इसका असर वोटरों पर दिखा। इस बीच बीजेपी ने चुनाव प्रबंधन के लिए अपने सारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री उतार दिए। मंडल स्तर तक बड़े नेताओं को जिम्मेदारी दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता भी सक्रिय हुए। भारतीय जनता पार्टी ने बुनियादी स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया, जिन्हें मनाने की जरूरत थी, उन्हें मनाया, सबके योग्य जिम्मेदारी दी। सभी कार्यकर्ता सक्रिय हुए। उन्होंने जमीनी स्तर तक काम किया। इसका असर चुनावों में दिखा। केजरीवाल की पार्टी पस्त रही। खुद केजरीवाल भी हारे हैं, उनके विश्वस्त मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और राखी बिड़लान जैसे नाम चुनावी जंग में खेत रहे हैं। बीजेपी की जीत में कुछ हिस्सेदारी कांग्रेस भी है। हालांकि उसे पिछले चुनाव की तुलना में महज दो फीसद ज्यादा वोट मिले हैं। कांग्रेस को भले ही समर्थन नहीं मिला। कुछ एक जगहों को छोड़ दें तो उसके उम्मीदवार दूसरे स्थान पर भी नहीं रहे। लेकिन कांग्रेस ने केजरीवाल के भ्रष्टाचार और उनके बड़बोलेपन के खिलाफ माहौल बनाने में योग जरूर दिया। दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित ने खुलेआम मोर्चा खोल रखा था। उन्होंने कहा था कि अपनी मां के अपमान का बदला वे जरूर लेंगे। संदीप खुद केजरीवाल के खिलाफ नई दिल्ली सीट से मैदान में उतरे और केजरीवाल की हार की पटकथा लिखने में मदद की।

> दिल्ली की सियासी जंग को अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सिंह यानी सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिए आम लोगों को खुशहाल और नए तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आए अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था। अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी।

दृष्टि कोण

सामाजिक क्षेत्र पर आधारित हो बजट

आगामी कुछ दिनों में हिमाचल प्रदेश में वित्त वर्ष 2025-26 का वार्षिक बजट पेश होना है, जिस पर जनता की निगाहें टिकी हुई होना स्वाभाविक है। इस वित्तीय वर्ष का बजट जिन विकट परिस्थितियों में पेश होगा, यह निश्चित तौर पर प्रदेश की वर्तमान सरकार के लिए परीक्षा की घड़ी है। आज प्रदेश पर कर्ज का अंबार खड़ा हो चुका है। प्रदेश में प्रति व्यक्ति कर्ज वित्तीय वर्ष 2017-18 में तकरीबन 66 हजार रुपए था, जो कि वर्तमान में प्रति व्यक्ति एक लाख रुपए से ऊपर हो गया है। यानी कि प्रदेश में पैदा होने वाला बच्चा तकरीबन एक लाख के कर्ज के साथ जन्म लेता है। वर्ष 2017 में जब भाजपा ने प्रदेश की सत्ता संभाली तो प्रदेश पर लगभग 47 हजार करोड़ का कर्ज था, जो वर्ष 2022 में सत्ता छोडऩे पर 76 हजार करोड़ हो गया। वर्तमान में यह आंकडा 90 हजार करोड़ की दहलीज लांघ चुका है, जो सही मायनों में चिंतनीय विषय है। ऐसी विकट परिस्थिति में वर्तमान सरकार किस प्रकार आगामी बजट पेश करती है, यह देखना दिलचस्प है। बजट साधारण शब्दों में एक वित्त वर्ष में किसी देश या प्रदेश द्वारा किया जाने वाला आय व व्यय का लेखा-जोखा है। करों के रूप में जनता द्वारा किया जाने वाला भुगतान सरकारी खजाने में वृद्धि का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। यह एकत्रित धन सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में खर्च किया जाता है, जिससे जनता को कई प्रकार की सुविधाओं का लाभ मिल सके। आय व व्यय बजट के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिसमें किस प्रकार जनता का पैसा जनता के ऊपर खर्च किया जाए, इसका विस्तृत ब्यौरा होता है। बजट एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विभिन्न प्रकार के करों को इस तरह लगाया जाता है ताकि जनता पर बोझ कम से कम हो। दूसरी ओर यह तय करना है कि एकत्रित धन को कैसे खर्च किया जाए, जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ हो। जनता का वार्षिक बजट सरकार के वार्षिक बजट पर निर्भर करता है। बजट में व्यय का लेखा-जोखा एक पूरे वित्त वर्ष के लिए व्यर्थ की फिजूलखर्ची से सरकारी खजाने को बचाने के लिए होता है। सरकारी व्यय का उपयुक्त होना एक बजट के सफल क्रियान्वयन के लिए बहुत आवश्यक है। सरकारी व्यय को विभिन्न भागों जैसे नीतिगत, गैर-नीतिगत एवं विकासात्मक, गैर-विकासात्मक में बांटा जाता है। एक बजट तभी उपयुक्त समझा जाना चाहिए यदि नीतिगत व विकासात्मक व्यय को गैर-नीतिगत व गैर-विकासात्मक की अपेक्षा अधिक महत्व दिया गया हो, जिसको हम हिमाचल प्रदेश के पिछले वर्षों में देखते आए हैं और आने वाले बजट में भी यही उम्मीद करते हैं। तथापि गत वर्षों में कोरोना महामारी व प्राकृतिक आपदा ने भी प्रदेश के आर्थिक परिप्रेक्ष्य को एक कदम पीछे की तरफ धकेला है। यद्यपि इस बाबत सरकारों के प्रयास प्रशंसनीय रहे हैं, ऐसा कहना उपयुक्त होगा। वार्षिक बजट में सरकार द्वारा आर्थिकी के विभिन्न क्षेत्रों पर किया जाने वाले व्यय का निर्धारण किया जाता है, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र पर व्यय सबसे महत्वपूर्ण है। वर्तमान में सार्वजनिक क्षेत्र पर व्यय भारत ही नहीं, अपितु पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था की उन्नति का एक महत्वपूर्ण मानक है, जो सही मायने में विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। सार्वजनिक क्षेत्र पर व्यय से अभिप्राय शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, स्वच्छ पेयजल एवं निकासी, आपदा प्रबंधन इत्यादि मदों पर व्यय से है। सामाजिक क्षेत्र की ये सारी मदें किसी भी प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। यही वे मदें हैं, जो प्रदेश की पहचान मानव विकास सूचकांक जैसे पैमानों पर दिलाती है। हिमाचल प्रदेश भी इन मदों में उत्कृष्ट कार्य के लिए भारतवर्ष के कई राज्यों से आगे है। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार भी मिले हैं, जिसके लिए सूबे के समस्त वासी गर्व महसूस करते हैं। परंतु अभी भी प्रदेश कई प्रकार की अव्यवस्थाओं का सामना करता हुआ नजर आ रहा है। प्रदेश के कई मानकों में जैसे कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, ग्रामीण विकास, शहरी विकास, रोड फैसिलिटी, सैनिटेशन की उपयुक्त व्यवस्था आदि में स्थिति संतोषजनक नहीं है जिसकी ओर ध्यान देने की जरूरत है, ताकि आने वाले समय में हिमाचल के ज्यादा से ज्यादा शहर भारत की स्मार्ट सिटी में शामिल हो सकें।

कुछ अलग

संविधान का गंगा स्नान

संविधान को अपने अस्तित्व में आते ही नहाने का कौशल आ गया था। शुरुआत में ही इसे वहम हो गया था कि इसकी निरंतर सफाई से पूरा देश साफ दिखेगा, इसलिए सबसे अधिक यही नहाने लगा है। नहाने की आदत के कारण अब तो यह आरोप लगने लगा है कि इसे प्रधानमंत्रियों के गुस्लखाने में नहाने की आदत सी पड़ गई है। यह दीगर है कि इसे किसी ने रेनकोट तक में नहाते नहीं देखा। संविधान किफायती है, वरना इसे उठा कर चलने वाले तो किसी समुद्र में नहा कर भी गीले नहीं होते। ऐसा भी नहीं है कि देश के सामने संविधान को नहाया-धोया साबित करने वालों की कमी रही। दरअसल घाट-घाट का पानी पी चुके नेताओं की कोशिश रही है कि संविधान उनके घर या घाट का ही हो जाए। जब कोई नेता इसकी तारीफ करता है, तो सहम जाता है। खास तौर पर जब कभी संसदीय बहस में यह राष्ट्रीय चरित्र देखता है, तो कौरवों-पांडवों के युग में द्रौपदी सरीखा हो जाता है। कई बार इसे लगता है कि देश के नेता इसे नहलाकर म्यूजियम में रखने की बेशकीमती चीज ही न बना दें और उस स्थिति में जनता और उसके बीच कहीं दूरियां इतनी न बढ़ जाएं कि देश को संविधान की जरूरत ही न रहे। संविधान को जन्म देने वालों ने बाल्यकाल में ही सिखाया था कि यह दुनिया का सबसे हसीन तरीन बच्चा है, इसलिए मेकअप किट रखने लगा। वक्त ने जब चाहा इसी की मेकअप किट से इसी का रूप बदल दिया। इसमें सौंदर्य बोध पैदा करने का श्रेय तमाम सरकारें ले सकती हैं। इतना ही नहीं अब तो संविधान, सरकारों के हाथों में लगी मेहंदी का रस भी चख लेता है। रसोपादन के लिए ही अब यह सदन में प्रवेश करता है। गनीमत यह कि भारत की जनता इसे किसी भी शक्ल और सूरत में दिल से कबूल कर लेती है। संविधान सदन में आने और जाने के बाद नहाने लगा है। इसकी नहाने की आदत बढ़ रही है, क्योंकि देश में हर कोई बहती गंगा में नहाने लगा है। नहाने से देश की अर्थ व्यवस्था को फायदा हो रहा है, बल्कि नहाना अब एक राष्ट्रीय उत्पाद है, चाहे बाथरूम में नहाओ या किसी खड्ड, नदी और संगम में डुबकी लगाओ। उस दिन संविधान दिल्ली के मुफ्त में मिल रहे पानी से नहाया। उसे पहली बार गुदगुदी हुई मानो स्वयं केजरीवाल उसकी पीठ सहला रहे हों। इसे अपनी रीढ़ की हड्डी पर भी विश्वास नहीं हुआ। इसके बदन का कुछ मैल तो दिल्ली का पानी ले गया, लेकिन पूर्ण शुद्धि के लिए महाकुंभ में जाने को लालायित हो गया। इसने अपनी इच्छा न सरकार को बताई और न ही अनुमति मांगी, वरना संविधान को अब खुद से भी पूछना होता है, तो सरकारें बताती हैं कि कहां अर्थ और कहां अनर्थ है। डरता है कहीं वित्त मंत्री को खबर हो गई तो संविधान की नहलाई पर जीएसटी के कारण ही यह केंद्र और राज्यों के आबंटन में फंस जाएगा। यह राहुल गांधी को भी भनक नहीं लगने देना चाहता, वरना नेता प्रतिपक्ष गोद में उठा लेते और तब खामख्वाह गोदी मीडिया इसकी बची खुची हड्डी पसलियां एक कर देते। इसने चुपके से गूगल मैप लगाया तो चौंक गया कि इलाहाबाद तो अब प्रयागराज है। यह डरने लगा कहीं उसे भी 'संविधान' के बजाय 'धर्म विधान' न बना दिया जाए। प्रयागराज पहुंचते ही संविधान पहचान लिया गया। भीड़ खुश थी कि कम से कम वहां तो जनता और संविधान इसी धरती पर समान हैं। भीड़ आगे बढ़ी और वर्षों से चुल्लू में थामे गंगाजल से उसे नहलाने लगी। देश के नागरिक, मतदाता और महाकुंभ में पाप से मुक्त होने आए तमाम लोग इसे रगड़-रगड़ कर नहलाने लगे।

देश दुनिया से

अप्रवासी भारतीयों के निर्वासन को लेकर उठे प्रश्न

और बात पश्चिम की करें तो, ऐसे में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए अमेरिका जाने की तैयारी हो रही है, और कुछ दिन पहले ही 104 भारतीय नागरिकों को बेड़ियों- हथकड़ियों में जकड़ कर वापस स्वदेश भेजा गया है, और 487 अन्य लोग भी उसी राह पर हैं, कई सवाल खड़े हो रहे हैं, परेशानी बनी हुई है कि क्या इन परिस्थितियों में प्रधानमंत्री का अमेरिका जाने का फैसला सही है। कई लोग कहेंगे, हां बिल्कुल। हमारी विदेश नीति में भारत-अमेरिका संबंध सबसे महत्वपूर्ण बने हुए हैं, इसके बावजूद कि रूस ने कोविड के बाद के वर्षों में तेल की कीमत में कटौती करके काफी राहत पहुंचाई थी। इस तर्क का समर्थन करने वालों का मानना है, प्रधानमंत्री के दौरे के समय व्यापार संबंधी एक मार्गदर्शिका तैयार होने की संभावना है, भारत द्वारा अमेरिकी रक्षा उपकरण अधिक मात्रा में खरीदने की चर्चा जोर पकड़ रही है, साथ ही भारत द्वारा असैन्य परमाणु क्षेत्र (17 वर्षों के बाद) खोलने की संभावित घोषणा भी हो सकती है। यही कारण है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर पिछले चार महीनों, सितंबर, दिसंबर और जनवरी, में तीन बार अमेरिका की यात्रा कर चुके हैं, ताकि मोदी-ट्रंप मुलाकात के परिणाम सार्थक बन सकें। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री उन तीन नेताओं में से एक होंगे, जिनके साथ ट्रंप सत्ता में अपने पहले महीने में मुलाकात करेंगे – इस्राइल के नेतन्याहू, जापान के इशिबा और भारत के मोदी। दुर्भाग्यवश, मोदी के वाशिंगटन डीसी पहुंचने से बमुश्किल एक सप्ताह पहले, खबरें बहुत उत्साहित करने वाली नहीं रही हैं। सैकिंड हैंड जींस और सस्ते चीनी जूते पहने और पैरों में जंजीरें होने की वजह से अमेरिकी सैन्य विमान की तरफ घिसटकर बढ़ते युवा भारतीयों की तस्वीरों ने न केवल पंजाब में बल्कि पूरे देश में, हैरानी और विस्मय की तरंगें फैला दीं। बेशक, यह ठीक वही है जो ट्रंप करना चाहते हैं। वे दुनिया को यह संदेश देना चाहते हैं कि उन्हें अमेरिका में चोर दरवाज़े से भारी संख्या में पहुंचने वाले अकुशल लोगों में कोई दिलचस्पी नहीं है –हां, एच-1बी वीजा के जरिये प्रतिभाशाली, कुशल और निपुण लोगों की जमात कुबूल है। उनके पास अपना चेहरा बचाने का समय भी नहीं बचा। अगर भारतीय प्रधानमंत्री एक हफ़्ते में आपसे मिलने आ रहे हैं, तो आपको अब यह उम्मीद नहीं पालनी चाहिए कि आपकी यात्रा की पूर्व संध्या पर अच्छी ख़बर आएगी। ट्रंप ने अपने कार्यकाल के कुछ हफ़्तों में ही विश्व व्यवस्था के नियमों की इबारत को फिर से लिख दिया है। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरन इसे 'अमेरिका की ओर से असभ्य व्यवहार' करार देते हैं। वैसे भी सभ्य तरीके और शिष्टाचार 'नए अमेरिका' की विदेश नीति का पहले ही शिकार बन चुके हैं। जिस तरह से ट्रंप मध्य पूर्व – गाजा, फिलिस्तीन, जॉर्डन – में बदलाव करने में लगे हुए हैं, वह अभूतपूर्व है। भारत ने चुप्पी साध रखी है क्योंकि पिछले कुछ समय से जिन अति-यथार्थवादी नीतियों का प्रचार किया जा रहा है, उनका मतलब यह है कि आप तभी शामिल होंगे जब आप सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। और गाजा, फलस्तीन और

जॉर्डन से आप सीधे प्रभावित नहीं हैं। जहां तक गत सप्ताह की शुरुआत में, महिलाओं सहित 104 लोगों को बेड़ियों में जकड़कर विमान के जरिये घर वापस भेजे निर्वासितों की बात है, भारत सरकार का संदेश यह है कि जो लोग कानून तोड़ते हैं, वे उसी सजा के काबिल हैं, जो मिली। अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने उन्हें 'एलियन' बताया है, और वे हैं भी। और फिर, जब जयशंकर ने निर्वासित भारतीयों पर संसद में ब्यान दिया, और रिकॉर्ड पर माना कि 'रुख नौकरशाही तौर तरीकों से हिसाब से सही है', तो कोई यह सोचे बगैर नहीं रह सकता कि यदि उनकी पूर्ववर्ती दिवंगत सुषमा स्वराज होतीं तो भारत के लिए बनी वर्तमान विकट परिस्थिति का सामना कैसे करतीं – जब अपने गरीब और अकुशल लोगों को उनके एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण काम करने के लिए उचित रूप से दंडित होते हुए पातीं। सुषमा आंटी ने विदेश मंत्रालय के सख्त दिल नौकरशाहों की नौकरशाही चेतना को इतना तो झिंझोड़ दिया था कि उन्हें दुनिया भर में भारतीय कामगारों के प्रति दयालुता का भाव रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रवासियों की सुरक्षा के लिए सुधारों का आदेश दिया, विदेश जाकर कमाने के इच्छुकों के लिए कानून सख्त किए गए, आव्रजन एजेंटों को सही राह पर चलने के लिए मजबूर किया गया। ऐसा नहीं कि उन्होंने पूरी व्यवस्था को साफ कर दिया था, लेकिन उन्होंने निश्चित रूप से कोशिश की। उन्हें पता था कि हमारे लोग अक्सर विदेशी कानून को तोड़ते हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने सहृदयता दिखाई। जब वे जानबूझकर नियमों को तोड़ते हुए पकड़े गए, तब भी उनकी मुसीबतें कम करने की कोशिश की। इसके बजाय, मौजूदा मोदी सरकार इन लोगों पर नियम पुस्तिका का वास्ता थोप रही है। इतना ही नहीं, विदेश मंत्रालय यह बता रहा है कि ये पंजाबी लोग जो अपना अमेरिकी सपने पूरा करने के ले 45 लाख रुपये खर्च कर सकते हैं, वे वास्तव में गरीब नहीं हैं। बेशक, विदेश मंत्रालय सही है। इन 104 पुरुषों और महिलाओं ने जानबूझकर 'अमरीका' के लिए एकतरफा टिकट खरीदा, अच्छी तरह से जानते हुए कि 'डुनकी रूट' ही अमेरिका में घुसने का तरीका था। फिर भी वे गए। समस्या यह है कि अगर उन्हें दुबारा मौका मिले तो वे फिर जाएंगे, क्योंकि उन्हें अमेरिका भेजने के लिए परिवार ने जो कर्ज उठाया है, उसको चुकाने की जरूरत है। आप वापस मोदी-ट्रम्प और भारत-अमेरिका संबंधों के महत्व पर आते हैं। इस तथ्य के अलावा कि मोदी ट्रंप के साथ जल्दी से जल्दी राब्ता बनाने के लिए उत्सुक हैं, तथ्य यह है कि दोनों देश एक-दूसरे में तेजी से निवेश कर रहे हैं। । खुफिया जानकारी साझा करने से लेकर पिछले 25 वर्षों में हस्ताक्षरित सैन्य आधारभूत समझौतों के माध्यम से रक्षा एवं प्रौद्योगिकी की साझेदारी करने तक–जीएसओएमआईए, एलईएमओए, सीओएमसीएएसए, बीईसीए, नामक संधियां–यूं भारत अमेरिका के साथ इतनी निकटता से जुड़ा हुआ है कि इसे 'अनौपचारिक सहयोगी' के रूप में परिभाषित करना बहुत गलत नहीं होगा।

आप का नजरिया

दिल्ली से हिमाचल तक

राष्ट्रीय राजनीति का एक और ढेर दिल्ली में लगा। वहां टूटी-फूटी नीतियां, सड़ी गली रेवडियां और वादों-इरादों के कंकाल निकल आए। आम आदमी की राजनीति चकनाचूर, कांग्रेस की मेहनत फिजूल और इंडिया गठबंधन का उसूल बिखर गया। देश ने हरियाणा, महाराष्ट्र के बाद दिल्ली में भाजपा का आत्मविश्वास देखा, चमत्कार देखा और बदलती सियासत के हालात देखे। केजरीवाल कल तक एक संस्था की तरह देखे गए, अब उनके अध्यायों में सबक उभर रहे हैं। कुछ कहेंगे दिल्ली को निचोड़ कर भाजपा ने चुनाव परिणाम निकाला है। कुछ कहेंगे केंद्रीय सत्ता के प्रभाव में यह अप्रत्याशित नहीं। क्या कोई हार के हारा या जीत के पीछे हारा। इन सब प्रश्नों के बीच दिल्ली एक अलग मतदाताओं का समूह। विस्थापितों की दिल्ली, आश्रमों की दिल्ली, आश्रय की दिल्ली, इसके-उसके आशय की दिल्ली और राष्ट्रीय आत्म सम्मान की दिल्ली। वहां कई राज्य, कई साम्राज्य, कई उदय, कई पतन, कई समानताएं, कई असमानताएं, फिर भी यहां की संवेदनाएं राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करती रहीं। नागरिक जागरूकता के हर परचम की कोई न कोई कहानी दिल्ली में मिल जाएगी। हमने संविधान और चुनाव के बीच एक नया सेतु देखा, जहां से 26 साल बाद भाजपा वापस लौट के आ गई। एक खास चुनावी रणनीति केजरीवाल के अस्तित्व को समेट कर चली गई। पीछे रह गए हार के खुलासे, कुछ पश्चाताप, आत्म विवेचन के खुरदरे पन्ने और विपक्ष की अनसुनी लोरियां। बेशक एक समाज केजरीवाल के साथ रहा वरना 22 का आंकड़ा और घट सकता था। भाजपा ने बहुत कुछ जोड़ा, लेकिन जिस वर्ग को जोड़ा वह हर राज्य में प्रतीक्षारत है। दस साल के मजबूत दुर्ग की दरारें गिनेंगे, तो दिल्ली की जनता को धन्य-धन्य कहेंगे। इन दरारों से वे सभी नागरिक निकल गए जिन्हें आम आदमी पार्टी केवल अठन्नी-चवन्नी समझ रही थी। दरअसल अठन्नी-चवन्नी की राजनीति का चलन अब मतदाता के मन-मस्तिष्क में मुफ्त की लोरियां-मुफ्त की बेडियां पहनाना चाहता है। नोएडा और गुडग़ांव के सामने मुफ्त की रेवडियों का अंतर अंततः दस साल बाद हार गया, तो इसलिए कि दिल्ली में मध्यमवर्गीय जनमानस, अल्पसंख्यक विचार और आरक्षित वर्ग की टोकरियां एक ही दुकान पर खड़ी हो गईं। इस हार का फायदा भले ही भाजपा को मिला हो, लेकिन जीत सीधी नहीं, सिर्फ साधी गई। हम पहले भी कह चुके हैं कि दिल्ली की तरह, बल्कि उससे भी अधिक हिमाचल में मतदाता मध्यमवर्गीय हालात के आईने खड़े करता है। अब यहां भी गारंटियों के पार कांग्रेस की सत्ता का आज है, तो क्या हिमाचल की नागरिक चेतना को मुफ्त की बिजली भी एक दिन करंट मारेगी। मुफ्त की राहों पर अवांछित फैसलों की दरकार मध्यम वर्ग नहीं करता, लेकिन बेरोजगार वर्ग के लिए अब सरकार के प्रदर्शन का वृत्तांत दर्ज होता है। चाहे तो कांग्रेस दिल्ली में अपनी शून्यता के सफर से सबक ले ले या केजरीवाल की असहाय रेवडियों के हालात से परिचित हो सकती है।

ट्रंप का सपना, गाजा का युद्धग्रस्त क्षेत्र बने दुनिया का बड़ा रियल एस्टेट केंद्र

वॉशिंगटन, 10 फरवरी (एजेंसियां)।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सपना है कि गाजा पट्टी का युद्धग्रस्त क्षेत्र दुनिया का बड़ा रियल एस्टेट केंद्र बने। ट्रंप ने रविवार को गाजा के पुनर्विकास के लिए अपनी योजनाओं को दोगुना करते हुए यह संकेत दिए।

न्यू ऑरलियंस में सुपर बाउल की यात्रा के दौरान ट्रंप ने एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से कहा-हम जल्द ही मध्य पूर्व में स्थिरता लाने जा रहे हैं।

सीएनएन की खबर में ट्रंप की इस योजना की जानकारी दी गई है। ट्रंप ने कहा- मुझे लगता है कि फिलिस्तीनियों या गाजा में रहने वाले लोगों को एक बार और वापस जाने की अनुमति देना बड़ी गलती है। हम नहीं चाहते कि हमास वापस जाए। हमास और लोग इसे एक बड़ी रियल एस्टेट साइट के रूप में सोचें। संयुक्त राज्य अमेरिका इसका मालिक बनने जा रहा है। हम धीरे-धीरे बहुत कुछ करेंगे। हमें कोई जल्दी नहीं है। हम गाजा पट्टी को विकसित करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, हमास और इजराइल के युद्ध ने गाजा के 90 फीसद लोगों को विस्थापित कर दिया है। ट्रंप ने पहली बार मंगलवार को अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह प्रस्ताव दिया था। ट्रंप ने बाद में इस क्षेत्र के लिए अपने दृष्टिकोण को एक नए रिवेरा के रूप में वर्णित किया। नेतन्याहू ने ट्रंप की इस योजना को क्रांतिकारी माना है।

उन्होंने कहा कि यह ट्रंप की रचनात्मक दृष्टि है। संयुक्त राज्य अमेरिका से स्वदेश लौटने के बाद रविवार को नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनकी चर्चा कामयाब रही। ट्रंप ने इजराइल की सुरक्षा पर उसके दृष्टिकोण को हर तरह से सही बताया।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों ने सात आतंकवादियों को मार गिराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में रविवार को अलग-अलग मुठभेड़ों में सात आतंकवादी मारे गए और एक सैनिक शहीद हो गया। सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, सुरक्षा बलों ने 8 और 9 फरवरी की रात को इलाके में हथियारबंद लोगों की मौजूदगी की सूचना पर डेरा इस्माइल खान जिले के मद्दी इलाके में खुफिया ऑपरेशन शुरू किया। इस्माइल खान जिले के खुफिया ऑपरेशन में तीन आतंकवादी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। तीनों आतंकवादी तात्कालिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) और बम बनाने में विशेषज्ञ थे। इसके बाद आतंकवादियों के खिलाफ एक और ऑपरेशन उत्तरी वजीरिस्तान के मीर अली तहसील में चलाया गया। सुरक्षा बलों ने यहां चार आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। इस बीच, पेशावर और कोहाट के बीच सीमा पर हसन खेल उपखंड में आतंकवादियों के साथ गोलीबारी में एक सैनिक शहीद हो गया और तीन अन्य घायल हो गए।

अमेरिका अब स्टील और एल्युमीनियम के आयात पर लगाएगा 25 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब स्टील और एल्युमीनियम के आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा सकते हैं। उनका मानना है कि यह देश की व्यापार प्रणाली में संरचनात्मक परिवर्तन का हिस्सा है। ट्रंप ने कहा कि चुनाव अभियान के दौरान किया गया वादा करने के समय आ गया है। खबर के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति मंगलवार या बुधवार को यह घोषणा कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि इसके पीछे उनका मकसद अमेरिकी उद्योगों की रक्षा करना और ट्रेड बैलेंस में सुधार करना है। ट्रंप ने यह संकेत रविवार को न्यू ऑरलियंस में एयर फोर्स वन में संवाददाता सम्मेलन में दिए। उन्होंने कहा कि यह सभी देशों पर लागू होगा। सनद रहे, डोनाल्ड ट्रंप ने 2016-2020 तक अपने पहले कार्यकाल में स्टील पर 25 प्रतिशत और एल्यूमीनियम पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। बाद में कनाडा, मैक्सिको और ब्राजील समेत कई ट्रेड पार्टनर्स को ड्यूटी फ्री कोटा दिया था। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस कोटा को ब्रिटेन, जापान और यूरोपीय संघ तक बढ़ा दिया था।

इमरान खान ने फिर ठुकराया संवाद, सरकार से बातचीत की संभावना खत्म

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर शहबाज शरीफ सरकार से वार्ता की संभावना को खारिज कर दिया है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और सरकार के बीच सुलह की उम्मीदें अब लगभग समाप्त हो गई है। पीटीआई के वरिष्ठ नेता उमर अयूब खान ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी अब सरकार से किसी भी तरह की बातचीत नहीं करेगी। एक टेलीविजन चैनल से बातचीत में अयूब ने कहा, संवाद का दौर अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक वार्ता केवल औपचारिकता नहीं होती, बल्कि इसके लिए दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता जरूरी होती है, जो सरकार की ओर से दिखाई नहीं दी। अयूब ने सरकार के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि पीटीआई ने सद्भावना के तहत वार्ता शुरू की थी, लेकिन सरकार की ओर से अपेक्षित इच्छाशक्ति और गंभीरता का अभाव रहा, जिससे बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। यह बयान ऐसे समय आया है जब पीटीआई और सरकार के बीच वार्ता रुक चुकी है। दोनों पक्षों के बीच दिसंबर 2024 में बातचीत शुरू हुई थी, लेकिन अब पीटीआई ने आगे के दौर में शामिल होने से इनकार कर दिया है। पार्टी ने नौ मई के दंगों और पिछले साल नवंबर के विरोध प्रदर्शनों की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन में सरकार की विफलता को वार्ता से पीछे हटने का कारण बताया है।

ट्रंप को झटका : वेनेजुएला के प्रवासियों को ग्वांतानामो भेजने पर कोर्ट ने लगाई रोक

अल्बुकर्क, 10 फरवरी (एजेंसियां)।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। उनकी योजनाओं पर कोर्ट ने पानी फेर दिया है। अमेरिकी संघीय अदालत ने रविवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की तरफ से तीन वेनेजुएला के प्रवासियों को क्यूबा के ग्वांतानामो बे नौसैनिक अड्डे पर भेजने की योजना पर रोक लगा दी है। जानकारी के मुताबिक, ये तीनों प्रवासी न्यू मैक्सिको में अमेरिकी हिरासत में थे। अमेरिकी संघीय अदालत का यह फैसला तब आया जब इन प्रवासियों के वकीलों ने अदालत में याचिका दायर कर कहा कि सरकार बिना किसी ठोस आधार के इन्हें ग्वांतानामो भेजना चाहती है।

अमेरिकी सरकार ने तीनों पर वेनेजुएला के कुख्यात ट्रेन दे अरागुआ गैंग से जुड़े होने का आरोप लगाया था। इस मामले में न्यायाधीश केनेथ जे. गोंजालेज ने सरकार के विरोध के बावजूद प्रवासियों की याचिका को स्वीकार किया और उनके ग्वांतानामो स्थानांतरण पर अस्थायी रोक लगा दी। मामले में प्रवासियों के वकील जेसिका वॉसबर्ग ने बताया कि यह एक अस्थायी फैसला है और आने वाले हफ्तों में इस पर फिर से सुनवाई होगी।

इस मामले में सेंटर फॉर कॉन्स्टिट्यूशनल राइट्स, अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ऑफ न्यू मैक्सिको और लास अमेरिका इमिग्रेंट एडवाइजरी सेंटर ने संयुक्त रूप से मुकदमा दायर किया था। इधर, अमेरिकी आंतरिक सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम ने पिछले हफ्ते पुष्टि की थी कि कुछ प्रवासियों को ग्वांतानामो भेजा गया है। प्रवासी अधिकार संगठनों ने इस फैसले पर आपत्ति जताई है और सरकार से ग्वांतानामो भेजे गए लोगों तक कानूनी पहुंच की मांग की है। वहीं व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने बताया कि डोनाल्ड ट्रंप के 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से अब तक 8,000 से अधिक प्रवासियों को गिरफ्तार किया गया है।

नामीबिया के पहले राष्ट्रपति सैम नुजोमा का 95 वर्ष की आयु में निधन

विंडहोएक। नामीबिया के पहले राष्ट्रपति और स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता सैम नुजोमा का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने शनिवार रात विंडहॉक के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। वर्तमान राष्ट्रपति नांगोलो म्बुम्बा ने रविवार को उनके निधन की पुष्टि करते हुए कहा कि यह पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। नामीबियाई राष्ट्रपति नांगोलो म्बुम्बा ने कहा कि नुजोमा के निधन से नामीबिया गणराज्य की नींव हिल गई है। पिछले तीन हफ्तों में नामीबिया गणराज्य के संस्थापक को खराब स्वास्थ्य के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा कि नुजोमा ने हमारे मुक्ति संग्राम के सबसे संकट काल में नामीबियाई लोगों का नेतृत्व किया। 1989 के अंत में संसदीय चुनावों में लौटने से पहले उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के नेता के रूप में 30 साल निर्वासन में बिताए। महीनों बाद 1990 में नामीबिया की स्वतंत्रता की पुष्टि होने पर उन्हें राष्ट्रपति चुना गया। सैम नुजोमा ने नामीबिया को उपनिवेशवाद और रंगभेद से मुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कई दशक तक स्वाधीनता संग्राम का नेतृत्व किया और 1990 में देश की आजादी के बाद पहले राष्ट्रपति बने। उनके कार्यकाल में नामीबिया ने लोकतंत्र और स्थिरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए। नुजोमा को उनके देश में एक दूरदर्शी नेता और राष्ट्र निर्माता के रूप में याद किया जाता है। वे उन अफ्रीकी नेताओं की पीढ़ी का हिस्सा थे, जिन्होंने अपने देशों को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराया और स्वतंत्र राष्ट्रों के निर्माण में अहम भूमिका निभाई।

रेटिना का पतला होना टाइप 2 डायबिटीज के हो सकते हैं संकेत

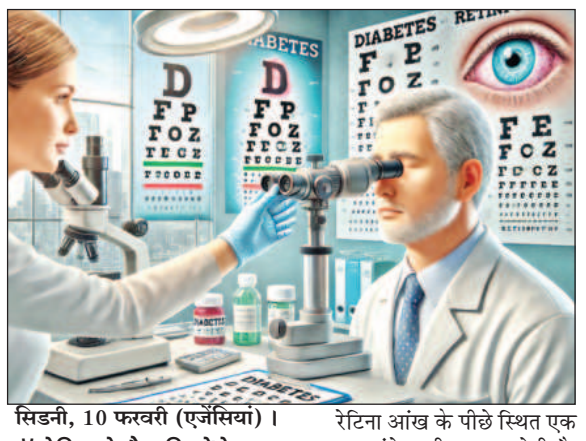

सिडनी, 10 फरवरी (एजेंसियां)।
ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किए गए अंतरराष्ट्रीय शोध में यह बात सामने आई है कि रेटिना की मोटाई का कम होना टाइप 2 डायबिटीज और डिमेंशिया जैसी बीमारियों का शुरुआती संकेत हो सकता है। शोध की रिपोर्ट के अनुसार, मेलबर्न के वॉल्टर और एलाइजा हॉल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च (डब्ल्यूईएचआई) के वैज्ञानिकों ने 50,000 से अधिक आंखों का विश्लेषण किया, ताकि यह समझा जा सके कि रेटिना में होने वाले बदलाव बीमारियों से कैसे जुड़े होते हैं। वैज्ञानिकों ने बहुत बारीकी से रेटिना का नक्शा तैयार किया और पाया कि रेटिना का पतला होना टाइप 2 डायबिटीज, डिमेंशिया और मल्टीपल स्क्लेरोसिस (एमएस) जैसी आम बीमारियों से जुड़ा है।

रेटिना आंख के पीछे स्थित एक प्रकाश-संवेदनशील परत होती है, जो हमारे केंद्रीय तंत्रिका तंत्र का हिस्सा होती है। डिमेंशिया, डायबिटीज और एमएस जैसी बीमारियां इस तंत्र के कमजोर होने या गड़बड़ी से जुड़ी होती हैं। रेटिना का पतला होना (लैटिस डिजेनेरेशन) दरअसल उसकी ऊत्तकों की धीरे-धीरे कमी को दर्शाता है।

डब्ल्यूईएचआई की प्रमुख शोधकर्ता विकी जैक्सन का कहना है कि इस खोज से पता चलता है कि रेटिना इमेजिंग का इस्तेमाल केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को समझने और बीमारियों का पता लगाने के लिए किया जा सकता है।

उन्होंने बताया, हमारे नक्शों से मिली बारीक जानकारी यह दर्शाती है कि रेटिना की मोटाई और कई सामान्य बीमारियों के बीच गहरा संबंध है। इस शोध में यूके और अमेरिका के वैज्ञानिक भी शामिल थे। टीम ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की मदद से 50,000 नक्शे तैयार किए, जिनमें हर रेटिना के 29,000 से अधिक बिंदुओं का विश्लेषण किया गया।

इस अध्ययन से वैज्ञानिकों ने 294 ऐसे जीन की पहचान की, जो रेटिना की मोटाई को प्रभावित करते हैं और बीमारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

1960 में हुए परमाणु परीक्षण, 2022 की धूल में मिले उसके रेडियोएक्टिव अंश

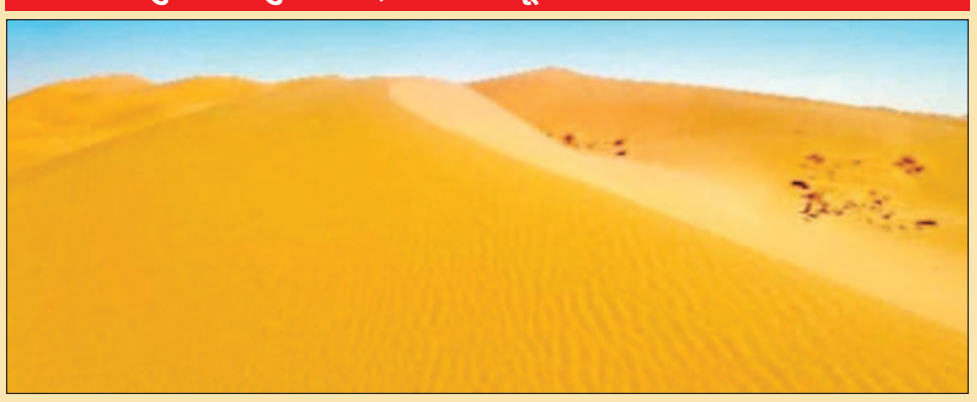

मार्च 2022 में पश्चिमी यूरोप पर सहारा रेगिस्तान से आई धूल भरी आंधी ने वैज्ञानिकों को चौंका दिया। इस धूल में 1950 और 1960 के दशक में अमेरिका और सोवियत यूनियन (यूएसएसआर) द्वारा किए गए परमाणु परीक्षणों के रेडियोएक्टिव अंश मिले है। एक रिसर्च टीम ने धूल का विश्लेषण कर यह चौंकाने वाला खुलासा किया। हालांकि, वैज्ञानिकों ने साफ किया कि धूल में मौजूद रेडियोएक्टिविटी का स्तर खतरनाक सीमा से काफी कम था और इससे लोगों के स्वास्थ्य पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। सहारा की धूल भरी आंधियां अक्सर यूरोप तक पहुंचती हैं। पहले के शोधों से पता चला था कि अल्जीरिया के रेग्गाने क्षेत्र से ऐसी धूल उठती है, जहां 1960 के दशक में फ्रांस ने अपने पहले परमाणु परीक्षण किए थे। लेकिन मार्च 2022 की आंधी के बाद वैज्ञानिकों ने छह देशों से 110 सैंपल इकट्ठा कर इनका विश्लेषण किया, इसमें फ्रांस के परमाणु परीक्षणों के निशान नहीं मिले। बल्कि, इसमें वे रेडियोएक्टिव सिग्नेचर थे जो अमेरिका और सोवियत यूनियन के शीत युद्ध के दौरान किए गए सैकड़ों परमाणु परीक्षणों से निकले थे।

आगा खान (चतुर्थ) को मिस्र में किया गया सुपुर्द-ए-खाक

असवान (मिस्र), 10 फरवरी (एजेंसियां)।

इस्माइलिस के 49वें वंशानुगत इमाम प्रिंस करीम अल-हुसैनी आगा खान (चतुर्थ) को रविवार को यहां नील नदी के तट पर समारोह पूर्वक सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। इस अवसर पर 50वें वंशानुगत इमाम प्रिंस रहीम अल-हुसैनी आगा खान और उनका परिवार मौजूद रहा। समारोह में असवान के गवर्नर भी मौजूद रहे। पाकिस्तान के समाचार पत्र द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, आगा खान (चतुर्थ) के ताबूत को नाव के माध्यम से मौलाना सुल्तान महोमेद शाह के मकबरे तक ले जाया गया। असवान के गवर्नर ने सम्मान के प्रतीक के रूप में प्रिंस रहीम को असवान शहर की एक प्रतीकात्मक चाबी भेंट की। समुदाय के बयान में कहा गया है कि आगा खान (चतुर्थ) का नया मकबरा उनके अंतिम विश्राम स्थल पर मौजूदा ढांचे के निकट बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आगा खान (चतुर्थ) ने पिछले मंगलवार को 88 वर्ष की आयु में पुर्तगाल के लिस्बन शहर में अंतिम सांस ली थी।

आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के अनुसार, दिवंगत आध्यात्मिक नेता अपने पीछे तीन बेटे, रहीम आगा खान, अली मुहम्मद आगा खान और हुसैन आगा खान और एक बेटी जहरा आगा खान छोड़ गए। उनका जन्म स्विट्जरलैंड में हुआ और उन्होंने अपना बचपन नैरोबी में बिताया और हार्वर्ड विश्वविद्यालय से इस्लामिक इतिहास में बीए ऑनर्स डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

तेज रफ्तार जिंदगी में, तनाव और चिंता के महौल में साथी साबित हो सकता हैं पेट डॉग

लंदन, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

आजकल की तेज रफ्तार जिंदगी में, तनाव और चिंता हमारे जीवन का एक आम हिस्सा बन चुके हैं। इसके बाद एक पेट डॉग न केवल एक वफादार साथी होता है, बल्कि हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। पेट डॉग होने से हमारे जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आते हैं, जो हमारी मेंटल हेल्थ को सुधारने में मददगार होते हैं। दरअसल एक रिपोर्ट में सामने आया हैं कि डॉग्स के साथ समय बिताने से तनाव और चिंता कम होती है। जब हम अपने पेट डॉग को सहलाते हैं या उसके साथ खेलते हैं, तब हमारे शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन का लेवल बढ़ता है। यह हार्मोन तनाव को कम करने और खुशी की भावना को बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा, डॉग्स के साथ समय बिताने से हमारा ध्यान भटकता है और हम वर्तमान में जीने लगते हैं, जिससे तनाव कम होता है। साथ ही आजकल अकेलेपन की समस्या बहुत आम हो गई है, खासकर बुजुर्गों और अकेले रहने वाले लोगों में। एक पेट डॉग इस अकेलेपन को दूर करने में सहायत साबित हो सकता है। डॉग्स हमेशा अपने मालिक के साथ रहने के लिए उत्सुक रहते हैं और उससे बिना शर्त प्यार करते हैं। उनके सिर्फ वहां मौजूद होने से ही अकेलापन और उदासी कम होती है। डिप्रेशन एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसका सामना बहुत से लोग करते हैं। पेट डॉग डिप्रेशन से लड़ने में भी मददगार साबित होते हैं। डॉग्स के साथ समय बिताने से हमारे शरीर में डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर का स्तर बढ़ता है।

अचानक बहने लगी खून की नदी, लोगों में मचा हड़कंप, वैज्ञानिकों की टीम पहुंची पानी के लिए सैंपल

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना में नदी के पानी का रंग बदला तो लोगों में हड़कंप मच गया। ऐसा लग रहा था कि नदी में खून बह रहा है। नदी का पानी लाल हो गया। जैसे ही पानी के रंग बदलने की खबर फैली तो वैज्ञानिकों की एक टीम वहां पहुंची और पानी के सैंपल लिए। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी का पानी लाल फैक्टरियों के कचरे वाले पानी की वजह से हुआ है। जानकारी के मुताबिक इस हफ्ते अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के एक शहर में नदी का एक छोटा भाग अचानक खून की तरह लाल हो गया। ऐसा लग रहा था मानो खून की नदी बहने लगी हो। पानी का रंग देखते ही लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों का मानना है कि इसके पीछे फैक्टरियों से निकलने वाला केमिकल है। यह नदी सरांदी शहर में बहती है, जो राजधानी से 12 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। लोगों का मानना है कि इस क्षेत्र में मौजूद फैक्ट्रियों और चमड़ा कारखानों से निकलने वाले केमिकल नदी के पानी के रंग परिवर्तन का कारण हो सकते हैं। छोटी नदी का यह धारा रियो डी ला प्लाटा में जाकर मिलती है, जो अर्जेंटीना और उरुग्वे के बीच स्थित एक प्रमुख जल क्षेत्र है। इस नदी को साफ करने और औद्योगिक कचरे व सीवेज को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर सरकारी योजनाएं चलाई गई हैं। ब्यूनस आयर्स के पर्यावरण मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गुरुवार सुबह धारा के लाल हो जाने की रिपोर्ट मिलने के बाद टीम ने वहां से प्रदूषित पानी के नमूने लिए। मंत्रालय ने बताया कि इस अप्राकृतिक लाल रंग का कारण किसी प्रकार का जैविक रंग हो सकता है।

राष्ट्रीय खेल : टेनिस मुकाबले निर्णायक दौर में सेमीफाइनल और फाइनल के लिए खिलाड़ी तैयार

देहरादून, 10 फरवरी (एजेंसियां) ।

यहां जारी 38वें राष्ट्रीय खेलों में टेनिस मुकाबले अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। पांचवें दिन खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबलों के बाद सेमीफाइनल के लिए खिलाड़ियों का चयन हो चुका है, जबकि महिला और पुरुष युगल में फाइनलिस्ट तय हो गए हैं।

पुरुष एकल: सेमीफाइनल लाइनअप तय- क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में जबरदस्त खेल देखने को मिला। सर्विसेज़ के ईशाक इक़बाल ने पश्चिम बंगाल के नितिन कुमार सिन्हा को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। तमिलनाडु के मनीष सुरेशकुमार ने हरियाणा के उदित कंबोज को 6-4, 6-1 से मात दी। गुजरात के देव वी. जाविया ने उत्तराखंड के द्रोण वालिया को 6-2, 6-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई, जबकि कर्नाटक के प्रज्वल देव ने दिल्ली के सार्थक सूदेन को 6-3, 6-2 से पराजित किया।

सेमीफाइनल मुकाबले इस प्रकार होंगे:

ईशाक इक़बाल (सर्विसेज़) बनाम प्रज्वल देव (कर्नाटक), देव वी. जाविया (गुजरात) बनाम मनीष सुरेशकुमार (तमिलनाडु)

महिला एकल: फाइनल की ओर बढ़ीं चार खिलाड़ी - महिला एकल क्वार्टरफाइनल में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। कर्नाटक की अमोदिनी नाइक ने हरियाणा की अदिति रावत को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। गुजरात की वैदेही चौधरी ने हरियाणा की अंजलि राठी को 6-1, 6-1 से शिकस्त दी। महाराष्ट्र की वैष्णवी अडकर ने तमिलनाडु की लक्ष्मी प्रभा अरुणकुमार को 6-3, 7-5 से हराया, जबकि महाराष्ट्र की आकांक्षा नित्तुरे ने तेलंगाना की लक्ष्मी सीरी दांडू को 6-3, 4-6, 6-2 से मात दी।

सेमीफाइनल मुकाबले इस प्रकार होंगे:

वैदेही चौधरी (गुजरात) बनाम आकांक्षा नित्तुरे (महाराष्ट्र), अमोदिनी नाइक (कर्नाटक) बनाम वैष्णवी अडकर (महाराष्ट्र)

युगल मुकाबले: खिताबी भिड़ंत तय- महिला युगल सेमीफाइनल में गुजरात की वैदेही चौधरी और झील देसाई की जोड़ी ने हरियाणा की अंजलि राठी और अदिति त्यागी को 6-3, 6-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना महाराष्ट्र की पूजा इंगले और आकांक्षा नित्तुरे की जोड़ी से होगा, जिन्होंने उत्तराखंड की दिया चौधरी और जया कपूर को 5-7, 6-4, 10-8 से हराया।

पुरुष युगल के फाइनल में कर्नाटक के प्रज्वल देव और निक्की के पूनाचा की जोड़ी का सामना सर्विसेज़ के ईशाक इक़बाल और फैसल कमर की जोड़ी से होगा। मिश्रित युगल: रोमांचक मुकाबले के बाद फाइनलिस्ट तय मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में कर्नाटक के निक्की के पूनाचा और सोहा सादिक ने हरियाणा के सुनील कुमार और अदिति रावत को 6-2, 6-3 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय खेलः कर्नाटक का राफ्टिंग में दबदबा, महिला और मिश्रित श्रेणियों में भी जीते गोल्ड

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल में काकड़घाट, बूम मंदिर, टनकपुर में चल रहे राफ्टिंग मुकाबलों में रविवार को कई शानदार प्रदर्शन देखने को मिले। विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगी अपनी जबरदस्त टैलेंट का प्रदर्शन कर रहे हैं। डाउन रिवर मिक्स्ड रेस में कर्नाटक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। कर्नाटक का समय 34:07.967 रहा, जबकि महाराष्ट्र ने 35:31.761 के साथ दूसरा और हिमाचल प्रदेश ने 35:44.097 के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्लालम (पुरुष) में सर्विसेज ने 3:40.690 का समय निकालकर गोल्ड जीता। आंध्र प्रदेश ने 3:45.460 के साथ सिल्वर जबकि कर्नाटक ने 3:46.820 के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। स्लालम (महिला) श्रेणी में कर्नाटक ने 4:47.710 के समय के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। उत्तराखंड ने 5:18.360 के साथ दूसरा और हरियाणा ने 6:09.740 के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मिश्रित स्लालम में कर्नाटका ने फिर से अपना दबदबा बनाए रखते हुए 3:58.750 के समय के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। हिमाचल प्रदेश ने 4:16.370 के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जबकि महाराष्ट्र ने 4:21.400 के समय के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

शमी की खराब गेंदबाजी पर भड़के रोहित

कटक। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की गेंदबाजी से खासे नाराज दिखे। शमी ने लंबे समय के बाद खेल में वापसी की है पर उनकी गेंदबाजी में पहले वाली धार नजर नहीं आयी। शमी ने 48वां ओवर में इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल रशीद को अंतिम दिन गेंदें बेहद खराब फेंकी जिसपर तीन चौक लग गये। इससे भी रोहित भड़क गये। शमी ने जिस प्रकार की गेंदबाजी की वह रोहित की फील्ड प्लेसमेंट से अलग थी जिससे भी रोहित नाराज दिखे। ऐसे में जैसे ही रशीद ने तीसरा चौका लगाया रोहित गुस्से में आ गये और शमी पर भड़क गये। शमी ने 7.5 ओवरों में ही 66 रन दे दिये। इसके बाद शमी जब अपना अगला ओवर फैंकने आये तो वह दबाव में थे। ऐसे में उन्होंने गलती कर दी और विरोधी बल्लेबाज फिल साल्ट ने चौका लगा दिया था। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर भी बेन डकेट के खिलाफ शमी पर चौका लगा। वह काफी महंगे रहे। ऐसे में रोहित भी उनके प्रदर्शन से निराश दिखे। पहले 4 ओवरों में ही शमी ने 30 रन लुटा दिए थे।

चैम्पियंस ट्रॉफी से ही स्टार बने थे फखर कमाई में भी पीछे नहीं

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज फखर जमान का लक्ष्य आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करना है। फखर का प्रदर्शन चैम्पियंस ट्रॉफी में हमेशा अच्छा रहा है। फखर ने साल 2017 में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। फखर ने साल 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल मैच में शानदार बल्लेबाजी कर पाक को जीत दिलायी थी। फखर ने सात जून 2017 को एजबेस्टन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ डेब्यू किया था। उन्होंने अपना पिछला एकदिवसीय 19 मई को इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। फखर ने अब तक 82 वनडे मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 46 के औसत से 3492 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 93 का रहा है. उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 210 रन है. जो उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ बनाया था। डेब्यू के बाद ही वह चैंपियंस ट्रॉफी में शतक लगाकर छा गये। उन्होंने तब भारतीय टीम के खिलाफ 114 रन बनाकर पाक टीम को 338 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया था। खेल के साथ ही फखर कमाई में भी पीछे नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी कुल संपत्ति 5 मिलियन डॉलर तकरीबन 43 करोड़ भारतीय रुपए के करीब है। उनकी कमाई मुख्य रुप से क्रिकेट और ब्रांड एंडोर्समेंट से होती है।

एलएंडटी मुंबई ओपन 2025

जिल टेचमैन ने एकल खिताब जीता प्रिडांकिना और अंशबा बनीं युगल चैंपियन

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां) ।

जिल टेचमैन ने रविवार रात मनंचया सवांगकेव को 6-3, 6-4 से हराकर प्रतिष्ठित एलएंडटी मुंबई ओपन 2025 डब्ल्यूटीए 125 सीरीज एकल खिताब अपने नाम कर लिया। पूर्व विश्व नंबर-21 ने अपना शानदार क्लास दिखाया और मैच पर पूरी तरह नियंत्रण रखते हुए मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में आयोजित इस इवेंट के तौर पर अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ ली।

इस जीत के साथ ही, टेचमैन ने शीर्ष 100 डब्ल्यूटीए रैंकिंग में भी वापसी कर ली है।

दूसरी ओर, युगल फाइनल में, रूस की अमीना अंशबा और एलेना प्रिडांकिना ने प्रार्थना थोम्बारे और एरियन हार्टोनो को रोमांचक 7-6(4), 2-6, 10-7 मैच में हराकर खिताबी जीत हासिल की।

एकल खिताब के विजेता ने 125 रैंकिंग अंक और 15,500 डॉलर का इनाम जीता, जबकि युगल चैंपियन ने 125 रैंकिंग अंक और 5,700 डॉलर का इनाम जीता।

तरोताजा होकर आईं टेचमैन और सवांगकेव ने पहले सेट के शुरुआती तीन गेम में एक दूसरे के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और टेनिस का शानदार खेल दिखाया। टेचमैन सेट में 2-1 से आगे चल रही थीं, जिसके बाद उन्होंने अपने लाभ के लिए गति का इस्तेमाल किया और लगातार चार गेम जीत लिए। सवांगकेव के अथक प्रयासों और कोर्ट में तेजी से आगे बढ़ने के बावजूद, वह अपने प्रतिद्वंद्वी के शॉट्स में बदलाव की गति से मेल नहीं खा सकीं। सवांगकेव ने अंत में दो गेम जीतकर वापसी करने की कोशिश की, हालांकि, टेचमैन ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया।

टेचमैन ने दूसरे सेट का पहला गेम जीता, लेकिन सवांगकेव ने पीछे हटने से इनकार कर दिया और स्कोर 1-1 कर दिया। छह गेम के बाद, स्कोर 3-3 था और दोनों खिलाड़ी अपनी गति से आगे बढ़ रहे थे। टेचमैन ने सवांगकेव को थका देने के लिए रैलियों को लंबा खींचा और उसे गलतियाँ करने पर मजबूर किया। दूसरी ओर सवांगकेव ने नेट के पास आक्रामक तरीके से खेलना जारी रखा। इसके बाद टेचमैन ने लगातार दो महत्वपूर्ण गेम जीते लेकिन सवांगकेव ने एक गेम जीतकर स्कोर 5-4 कर दिया।

फाइनल के अंतिम सेट में, टेचमैन ने लगातार चार अंक जीतने के लिए अविश्वसनीय स्तर का प्रदर्शन किया और फिर अंततः 6-4 से सेट जीतकर सीधे सेटों में बड़ा मैच जीत लिया।

डबल्स फाइनल में, थोम्बारे और हार्टोनो ने आक्रामक इरादे दिखाए और पहले सेट में 4-2 की बढ़त हासिल की। हालांकि, दृढ़ निश्चय के साथ खेल रहीं प्रिडांकिना की अगुआई में रूसी जोड़ी ने जोरदार वापसी की और सेट को टाईब्रेक में ले जाने के लिए मजबूर किया। अपने अच्छे प्रयासों के बावजूद, थोम्बारे और हार्टोनो ने पहला सेट 6-7 से गंवाते हुए टाईब्रेक में मामूली अंतर से हार का सामना किया।

इस झटके से विचलित हुए बिना थोम्बारे और हार्टोनो ने हालाँकि दूसरे सेट में फिर से टीम बनाई और बेहतर टीमवर्क और सामरिक समायोजन के साथ सटीक सर्विस और अच्छी तरह से निर्देशित नेट प्ले के साथ रूसियों पर हावी रहे। इस जोड़ी ने दूसरे सेट को 6-2 से जीतकर मैच को बराबर कर दिया।

अंतिम सेट में दोनों टीमें कड़ी टक्कर में उलझी रहीं। थोम्बारे और हार्टोनो ने शुरुआत में 5-3 की बढ़त हासिल की और जीत के लिए तैयार दिख रहे थे। हालांकि, रूसी जोड़ी ने मैच में वापसी करते हुए अपनी जगह बनाई। भारी दबाव में, अंशबा और प्रिडांकिना ने अपनी लय हासिल की और अपने विरोधियों की महत्वपूर्ण गलतियों का फायदा उठाकर मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने निर्णायक टाईब्रेकर 10-7 से जीतकर चैंपियनशिप पर कब्ज़ा कर लिया।

परिणाम:

एकल: जिल टेचमैन ने मनंचया सवांगकेव को 6-3, 6-4 से हराया।

डबल्स: अमीना अंशबा और एलेना प्रिडांकिना ने एरियन हार्टोनो और प्रार्थना थोम्बारे को 7-6(4), 2-6, 10-7 से हराया।

चैम्पियंस ट्रॉफी में नजर नहीं आयेंगे कमिंस सहित कई स्टार खिलाड़ी

लाहौर, 10 फरवरी (एजेंसियां) ।

19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में खेले जाने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में कई स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से इसका आकर्षक कम होगा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से लेकर दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्टजे सहित कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण कारण बाहर हैं। सबसे अधिक पांच ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इस टूर्नामेंट से बाहर रहेंगे। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी अभी तक पूरी तरह से नहीं उबरे हैं और ऐसे में उनका खेलना भी संदिग्ध नजर आता है। न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी शायद ही खेल पायें। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अंतरराष्ट्रीय लीग टी20 मैच के दौरान ही उन्हें हैमस्ट्रिंग की चोट लग गई। वहीं ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस ने अचानक ही एकदिवसीय से संन्यास ले लिया है। ऐसे में उनकी कम भी खलेगी।

वह प्लेयर जो टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे

पैट कमिंस : ऑस्ट्रेलिया के कमिंस टखने की चोट के कारण बाहर हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और प्रमुख तेज गेंदबाज टखने की समस्या से उबर नहीं पाए हैं, जिसने उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024/25 के दौरान प्रभावित किया था।

जोश हेजलवुड : ऑस्ट्रेलिया के जोस हेजलवुड कूल्हे की समस्या से परेशान हैं। हेजलवुड को पहले कूल्हे और पिंडली में खिंचाव के बाद कूल्हे की समस्या हो गई थी, जिसे ठीक होने में वक्त लगेगा।

मिशेल मार्श : मार्श पीठ की चोट से परेशान हैं। ऑलराउंडर को शुरू में ऑस्ट्रेलिया की टीम में नामित किया गया था, लेकिन बाद में पीठ की समस्या के कारण उन्हें बाहर कर दिया गया। उनकी अनुपस्थिति ऑस्ट्रेलिया की चुनौतियों को बढ़ा देती है, क्योंकि उन्हें पहले से ही अन्य प्रमुख खिलाड़ियों को बदलने की जरूरत है।

एनरिक नॉर्टजे : दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्टजे पीठ की चोट से परेशान है। उनकी अनुपस्थिति टीम की गेंदबाजी लाइनअप के लिए एक बड़ा झटका है।

जसप्रीत बुमराह : भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की ऐंठन के कारण परेशान है और टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी को लेकर चिंताएं जारी हैं। हालिया रिपोर्टों से पता चलता है कि उन्हें भारत की अस्थायी टीम में शामिल किया गया है, जिससे संकेत मिलता है कि टूर्नामेंट के लिए समय पर उनके ठीक होने की संभावना है।

शोएब अख्तर को इन तीन टीमों के चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनलिस्ट में पहुंचने की उम्मीदें

पाकिकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भारत और मेजबान पाक टीम के अलावा अफगानिस्तान भी आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनलिस्ट में पहुंच सकती है। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी को शुरु होगी। इसमें भारतीय टीम के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल की भी संभावना है। वहीं 23 फरवरी को होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले में उन्हें पाक टीम की जीत की उम्मीद है। अख्तर ने कहा, अगर अफगानिस्तान की टीम ठीक से खेले तो टूर्नामेंट वे सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। मेरा मानना है कि पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। अख्तर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि 23 फरवरी को पाकिस्तान भारत को हराएगा। मेरा मानना है कि पाक और भारत दोनों को टूर्नामेंट के फाइनल में खेलना होगा। पिछली बार 2017 में चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत और पाक में मुकाबला हुआ था। तब पाकिस्तान ने भारत को 180 रनों से हराया था। अफगानिस्तान ने पिछले कुछ समय से लगातार आईसीसी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह 2023 एकदिवीसय विश्वप कप में वे छठे स्थान पर रही थी पर 2024 के टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। उन्हें न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद नहीं है।

भारत और न्यूजीलैंड आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में रहेंगे जीत के प्रबल दावेदार : आर अश्विन

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां) ।

अनुभवी स्पिनर स्पिनर आर अश्विन का मानना है कि भारत और न्यूजीलैंड के आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने की सबसे अधिक उम्मीदें हैं। अश्विन ने साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया टीम के हालांकि कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट पर से बाहर हैं पर इसके बाद भी उसकी संभावनाएं कम नहीं आंकी जा सकती हैं। इसका कारण है कि कंगारु टीम बड़े टूर्नामेंटों में लय हासिल कर लेती है। चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से पाकिस्तान में शुरु होगी। वहीं भारतीय टीम अपने मैच दुबई में खेलेगी।

अश्विन ने कहा, 'भारतीय टीम को दुबई में रहने वाले भारतीय प्रशंसकों का समर्थन मिलेगा। इससे अन्य टीमों को लगेगा कि वे भारतीय हालातों में ही खेल रहे हैं जिसका उन्हें नुकसान होगा। अश्विन का मानना है कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए त्रिकोणीय टूर्नामेंट में खेलना चाहिए था। अभी भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज खेल रही है। अश्विन ने सवाल किया, 'इंग्लैंड के खिलाफ खेलकर क्या चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की तैयारी पर्याप्त होगी क्या हमें त्रिकोणीय श्रृंखला भी खेलनी चाहिए थी पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका पाकिस्तान की परिस्थितियों में खेल रहे हैं, जिससे उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी में अधिक सहायता मिलेगी। वहीं भारतीय टीम केवल इंग्लैंड के खिलाफ खेलकर यहां पहुंचेगी।

अश्विन ने कहा कि इस बार ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी के बाहर रहने के बाद भी न्यूजीलैंड भारत के लिए परेशानी खड़ी करेगा। उन्होंने कहा, 'भारत के बाद, न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे मजबूत टीमों में से एक है। साउदी और बोल्ट जैसे खिलाड़ी नहीं खेल रहे हैं इसलिए उनके गेंदबाजी आक्रमण को कमजोर माना जा रहा है। मैट हेनरी के साथ टीम में कौन होगा ये देखन होगा।

उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड के पास माइकल ब्रेसवेल और ग्लेन फिलिप्स के साथ एक अनुभवी स्पिन आक्रमण है। यह देखना होगा कि कप्तान मिचेल सेंटनर अपने संसाधनों को किस तरह से इस्तेमाल करते है। न्यूजीलैंड निश्चित रूप से एक मजबूत टीम है। वे भारत को चुनौती देने वालों में से एक हैं।

अश्विन ने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंटों में ऑस्ट्रेलिया हमेशा ही एक मजबूत टीम रही है। उन्होंने कहा, '' कप्तान के रूप में स्टीव स्मिथ शानदार है। स्मिथ चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम की कप्तानी करेंगे। उसके पास ट्रेविस हेड, ग्लेन मैक्सवेल और लाबुशेन जैसे शानदार खिलाड़ी हैं। उसके हालांकि तेज गेंदबाज और नियमित कप्तान पैट कमिंस ओर तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड व मिचेल मार्श की कमी खलेगी।

आईएसएलः लगातार हार से बचने के लिए भिड़ेंगे ओड़ीशा और पंजाब एफसी

भुवनेश्वर, 10 फरवरी (एजेंसियां) ।

ओडिशा एफसी (जगरनॉट्स) सोमवार शाम कलिंगा स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में पंजाब एफसी की मेजबानी करेगी। जगरनॉट्स और पंजाब एफसी पिछले मैचों में मिली अपनी-अपनी हार से उबरने की कोशिश करेंगे।

जगरनॉट्स अपने पिछले मैच में एफसी गोवा से 2-1 और पंजाब एफसी आइलैंडर्स के हाथों 0-3 से हारे थे। पंजाब एफसी जगरनॉट्स पर लीग डबल पूरा करना चाहेंगी, क्योंकि उसने 20 सितंबर, 2024 को रिवर्स फिक्स्चर में 2-1 से जीत हासिल की थी।

ये दोनों टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की प्रबल दावेदार हैं। ओडिशा एफसी 19 मैचों में छह जीत, सात ड्रा और छह हार से 25 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। पंजाब एफसी 18 मैचों में सात जीत, दो ड्रा और नौ हार से 23 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है।

ओडिशा एफसी ने अपने पिछले दो घरेलू मैचों में कई गोल खाए हैं। कुल मिलाकर, जगरनॉट्स ने इस सीजन में सिर्फ तीन क्लीन शीट रखी हैं, जो दूसरा सबसे कम है।

ओडिशा एफसी (19 मैचों में 37 गोल) ने लीग में दूसरे सबसे ज्यादा गोल किए हैं। उसके लिए मौरिसियो ने नौ गोल दागे हैं, जैरी माविहमिंगथांगा और मुर्तदा फॉल ने क्रमशः पांच और चार गोल किए हैं।

इस सीजन में, पंजाब एफसी के गेंद पर कुल टच का सिर्फ 3.1प्रतिशत विपक्षी बॉक्स के अंदर आया है (9587 में से 296)। वो (26 गोल) पांचवीं सबसे कम स्कोर करने वाली टीम है।

पंजाब एफसी ने अपने पिछले नौ मैचों में से केवल एक जीता है और इस दौरान 19 गोल खाए हैं। पंजाब का सीजन दो हिस्सों में बांटा जा सकता है, जिसमें उसने शुरुआती नौ मुकाबलों में से छह जीते और अगले नौ मैचों में एक केवल एक जीता है। जगरनॉट्स के स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा ने आगामी मैच के लिए ओडिशा एफसी के दृष्टिकोण के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों की मानसिक और शारीरिक रिकवरी सुनिश्चित करना सबसे महत्वपूर्ण होता है। हम अगले मैच को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि इसमें जीत हमें आगे बढ़ाएगी।

पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस दिलमपेरिस ने कहा कि उनकी टीम मैच से पूरे तीन अंक जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि यह एक महत्वपूर्ण मुकाबला है। हमारे पास छह फाइनल बचे हैं और हम इस मैच को जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

बता दें कि दोनों टीमों के बीच तीन आईएसएल मैचों में ओडिशा एफसी ने दो बार जीत हासिल की है, जबकि पंजाब एफसी एक बार विजयी हुई है।

ट्रंप की इस्पात, एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की चेतावनी

वाशिंगटन, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्होंने कनाडा, मेक्सिको सहित इस्पात और एल्युमीनियम के सभी आयातों पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने की सोमवार को घोषणा की है। इसके अलावा अन्य आयात शुल्क भी इस हफ्ते के अंत में लागू किए जाएंगे।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में आने वाले किसी भी इस्पात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगेगा। उन्होंने एल्युमीनियम के बारे में पूछा जाने पर भी उसे व्यापार दंड के अधीन होने की बात कही। ट्रंप ने पारस्परिक शुल्क की घोषणा करते हुए कहा कि यह एक संकेत है कि अमेरिका ऐसे उत्पादों पर आयात शुल्क लगाएगा जिन्हें अन्य देशों ने अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाया है। साझा विपणन के बीच दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने देश के विदेश नीति एवं व्यापार अधिकारियों से बैठक की, जिसमें ट्रंप के शुल्क के प्रस्तावित प्रभाव पर विचार किया गया। दक्षिण कोरिया ने अमेरिका में एक बहुमुखी स्रोत के तौर पर इस्पात और एल्युमीनियम भेजा है।

भारतीय फार्मास्यूटिकल निर्यात उड़ान की ओर

नई दिल्ली। एक ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय फार्मास्यूटिकल निर्यात ने 2023 में लगभग 27 बिलियन डॉलर का आंकड़ा दर्ज किया था। इस संख्या के दोगुने होने की संभावना है, जो 2030 तक 65 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है और 2047 तक यह आंकड़ा लगभग 350 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। यह रिपोर्ट भारतीय फार्मास्यूटिकल अलायंस (आईपीए), भारतीय औषधि निर्माता संघ (आईडीएमए) और फार्मेक्सिल द्वारा तैयार की गई है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जेनेरिक दवाओं का आपूर्तिकर्ता है और अगर वह नए नवाचार और विविधता को अपने निर्यात बास्केट में शामिल करता है, तो 2047 तक निर्यात मूल्य के मामले में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल हो सकता है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

न्यूज ब्रीफ

सोने और चांदी की कीमतों में मामूली राहत, दिल्ली में 24 कैरेट घटकर 86,810 रुपए , चांदी 99,400 रुपए

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को मामूली राहत देखने को मिली है। देशभर में सोने की कीमतें बीते हफ्ते बढ़ने के बाद अब थोड़ा नीचे आई हैं। राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट गोल्ड का भाव घटकर 86,810 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है, जबकि मुंबई में यह 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम है। हालांकि, बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट सोने की कीमत में 2,180 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत में 2,000 रुपये का इजाफा हुआ है। चांदी की कीमत में भी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों और खरीदारों को थोड़ी राहत मिली है। चांदी 100 रुपये सस्ती होकर 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इंदौर के सराफा बाजार में 8 फरवरी को चांदी में 300 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई थी, जिससे औसत भाव 95,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया था। 7 फरवरी को दिल्ली के सराफा बाजार में चांदी की कीमत 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर बनी रही थी सोने और चांदी की कीमतें कई कारकों पर निर्भर करती हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय बाजार, डॉलर की स्थिति, ब्याज दरों में बदलाव, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और घरेलू मांग शामिल हैं

जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने ऋण वित्तपोषण चक्र में एक अरब डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने पिछले कुछ महीनों में प्रमुख वित्तीय संस्थानों से चरणबद्ध ऋण वित्तपोषण में एक अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। कंपनी बयान के अनुसार पिछले कुछ महीनों में पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएफसी), डीबीएस बैंक, एचएसबीसी बैंक और भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (आईआरईडीए) सहित प्रमुख वित्तीय संस्थानों से कंपनी ने चरणबद्ध ऋण वित्तपोषण में एक अरब अमेरिकी डॉलर सफलतापूर्वक हासिल किए। इसमें कहा गया है कि इन नए ऋण वित्तपोषण से जुनिपर ग्रीन एनर्जी बड़े पैमाने पर नवीकरणीय परियोजनाओं को क्रियान्वित करने, अपनी परिचालन क्षमता को मजबूत करने और स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने की स्थिति में आ गई है। जुनिपर ग्रीन की कुल क्षमता 1.1 जीडब्ल्यूपी है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बयान में कहा कि वित्त पोषण को हासिल करना हमारे व्यापार मॉडल और हमारी दीर्घकालिक रणनीति की मजबूती को दर्शाता है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी एक स्वतंत्र अक्षय ऊर्जा उत्पादक व संचालक है जो सौर, पवन तथा हाइब्रिड बिजली परियोजनाओं में विशेषज्ञता रखती है।

एलन मस्क ने कहा- टिकटॉक में कोई दिलचस्पी नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका में सुरक्षा चिंताओं के चलते टिकटॉक के अमेरिकी कारोबार पर एक नजर है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क को इस लोकप्रिय ऐप को खरीदने का सुझाव दिया था। लेकिन एलन मस्क ने अब यह बताया है कि उन्हें टिकटॉक में कोई दिलचस्पी नहीं है। जर्मनी में हुए वेल्ट आर्थिक शिखर सम्मेलन के दौरान एलन मस्क ने यह बयान दिया कि उन्होंने टिकटॉक को खरीदने के लिए कोई बोली नहीं लगाई है और न ही इसके खरीदने की कोई योजना है। उन्होंने साफ किया कि वे नई कंपनियां बनाते हैं, खरीदते नहीं। चीन की इस रिपोर्ट्स को खारिज किया है जिनमें यह दावा किया गया था कि टिकटॉक के अमेरिकी संपतियों की बिक्री पर विचार किया जा रहा है। टिकटॉक के प्रवक्ता ने इन खबरों को खारिज किया और कहा है कि यह सभी अफवाहें मात्र कल्पनाएं हैं, जिन पर कोई पुष्टि नहीं की जा सकती। साथ ही ट्रंप ने 75 दिनों की अतिरिक्त समय देने का निर्णय लिया है। एलन मस्क के इन बयानों से स्पष्ट हो गया है कि उन्हें टिकटॉक में दिलचस्पी नहीं है और उनका केवल नए और आवश्यक क्षेत्रों में निवेश करने का ध्यान है।

भारत निवेश और व्यापार सुविधा को बढ़ावा देने के लिए 'ईएफटीए डेस्क' की करेगा स्थापना

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ व्यापार, निवेश और व्यवसाय सुविधा को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित मंच 'ईएफटीए डेस्क' की स्थापित कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ईएफटीए ब्लॉक के साथ मिलकर सोमवार को भारत मंडपम में इसका उद्घाटन करेंगे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ईएफटीए ब्लॉक के साथ नई दिल्ली के भारत मंडपम में ईएफटीए डेस्क का उद्घाटन करेंगे। ईएफटीए ब्लॉक का प्रतिनिधित्व स्विस स्टेट सेक्रेटरी हेलेन बुडलिगर आर्टिडा, नॉर्वे के व्यापार एवं उद्योग राज्य सचिव टॉमस नोरवोल, आइसलैंड के स्थायी सचिव मार्टिन आइजोलफसन, लिकटेंस्टीन के विदेश, शिक्षा एवं खेल मंत्री डॉमिनिक हस्लर, ईएफटीए सचिवालय के उप महासचिव मार्कस श्लेगनहोफ और ईएफटीए सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी डेविड स्वेनबॉर्नसन करेंगे।

भारत और ईएफटीए देशों की 100 से अधिक कंपनियां बिजनेस राउंडटेबल में भाग लेंगी। भारत-ईएफटीए समर्पित डेस्क भारत में विस्तार करने की इच्छुक ईएफटीए कंपनियों के लिए एक केंद्रीकृत सहायता व्यस्था के रूप में कार्य करेगा। यह बाजार की जानकारी और विनियामक मार्गदर्शन, व्यापार मिलान और भारत की नीति और निवेश परिदृश्य को समझने में सहायता प्रदान करेगा। इस अवसर पर उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और वाणिज्य विभाग (डीओसी) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे और ईएफटीए देशों के साथ मजबूत आर्थिक भागीदारी के लिए भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत और चार यूरोपीय देशों के ईएफटीए ने व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 10 मार्च, 2024 को एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते को आधिकारिक तौर पर व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) कहा जाता है, जिसके इस साल के अंत तक लागू होने की उम्मीद है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं।

महिंद्रा के लाभ में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज

नई दिल्ली। दिसंबर तिमाही के अपने वित्तीय नतीजे में महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने कर पश्चात समेकित लाभ (पीएटी) में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने के साथ 3,181 करोड़ रुपये का लाभ रिपोर्ट किया। कंपनी ने बताया कि तिमाही में राजस्व पिछले साल की समान तिमाही के 35,299 करोड़ रुपये से बढ़कर 41,470 करोड़ रुपये हो गया, जो 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑटो सेगमेंट ने भी मजबूत प्रदर्शन किया, जिसमें तिमाही वॉल्यूम 2,45,000 यूनिट रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही से 16 प्रतिशत अधिक है। यूटिलिटी (यूवी) वॉल्यूम इस तिमाही में 1,42,000 यूनिट रहा। ऑटो सेगमेंट का राजस्व 23,391 करोड़ रुपये रहा, जो 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जबकि समेकित पीएटी 1,438 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही से 20 प्रतिशत अधिक है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने घरेलू ऑपरेशनों को शानदार बताया, जबकि अंतरराष्ट्रीय परिचालन में कुछ कमजोरियां देखी गई, जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मैक्रो बाधाओं के कारण थीं। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ अनीश शाह ने कहा कि कंपनी का प्रदर्शन मजबूत है और विशेष रूप से ऑटो और फार्म सेक्टर में बाजार हिस्सेदारी और मार्जिन में ठोस वृद्धि देखी जा रही है। टेकएम में बदलाव भी गति पकड़ रहा है, और महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज ने एसेट क्वालिटी और विकास प्राथमिकताओं को संतुलित करते हुए मजबूत प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) की वृद्धि हासिल की है।

अजाक्स इंजीनियरिंग का आईपीओ खुला, 1,269 करोड़ जुटाना चाहती है कंपनी

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

साल 2025 के दूसरे महीने फरवरी में एक के बाद एक आईपीओ आने का सिलसिला शुरू हो गया है। जनवरी में भी कई आईपीओ आए और उसने बाजार में जोरदार कमाई की। अजाक्स इंजीनियरिंग लिमिटेड का आईपीओ यानी इनिशियल पब्लिक ऑफर आ गया है। इसका सब्सक्रिप्शन 10 फरवरी से खुल गया है। बता दें कि यह आईपीओ 12 फरवरी को बंद हो जाएगा। अजाक्स इंजीनियरिंग कंपनी पब्लिक इश्यू के जरिए 2.02 करोड़ शेयर्स बेचकर 1,269.35 करोड़ जुटाना चाहती है। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है. बता दें कि कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 599-629 प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 13 फरवरी को होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों पर 17 फरवरी को शेयर्स की लिस्टिंग की जाएंगी।

एचडीएफसी ने एमसीएलआर रेट्स में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली। रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में अपनी रेपो रेट को कम करके 6.25 फीसदी कर दिया है, लेकिन इसका दिशा-निर्देश उल्टा दिखाई दे रहा है। देश के प्रमुख निजी बैंक एचडीएफसी ने हाल ही में एमसीएलआर रेट्स में बढ़ोतरी की है, जिसके परिणामस्वरूप लोन ईएमआई में वृद्धि हो सकती है। एचडीएफसी बैंक ने ओवरनाइट एमसीएलआर को 9.15 से 9.20 फीसदी बढ़ाकर बैंक लोन की दरों को महंगा कर दिया है। नए ब्याज दरें 7 फरवरी 2025 से लागू हो गई हैं। इसके साथ ही एक महीने, तीन महीने, छह महीने, एक साल, 2 साल से अधिक पीरियड और 3 साल से अधिक पीरियड के लिए भी एमसीएलआर दरें निर्धारित की गई हैं। यह नई दरें बैंकिंग सेक्टर में उत्साह कम कर सकती है और ग्राहकों को लोन चुकाने में अधिक दिक्कतें उत्पन्न कर सकती हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी लाल नाम...

खिलाफ एक लंबा मार्च निकाला। शेयर की गई तस्वीरों में कट्टरपंथियों को विरोध मार्च निकालते और मोदीलाल नामक एक गाय के साथ देखा जा सकता है। एक अन्य तस्वीर में कट्टरपंथी पार्टी करते भी देखे जा सकते हैं। इस घटना की सोशल मीडिया पर खूब निंदा भी हो रही है और तमाम प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, लेकिन बेशर्मों को निंदा और प्रतिक्रियाओं से क्या फर्क पड़ता है!उल्लेखनीय है कि जमात ए इस्लामी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का सहयोगी है। जमात पर पहले शेख हसीना की सरकार ने बैन लगा रखा था, लेकिन 5 अगस्त को हसीना के तख्तापलट के बाद इस्लामी पार्टी बीएनपी की अगुवाई में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का गठन हुआ। मोहम्मद यूनुस को देश का मुख्य सलाहकार बनाया गया। सरकार की कमान हाथ में आते ही यूनुस ने सबसे पहले जमात ए इस्लामी से प्रतिबंध हटा लिया। इसके बाद जमात ए इस्लामी ने बीएनपी को समर्थन दे दिया। सत्ता और इस्लामी कट्टरपंथियों का गठजोड़ सामने है।दूसरी तरफ दक्षिण बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर हैम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा पकड़े गए संदिग्ध सिग्नलों ने चरमपंथी गतिविधियों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले दो महीनों में विशेष रूप से बांग्ला, उर्दू और अरबी में कोडित संदेशों का पता चला है, जो रात के समय में दर्ज किए गए हैं। इन सिग्नलों की पहचान पहली बार दिसंबर 2024 में हुई, जब उत्तर 24 परगना जिले में शौकिया रेडियो संचालकों ने अनधिकृत संचार को पकड़ा। इसके बाद सिग्नल को ट्रैक करने की जिम्मेदारी कोलकाता के अंतरराष्ट्रीय निगरानी स्टेशन को सौंपी गई। हैम रेडियो ऑपरेटर जिन्हें केंद्रीय संचार मंत्रालय से लाइसेंस प्राप्त होता है, इन संदिग्ध संचारों की जानकारी संचार मंत्रालय को पहुंचा रहे हैं। पश्चिम बंगाल रेडियो क्लब के सचिव अंबरीश नाग बिस्वास ने बताया कि ये सिंग्रल रात के एक से तीन बजे के बीच प्राप्त होते हैं। जब भी उन्होंने संचार करने वालों से उनकी पहचान पूछी तो वे चुप हो गए।इस घटना को बांग्लादेश में जारी हिंदू विरोधी अशांति और बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों के संदर्भ में देखा जा रहा है। भारत और बांग्लादेश की सीमा का एक बड़ा हिस्सा खुला होने के कारण, सुरक्षा चिंताएं और अधिक प्रमुख हो जाती हैं। खासकर जब से शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से तनाव बढ़ा है। इस स्थिति ने भारत को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं पर हो रहे हमलों के बारे में चिंता व्यक्त करने के लिए मजबूर किया है, जो कि चिन्मय कृष्ण दास जैसे हिंदू संत की गिरफ्तारी के बाद और अधिक गंभीर हो गई है।हैम रेडियो कम्युनिकेशन का शौकिया माध्यम है। इसके लिए सरकार से लाइसेंस लेना पड़ता है। आपदा के समय ये बड़े उपयोगी होते हैं। इनका कमर्शियल उपयोग नहीं होता है। हैम रेडियो ऑपरेटर, आवाज, टेलीप्रिंटिंग, टेलीग्राफी, फैक्स के जरिए संदेश का आदान-प्रदान करते हैं। ट्रेनिंग, मनोरंजन में भी हिस्सा लेते हैं।

भारत के ...

यूएसएड ने राजीव गांधी फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट को धन दिया कि नहीं? ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रौदा को यूएसएड ने धन दिया या नहीं? बांग्लादेश के लोकतंत्र को बर्बाद करने वाले मोहम्मद यूनुस और गांधी परिवार के क्या संबंध हैं? राजीव गांधी फाउंडेशन के विजय महाजन की संस्था को यूएसएड से धन मिल रहा है या नहीं? उसी विजय महाजन को कांग्रेस ने राजीव गांधी फाउंडेशन में देश विरोधी एजेंडा चलाने के लिए रखा है या नहीं? जाति जनगणना की हिमायत करने वाले ग्रामीण विकास ट्रस्ट को यूएसएड धन देता है कि नहीं? तालिबान को यूएसएड ने धन दिया है कि नहीं? नेपाल की हिंदू राष्ट्र की छवि नष्ट करने और वहां नास्तिकता फैलाने के लिए यूएसएड ने पैसा दिया कि नहीं? सामंता पावर से राहुल गांधी की मुलाकात हुई कि नहीं? फलाह-ए-पाकिस्तान, अल खिदमत जैसे आतंकी संगठनों को यूएसएड ने पैसा दिया कि नहीं? जकात फाउंडेशन चलाने वाले कांग्रेस समर्थित वक्फ बोर्ड को यूएसएड ने धन दिया है कि नहीं?उल्लेखनीय है कि यूएसएड ने अमेरिकी करदाताओं के करोड़ों रुपए आतंकवादियों को पोसने वाले संगठनों को देने में और धर्मांतरण को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए खर्च किया। नेपाल में नास्तिकता का मूवमेंट चलाना हो या देश-विदेश में विकृत-लिंगियों के एक्टिविज्म को बढ़ाना हो, इन सब पर यूएसएड ने खुलकर डॉलर उड़ाए। यूएसएड ने अफगानिस्तान में बैठे तालिबान, पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा, फलाह-ए-पाकिस्तान और गाजा में बैठे हमास जैसे आतंकी संगठनों को भी पहुंचाया।

ट्रंप ने बंद...

सरकारी धन खर्च किए। यहां तक कि महिलाओं को भोग का सामान मानने वाले इस्लामिक कट्टरपंथी तालिबान को कंडोम देने पर लाखों डॉलर खर्च किए। नेपाल की हिंदू राष्ट्र की पहचान खत्म कर उस भोले-भाले पर्वतीय देश में नास्तिकता फैलाने के लिए भी अमेरिका ने लाखों डॉलर खर्च किए।इन सनसनीखेज खुलासों के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रम्प ने यूएसएड का ढक्कन बंद कर दिया है। यूएसएड का दफ्तर अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। यूएसएड की गतिविधियों की जांच एलन मस्क की अगुवाई वाला डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) विभाग कर रहा है। अमेरिका की एक संसदीय कमेटी ने भी यूएसएड की अनियमितताओं को लेकर कई खुलासे किए हैं। यूएसएड बंद करने के डोनाल्ड ट्रंप के फैसले से अमेरिकी रिपब्लिकन खुश हैं। लेकिन पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के लिए यह बड़ी चिंता की बात हो गई है। यूएसएड आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा को फंडिंग दे रहा था, जिसके खिलाफ एलन मस्क उठा रहे थे, लेकिन बाइडेन प्रशासन सुन नहीं रहा था।यूएसएड ने तालिबान को कंडोम के लिए 15 मिलियन (120 करोड़ से अधिक) डॉलर दिए। अमेरिकी सांसद ब्रायन मास्ट ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की। उल्लेखनीय है कि तालिबान लगातार महिलाओं का उत्पीड़न करता है और उसने अमेरिका को अफगानिस्तान में बड़े नुकसान पहुंचाए हैं। ऐसे में बाइडेन प्रशासन के निर्देश पर यूएसएड द्वारा तालिबान को कंडोम-खर्चा दिया जाना बेहद आश्चर्यजनक है। इसके अलावा यूएसएड ने अफगानिस्तान में नहरों, कृषि उपकरणों और उर्वरक पर करोड़ों डॉलर का खर्च किया। बाद में इन सब सुविधाओं का इस्तेमाल तालिबान ने किया और अफीम उगाई। उससे हेरोइन बना कर बेची। यानी, यूएसएड ने अफगानिस्तान को धन देकर ड्रग तस्करी का धंधा बढ़ाया।अमेरिकी दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि यूएसएड ने आतंकी समूहों को खुब पैसे दिए। उन आतंकी समूहों को भी धन दिए जिन्हें अमेरिका ने टेरर ऑर्गनाइजेशन घोषित कर रखा है। इनमें हाफिज सईद का लश्कर-ए-तैयबा तो है ही, इसके अलावा फलाह-ए-पाकिस्तान जैसे संगठन भी हैं जिसे यही आतंकी चैरिटी संगठन के तौर पर चलाते हैं और इनके जरिए मदद प्राप्त करके अपनी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। फलाह-ए-पाकिस्तान का सीधा कनेक्शन आतंकी हाफिज सईद से है। साल 2010 में अमेरिकी विभाग उसे आतंकी संगठन भी घोषित कर चुका है, लेकिन बावजूद इसके यूएसएड इतने समय से उसे फंड देने में लगा था। 2019 में आतंकी संगठन को यूएसएड ने 110,000 डॉलर की मदद दी थी। यूएसएड ने साल 2021-23 से यूएसएड ने हेल्पिंग हैंड फॉर रिलीफ एंड डेवलपमेंट को भी फंडिंग की है। एचएचआरडी एक मिशिगन स्थित पाकिस्तानी संगठन है, जो लश्कर-ए-तैयबा और जमात-ए-इस्लामी से जुड़ा हुआ है।80 प्रतिशत से अधिक हिंदू आबादी वाले नेपाल में यूएसएड ने नास्तिकता फैलाने के लिए खूब पैसा बहाया। नेपाल में नास्तिकता बढ़ाने के लिए यूएसएड ने पांच लाख डॉलर दिए। नेपाल में ईसाई धर्म को बढ़ाने के भी कुकृत्य बेतहाशा चल रहे हैं। यूएसएड के धन से हिंदू आबादी को नास्तिक बनाने और फिर मिशनरियों के प्रयास से उन्हें ईसाई बनाने का प्रयोग चल रहा था। यूएसएड ने सबसे ज्यादा पैसा दुनिया भर में जेंडर आइडियोलॉजी के नाम पर विकृत सेक्स की मनोवृत्ति आगे बढ़ाने के लिए दिया।

यह पराक्रम का...

जहां एक तरफ परंपरा और आध्यात्म का महाकुंभ चल रहा है, वहीं दूसरी तरफ पराक्रम का महाकुंभ चल रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा क्षेत्र की एक विशेषता यह है कि रक्षा औद्योगिक प्रणाली के उत्पादों का ऑर्डर सरकार द्वारा दिया जाता है और सरकार ही उनका उपयोग करती है। केवल सरकार ही उत्पादों के विनिर्माण या निर्यात करने का लाइसेंस दे सकती है। इस प्रक्रिया के हर चरण में सरकार की निरंतर भागीदारी होती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि 2047 तक विकासशील देश से विकसित देश में परिवर्तन को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार ने हमारे रक्षा उद्योग को समग्र राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण घटक बनाने के लिए कई परिवर्तनकारी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे विदेशी मित्रों के लिए हमने नए रक्षा लाइसेंस चाहने वाली कंपनियों के लिए ऑटोमेटिक मोड से 75 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति दी है। व्यापार करने में आसानी बढ़ाने, 6-8 ग्रीनफील्ड परीक्षण और प्रमाणन सुविधाओं की स्थापना करने, एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना शुरू की गई थी। डेफएक्सपो पोर्टल ने निर्यात प्राधिकरण को सहज बना दिया है। रक्षा निर्यात केंद्र के रूप में भारत के उभरने के प्रमाण के रूप में भारत में वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में पिछले 10 वर्षों में रक्षा उत्पादों के निर्यात में 31 गुना वृद्धि हुई है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि युद्ध की प्रकृति तेजी से बदल रही है। इसलिए हमें लगातार समाधानों को अनुकूलित और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। उदाहरण के शुद्ध हार्डवेयर-आधारित प्रणाली पर निर्भरता तेजी से सॉफ्टवेयर-आधारित प्रणालियों द्वारा प्रतिस्थापित की जा रही है। आज सैन्य अभियानों में संचार और डाटा-साझाकरण की प्रकृति बहुत अधिक जटिल होती जा रही है। अंतरिक्ष-आधारित नेविगेशन प्रणाली, अंतरिक्ष-आधारित संचार और निगरानी पर हमारी निर्भरता का अर्थ है कि अंतरिक्ष-आधारित परिसंपत्तियों को हमारी परिचालन योजनाओं में एकीकृत करना होगा। हाल के संघर्षों में ड्रोन का उपयोग यह दर्शाता है कि भविष्य मानवयुक्त, मानवरहित और स्वायत्त युद्ध प्रणालियों के एकीकृत प्रयासों पर निर्भर करेगा। इसलिए रक्षा विनिर्माण पर हमारे प्रयासों को इन उभरते क्षेत्रों के लिए जवाबी उपाय बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा, अगर आप भारत के इतिहास का आकलन करेंगे, तो आप पाएंगे कि हमने न तो किसी देश पर हमला किया है और न ही हम किसी बड़ी शक्ति की प्रतिद्वंद्विता में शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा, एक बड़े देश के रूप में भारत हमेशा शांति और स्थिरता का हिमायती रहा है। और जब मैं यह कह रहा हूं, तो यह सिर्फ कहने की बात नहीं है, बल्कि यह हमारे मौलिक आदर्श की बात है।

महाकुंभ में ...

इस दौरान राष्ट्रपति ने डेक पर खड़े होकर नौका विहार का आनंद भी लिया और अपने हाथों से पक्षियों को दाना खिलाया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें महाकुंभ के आयोजन और इससे जुड़ी अनेक व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी।

यूपी के ...

अल्फा जियो कंपनी ने ओएनजीसी द्वारा बताए गए प्वाइंट्स पर सर्वे करने वाली टीम के साथ डेरा डाल दिया है। जमीन के अंदर ड्रिल करने का काम शुरू किया गया है। कंपनी ने एक दर्जन से अधिक स्थानों पर जमीन में खुदाई का काम शुरू कर दिया है। अल्फा कंपनी के कर्मचारी अंबिका प्रसाद चौधरी ने बताया कि उनके साथ करीब डेढ़ सौ लोग काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने 15 दिसंबर से आजमगढ़ से सर्वे शुरू किया है। सैटेलाइट के सर्वे में मिले प्वाइंट्स पर ड्रिल करके उसमें विस्फोट करके तरंगों को इकट्ठा किया जा रहा है।अल्फा जियो इंडिया लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर केएम राव ने गत माह डीएम नेहा शर्मा को पत्र देकर कार्रवाई के बारे में अवगत कराते हुए अनुमति मांगी थी। इस पर डीएम ने नवाबगंज क्षेत्र के गांवों में सिस्मिक सर्वे व थ्री डी मैपिंग के लिए जनवरी में ही अनुमति दे दी थी। सहयोग के लिए एडीएम आलोक कुमार को जिम्मेदारी सौंपी है। सिस्मिक सर्वे व थ्री डी मैपिंग का मतलब भूकंपीय सर्वेक्षण और भूकंपीय मानचित्र बनाना है। इसके माध्यम से पता चलता है कि जमीन के अंदर कौन-कौन से तत्व और खनिज उपलब्ध हैं। अभी क्षेत्र के अन्य स्थानों पर ड्रिलिंग की जाएगी। इसके माध्यम से पूरी जानकारी हासिल की जाएगी। किसानों के खेतों में सर्वे वाली जगह पर हुए फसल के नुकसान की भरपाई के लिए कंपनी की तरफ से 1500 से दो हजार रुपए दिए जा रहे हैं। क्षेत्र में खनिज भंडार होने की संभावना की जानकारी से क्षेत्र के लोग खुश हैं।

शराब घोटाले...

कांग्रेस लगातार कहती आई है कि उसका अधिकांश वोट आपा ने ही लिया है। वह अब दिल्ली में आपा की हर और पंजाब में अंदरूनी लड़ाई के शेयर वापसी करने के मूड में है।आपा के लिए सिर्फ पंजाब ही नहीं बल्कि दिल्ली में भी मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। उसके दोनों बड़े नेताओं केजरीवाल और सिसोदिया पर चुनाव हारने के बाद जेल जाने की तलवार लटक रही है। दिल्ली शराब घोटाला मामले में जमानत पर चल रहे दोनों के खिलाफ जांच एजेंसी सीबीआई ने मुकदमा जल्दी चालू करने की अर्जी अदालत को दी है। सीबीआई की एक विशेष अदालत ने सिसोदिया और केजरीवाल के वकीलों से कहा है कि वह मुकदमे के कागजों की जांच जल्दी पूरी कर लें ताकि जल्द से जल्द मुकदमा चालू किया जा सके। अदालत ने यह बात 3 फरवरी 2025 को कही। इससे पहले सीबीआई ने कहा है कि वह जल्द से जल्द इस मामले में 23 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चालू करना चाहती है।

गौरतलब है कि केजरीवाल समेत बाकी लोगों पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली की आबकारी नीति ने बदलाव किया जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। इस नीति बदलने से निजी विक्रेताओं फायदा पहुंचाया गया और उनसे वापसी में मिले 100 करोड़ को गोवा चुनाव में खपाया गया।

मंगलवार को करें रामरक्षा स्तोत्र का पाठ, पूरी होगी मनचाही मनोकामना

सनातन धर्म में मंगलवार का दिन हनुमान जी को बेहद प्रिय है। इस दिन हनुमान जी की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही मंगलवार का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक को करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है। साथ ही सभी बिगड़े काम बन जाते हैं। हनुमान जी की पूजा करने से सभी संकटों से मुक्ति मिलती है।

सनातन शास्त्रों में निहित है कि मंगलवार के दिन भगवान श्रीराम की भेंट उनके परम सेवक हनुमान जी से हुई थी। अतः मंगलवार के दिन भगवान राम संग हनुमान जी की पूजा की जाती है। भगवान राम की पूजा करने वाले साधकों पर हनुमान जी की विशेष कृपा बरसती है। अगर आप भी राम जी की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो मंगलवार के भक्ति भाव से राम परिवार संग हनुमानजी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय रामरक्षा स्तोत्र का पाठ करें।

॥ श्रीरामरक्षास्तोत्रम् ॥

अथ ध्यानम

ध्यायेदाजानुबाहुं धृतशरधनुषं बद्धपद्मासनस्थं।
पीतं वासो वसानं नवकमलदलस्पर्धिनेत्रं प्रसन्नम्॥
वामाङ्कारूढ-सीता-मुखकमल-मिलल्लोचनं नीरदाभं।
नानालङ्कारदीप्तं दधतमुरुजटामण्डनं रामचन्द्रम्॥
इति ध्यानम्
चरितं रघुनाथस्य शतकोटिप्रविस्तरम्।
एकैकमक्षरं पुंसां महापातकनाशनम्॥
ध्यात्वा नीलोत्पलश्यामं रामं राजीवलोचनम्।
जानकीलक्ष्मणोपेतं जटामुकुटमण्डितम्॥
सासितूणधनुर्बाणपाणिं नक्तं चरान्तकम्।
स्वलीलया जगत्त्रातुमाविर्भूतमजं विभुम्॥
रामरक्षां पठेत्प्राज्ञः पापघ्नीं सर्वकामदाम्।
शिरो मे राघवः पातु भालं दशरथात्मजः॥
कौसल्येयो दृशौ पातु विश्वामित्रप्रियः श्रुती।
घ्राणं पातु मखत्राता मुखं सौमित्रिवत्सलः॥
जिव्हां विद्यानिधिः पातु कण्ठं भरतवन्दितः।
स्कन्धौ दिव्यायुधः पातु भुजौ भग्नेशकार्मुकः॥
करौ सीतापतिः पातु हृदयं जामदग्न्यजित्।
मध्यं पातु खरध्वंसी नाभिं जाम्बवदाश्रयः॥
सुग्रीवेशः कटी पातु सक्थिनी हनुमत्प्रभुः।
ऊरू रघूत्तमः पातु रक्षःकुलविनाशकृत्॥
जानुनी सेतुकृत्पातु जङ्घे दशमुखान्तकः।
पादौ बिभीषणश्रीदः पातु रामोऽखिलं वपुः॥
एतां रामबलोपेतां रक्षां यः सुकृती पठेत्।
स चिरायुः सुखी पुत्री विजयी विनयी भवेत्॥

पाताल-भूतल-व्योम-चारिणश्छद्मचारिणः।
न द्रष्टुमपि शक्तास्ते रक्षितं रामनामभिः॥
रामेति रामभद्रेति रामचन्द्रेति वा स्मरन्।
नरो न लिप्यते पापैः भुक्तिं मुक्तिं च विन्दति॥
जगज्जैत्रैकमन्त्रेण रामनाम्नाऽभिरक्षितम्।
यः कण्ठे धारयेत्तस्य करस्थाः सर्वसिद्धयः॥
वज्रपञ्जरनामेदं यो रामकवचं स्मरेत्।
अव्याहताज्ञः सर्वत्र लभते जयमङ्गलम्॥
आदिष्टवान् यथा स्वप्ने रामरक्षामिमां हरः।
तथा लिखितवान् प्रातः प्रबुद्धो बुधकौशिकः॥
आरामः कल्पवृक्षाणां विरामः सकलापदाम्।
अभिरामस्त्रिलोकानां रामः श्रीमान् स नः प्रभुः॥
तरुणौ रूपसम्पन्नौ सुकुमारौ महाबलौ।
पुण्डरीकविशालाक्षौ चीरकृष्णाजिनाम्बरौ॥
फलमूलशिनौ दान्तौ तापसौ ब्रह्मचारिणौ।
पुत्रौ दशरथस्यैतौ भ्रातरौ रामलक्ष्मणौ॥
शरण्यौ सर्वसत्वानां श्रेष्ठौ सर्वधनुष्मताम्।
रक्षःकुलनिहन्तारौ त्रायेतां नो रघूत्तमौ॥
आत्तसज्जधनुषा विषुस्पृशावक्षया शुगनिषङ्ग सङ्गिनौ।
रक्षणाय मम रामलक्ष्मणावग्रतःपथि सदैव गच्छताम्॥
संनद्धः कवचीखड्गी चापबाणधरो युवा।
गच्छन् मनोरथोऽस्माकंरामः पातु सलक्ष्मणः॥
रामो दाशरथिः शूरोलक्ष्मणानुचरो बली।
काकुत्स्थः पुरुषः पूर्णःकौसल्येयो रघूत्तमः॥
वेदान्तवेद्यो यज्ञेशः पुराणपुरुषोत्तमः।
जानकीवल्लभः श्रीमानप्रमेयपराक्रमः॥
इत्येतानि जपेन्नित्यंमद्भक्तः श्रद्धयान्वितः।
अश्वमेधाधिकं पुण्यंसम्प्राप्नोति न संशयः॥
रामं दूर्वादलश्यामं पद्माक्षं पीतवाससम्।
स्तुवन्ति नामभिर्दिव्यैर्न ते संसारिणो नरः॥
रामं लक्ष्मण-पूर्वजंरघुवरं सीतापतिं सुंदरं।
काकुत्स्थं करुणार्णवंगुणनिधिं विप्रप्रियं धार्मिकम्।
राजेन्द्रं सत्यसन्धं दशरथ-तनयंश्यामलं शान्तमूर्तिं।
वन्दे लोकाभिरामं रघुकुलतिलकंराघवं रावणारिम्॥
रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे।
रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमः॥
श्रीराम राम रघुनन्दन राम राम।
श्रीराम राम भरताग्रज राम राम।
श्रीराम राम रणकर्कश राम राम।
श्रीराम राम शरणं भव राम राम॥
श्रीरामचन्द्रचरणौ मनसा स्मरामि।
श्रीरामचन्द्रचरणौ वचसा गृणामि।
श्रीरामचन्द्रचरणौ शिरसा नमामि।
श्रीरामचन्द्रचरणौ शरणं प्रपद्ये॥
माता रामो मत्पिता रामचन्द्रः।
स्वामी रामो मत्सखा रामचन्द्रः।
सर्वस्वं मे रामचन्द्रो दयालुर्।
नान्यं जाने नैव जाने न जाने॥
दक्षिणे लक्ष्मणो यस्य वामे च जनकात्मजा।
पुरतो मारुतिर्यस्य तं वन्दे रघुनन्दनम्॥
लोकाभिरामं रणरङ्गधीरंराजीवनेत्रं रघुवंशनाथम्।
कारुण्यरूपं करुणाकरन्तंश्रीरामचन्द्रं शरणं प्रपद्ये॥
मनोजवं मारुततुल्यवेगंजितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्।
वातात्मजं वानरयूथमुख्यंश्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये॥
कूजन्तं राम-रामेतिमधुरं मधुराक्षरम्।
आरुह्य कविताशाखांवन्दे वाल्मीकिकोकिलम्॥
आपदामपहर्तारं दातारं सर्वसम्पदाम्।
लोकाभिरामं श्रीरामं भूयो भूयो नमाम्यहम्॥
भर्जनं भवबीजानामर्जनं सुखसम्पदाम्।
तर्जनं यमदूतानां रामरामेति गर्जनम्॥
रामो राजमणिः सदाविजयते रामं रमेशं भजे।
रामेणाभिहता निशाचरचमूरामाय तस्मै नमः।
रामान्नास्ति परायणं परतरंरामस्य दासोऽस्म्यहम्।
रामे चित्तलयः सदा भवतुमे भो राम मामुद्धर॥
राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस्रनाम तत्तुल्यं रामनाम वरानने॥

फरवरी में पांच बार बुध की चाल में होगा बदलाव

तीन राशियों पर रहेगी बुधदेव की विशेष कृपा

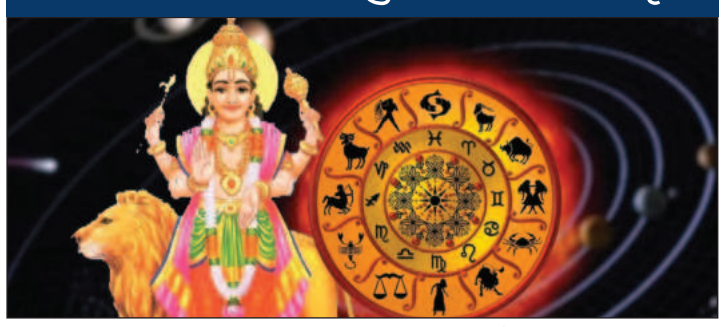

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रह समय-समय पर एक से दूसरी राशि में गोचर होते हैं। इसके अलावा ग्रहों की चाल में बदलाव देखने को मिलता है। ज्योतिष में शनि सबसे धीमी चाल जबकि चंद्रमा सबसे तेज चाल से चलने वाले ग्रह होते हैं। चंद्रमा के बाद बुध ऐसे दूसरे ग्रह हैं जो सबसे तेज गति से अपनी चाल में बदलाव करते हैं। बुध राजकुमार और सूर्य को राजा का दर्जा प्राप्त है। आपको बता दें कि फरवरी के महीने में बुध की चाल में 5 बार बदलाव देखने को मिलेगा। जिसमें सबसे पहले 07 फरवरी को बुध श्रवण नक्षत्र से निकलकर धनिष्ठा में प्रवेश किया है। इसके बाद 11 फरवरी को बुध शनि की राशि कुंभ में गोचर करेंगे। कुंभ में गोचर करने के बाद बुध 15 फरवरी को दूसरी बार नक्षत्र परिवर्तन करते हुए शतभिषा नक्षत्र में आ जाएंगे। इस नक्षत्र परिवर्तन के बाद बुध 22 फरवरी को फिर पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में गोचर करेंगे। फरवरी माह के सामाप्त होने के पहले 27 तारीख को बुध कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। इस तरह से बुध राशि परिवर्तन के साथ इस माह कई बार नक्षत्र भी बदलेंगे। ऐसे में कुछ राशि वालों के लिए बुध की चाल में बदलाव का सकारात्मक असर कुछ राशि वालों पर पड़ सकता है।

मेष राशि –फरवरी माह में बुद्धि और वाणी के कारक ग्रह बुध के पांच बार राशि बदलने पर मेष राशि वालों के लिए समय बहुत ही अनुकूल साबित हो सकता है। फरवरी माह में बुध एक बार आपकी राशि से एकादशा और एक बार द्वादश भाव में गोचर करेंगे। ऐसे में आपकी आय में जबरदस्त इजाफा देखने को मिल सकता है। आय के नए-नए मौके मिलेंगे और आपकी आय में जबरदस्त इजाफा देखने को मिले सकता है। अचानक धन लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा जातकों को नौकरी में अच्छे अवसर और विदेश की यात्रा का अवसर मिल सकता है। आपके करियर में नया मुकाम मिल सकता है। व्यापार से अच्छा खासा मुनाफा भी प्राप्त करने के योग हैं।

सिंह राशि–सिंह राशि के जातकों के लिए बुध का पांच बार चाल में बदलाव शुभ और लाभकारी साबित हो सकता है। इस माह बुध आपकी कुंडली के सप्तम और अष्टम भाव में गोचर करेंगे। ऐसे में व्यापार में साझेदारी करने वाले जातकों को अच्छा लाभ होने की संभावना है। वहीं जो लोग शादीशुदा हैं उनके वैवाहिक जीवन में मधुरता आ सकती है। प्रेम संबंधों में लिप्त जातकों को घर-परिवार के सदस्यों से सहयोग की प्राप्ति हो सकती है। योजनाएं कारगार साबित होंगी।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के लिए बुध ग्रह की चाल में पांच बार बदलाव बहुत ही लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इस माह बुध के दो बार गोचर करने और नक्षत्र में परिवर्तन से आपकी राशि से छठे और सप्तम भाव में संचरण करेंगे। ऐसे में आपको करियर में आगे बढ़ने के अवसरों में वृद्धि होगी। समाज में मान-सम्मान, धन-दौलत और अपार सफलता के अवसर मिलेंगे। वाहन और घर का सुख प्राप्त कर सकते हैं।

आज कुंभ राशि में जाएंगे बुध

शनि की राशि में बुध 11 फरवरी को प्रवेश कर जाएंगे। अभी भी बुध शनि मकर राशि में हैं। बुध के राशि परिवर्तन से कई राशियों के लिए अच्छा समय रहेगा। शनि की कुंभ राशि में बुध 11 फरवरी 2025 को आ जाएंगे। इसके बाद 12 फरवरी को सूर्य भी कुंभ राशि में आ जाएंगे। आपको बता दें कि बु 27 फरवरी तक इस राशि में रहेंगे। इसके बाद बुध गुरु की राशि मीन में गोचर करेंगे। इस राशि में पहले से ही शनि बैठे हैं। ऐसे में किस राशि के लिए कैसा समय रहेगा। किस राशि के लोगों को लाभ होगा। तीन ग्रह एक ही राशि में आ जाएंगे। फिलहाल यहां हम चर्च करेंगे कि बुध के शनि की कुंभ राशि में जाने से कुंभ समेत किन राशियों पर क्या असर होगा।

कुंभ राशि के लिए समय अच्छा रहेगा। बिजनेसमैन बढ़िया प्रॉफिट निकालने में सफल होगें। आर्थिक तौर पर आपको सतर्क रहना होगा। पैसों का घाटा भी हो सकता है। बच्चों की सेहत का ध्यान रखें।

धनु राशि वालों के लिए लाइफ में अच्छे दोस्तों का साथ मिलेगा, आप कहीं बाहर जाने का प्लान भी कर सकते हैं। अगर नौकरी बदलना चाहते हैं, तो बदल सकते हैं। आपके लिए कई मौके इंतजार कर रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए अच्छा होगा।

मेष राशि वालों के लिए बुध का शनि राशि में जाना बहुत अधिक लाभ देगा। इस राशि के लोगों को करियर से लेकर पर्सनल लाइफ में अच्छा समय मिलेगा। यह समय आपके लिए टर्निंग प्वाइंट होगा, कई बिजनेसमैन बढ़िया लाभ पाएंगे, तो कुछ नौकरी वाले विदेश में यात्रा के साथ करियर में बेहतर उछाल पाएंगे। रिश्तों में भी पार्टनर के साथ आपकी अच्छी जमेगी।

बुध गोचर कुंभ राशि के लिए कैसा रहेगा?

ग्रहों के राजकुमार बुध कुंडली में मजबूत होने से जातक को करियर और कारोबार में मन मुताबिक सफलता मिलती है। साथ ही शुभ कामों में सफलता मिलती है। माघ पूर्णिमा से ठीक एक दिन पहले बुध देव अपनी चाल बदलेंगे। 11 फरवरी को बुध शनि की राशि कुंभ में गोचर करेंगे और 27 फरवरी तक बुध इसी राशि में विराजमान रहेंगे।

ज्ञान, बुद्धि, वाणी और संचार के कारक बुध का गोचर मंगलवार 11 फरवरी को दोपहर 2 बजकर 41 मिनट पर होगा। बुध देव के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी तो वहीं कुछ को कठिनाईयों का भी सामना करना पड़ेगा। आइए जानते हैं कुंभ राशि वालों के जीवन में बुध गोचर का क्या प्रभाव पड़ेगा और गोचर काल में किन बातों का रखना होगा ध्यान।

मेष राशि वालों पर बुध गोचर का प्रभाव

बुध गोचर कर मेष राशि के तीसरे और छठे भाव के देव होकर ग्यारहवें भाव में रहेंगे। इससे आपका बौद्धिक-विकास होगा और ज्ञान का स्तर भी बढ़ेगा

बिजनस में विस्तार के लिए आप समाज के कुछ प्रभावशाली लोगों से मिलेंगे जो आगे आपके लिए शुभ रहेगा।आप सिंगल हैं तो शादी के लिए बात आगे बढ़ते-बढ़ते कुछ समस्या आ जाएगी।परिवार में बच्चों को विशेष लाभ प्राप्त हो जिससे उन्हें स्कूल में अच्छे अंक मिलेंगे।कार्यक्षेत्र में मन में अनेक प्रकार के ख्याल आएंगे, जिससे काम में रुकावट आएगी। स्टूडेंट्स को पढ़ाई में समस्या आ सकती है आप अपने गुरु से मदद ले सकते हैं।

मकर राशि वालों पर बुध गोचर का प्रभाव

मकर राशि में बुध गोचर कर छठे और नौवें भाव के देव होकर दूसरे भाव में रहेंगे। इससे आपको जीवन में विशेष चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पिता की सेहत बिगड़ने की वजह से आप मानसिक तनाव से ग्रस्त रह सकते हैं।बिजनेस में आपको आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। हालांकि कार्यक्षेत्र में आपके अधिकारी काम की तारीफ करेंगे। यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं, लेकिन सावधानी बहुत आवश्यक है। क्योंकि शारीरिक परेशानियां हो सकती हैं। स्टूडेंट्स का आत्मविश्वास उच्च बना रहेगा।

धनु राशि वालों पर बुध गोचर का प्रभाव

धनु राशि में बुध गोचर कर सातवें और दसवें भाव से देव होकर तीसरे भाव में रहेंगे। बुध गोचर के प्रभाव से आप व्यापार में विस्तार के लिए छोटी या बड़ी यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा के दौरान आपकी मुलाकात समाज के गणमान्य लोगों से होगी जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होगा।लेखन कार्य, मीडिया वर्ग और उच्च शिक्षा प्राप्ति में अधिक रुचि हो सकती है। बेरोजगार लोगो को नई नौकरी मिल सकती है, जिससे आय में वृद्धि होगी।

कार्यक्षेत्र में काम को लेकर आप मानसिक रूप से तनाव ग्रस्त रहेंगे। स्टूडेंट्स को पढ़ाई में दोस्तों से मदद मिल सकती है।

तुला राशि वालों पर बुध गोचर का प्रभाव

तुला राशि में बुध गोचर कर नौंवे और बारहवें भाव के देव होकर पांचवे भाव में रहेंगे। इससे आपको किसी गुप्त स्रोत से धन की प्राप्ति हो सकती है। आपको कार्यस्थल पर कुछ चुनौतियों का भी सामना करना पड़ेगा। इसलिए सावधानी से अपने काम को पूरा करें।आप ऑटोमोबाइल या कपड़े के व्यापार से जुड़े हैं तो आपके लिए समय अच्छा नहीं रहेगा। आपके करीबी आपकी बातों से खासतौर से प्रभावित होंगें। आप मीडिया चैनल या संचार क्षेत्र से जुड़े हैं तो आपके लिए शुभ रहेगा। स्टूडेंट्स के पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं में कमी आएगी और संबंधित नए कार्य में सफलता मिलेगी।

सिंह राशि वालों पर बुध गोचर का प्रभाव

सिंह राशि में बुध गोचर कर दूसरे और ग्यारहवें भाव के देव होकर सातवें भाव में रहेंगे। गोचर के प्रभाव से समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और व्यक्तित्व में निखार आएगा।

कार्यस्थल पर आपकी भाषा-शैली में रचनात्मकता आएगी जिससे आप लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनेंगे। आप अपने जीवनसाथी के साथ किसी पसंदीदा जगह पर छुट्टियां मनाने जा सकते हैं।

माता पिता से अपने पार्टनर को मिलवाने के लिए इससे अच्छा समय और कोई नहीं हो सकता। कपड़े के व्यापारियों के लिए इसमें लाभ मिलने की सम्भावना। स्टूडेंट्स का अपने दोस्त से मन-मुटाव हो सकता है।

अगले 70 दिन चार राशियों को मिलेगा देवगुरु का आशीर्वाद, देंगे नौकरी, पैसा

ज्योतिष शास्त्र की मानें गुरु ग्रह 12 साल में 12 राशियों में प्रवेश करते हैं। यानि कि वह एक साल में राशि परिवर्तन करते हैं। उनका राशि परिवर्तन करना जातकों के जीवन में बड़े बदलाव लेकर आता है। वह अभी वृषभ राशि में मौजूद हैं, लेकिन मई 2025 में उनका प्रवेश मिथुन राशि में होगा।

गुरु ग्रह 4 फरवरी 2025 को मार्गी हो गए हैं, जो कि नवंबर 2024 में वक्री थे। वह वृषभ राशि में मार्गी हुए, जिससे उनके जीवन में बड़ा बदलाव हुआ। इस आर्टिकल में आपको बताएंगे कि अगले 70 किन चार राशियों को गुरु लाभ देंगे।

चार राशियों को मिलेगा लाभ

वृषभ राशि :गुरु के मार्गी होने से वृषभ राशि को बहुत लाभ होने वाला है। उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, जिससे जीवन स्तर में सुधार होगा। नौकरीपेशा वाले जातकों की सैली बढ़ जाएगी। आपके रुके हुए सारे काम पूरे होंगे। इस दौरान रुका हुआ धन मिल सकता है। आप निवेश करना चाहते हैं, तो यह एक सही समय है। व्यापारी लोगों की किस्मत चमक जाएगी।

कन्या राशि :गुरु की सीधी चाल कन्या राशि वालों के लिए सकारात्मक होने वाली है। उनकी जीवन में शानदार बदलाव आने वाला है। नौकरी-पेशा वाले जातकों की सैलरी में बढ़ोतरी की संभावना है। घर में शुभ कार्य शुरू होंगे। छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर सकते हैं। व्यापार में पार्टनरशिफ सफल होगी।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जीवन में गुरु का मार्गी होने शुभ रहेगा। आपके जीवन में अच्छे बदलाव होंगे। इस दौरान शुभ समाचार मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस दौरान खर्चे कम करें, जिससे कर्ज कम हो सके।

मीन राशि : मीन राशि के स्वामी गुरु हैं। ऐसे में इनके जीवन में खास बदलाव देखने को मिलेगी। आपके रुके हुए सारे काम पूरे होंगे।आपकी मेहनत अब जाकर सफल होगी। शेयर बाजार में निवेश का शानदार मौका है। जीवन में अब खुशियां आने वाली हैं।

यज्ञ-शुद्धि की प्रक्रिया

योग सृष्टि का सार है। हमारे पूर्वजों ने योग की शक्ति के माध्यम से सृष्टि के गूढ़तम रहस्यों का अनावरण किया था। हम उन्हीं ऋषियों के वंशज हैं और उनसे हमें वैदिक ज्ञान का सागर विरासत में मिला है। ऐसी ही एक विरासत यज्ञों का वैदिक विज्ञान है।

यज्ञ केवल अनुष्ठान नहीं हैं, यह अग्नि की शक्ति द्वारा सृष्टि को चलाने वाली ऊर्जाओं के साथ वार्तालाप और वातावरण को शुद्ध करने का एक माध्यम हैं। ऋषियों द्वारा दिया गया यज्ञों का अद्भुत विज्ञान शरीर के साथ-साथ वातावरण में भी सकारात्मकता लाता है। इस अभ्यास में विशिष्ट मंत्रों के साथ अग्नि में आहुति दी जाती है। अग्नि, एक अद्वितीय तत्व, प्रदूषित नहीं किया जा सकता। यह अन्य सभी तत्वों के शुद्धिकरण और परिवर्तन का एक शक्तिशाली माध्यम है।

यज्ञ के प्रभावशाली होने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक है। इसमें प्रयोग की जाने वाली सामग्री, समिधा व घृत शुद्ध होने चाहिए। हवन में भाग लेने वालों का भाव और मंत्रों का उच्चारण पूर्णतया शुद्ध होना चाहिए। विचारों, सामग्री और सही मंत्रों की शुद्धता के साथ गुरु के सानिध्य में किया गया यज्ञ पर्यावरण को पूरी तरह से बदलने में सक्षम है - हवा सुगंधित हो जाती है, शांति की गहरी अनुभूति होती है, तत्त्वों का शुद्धिकरण होता है और बीमारियाँ दूर हो जाती हैं। साथ ही विधिवत यज्ञ में धुंआ नहीं होता। यज्ञ की सफलता प्रायः दृश्य रूप से ज्ञात की जा सकती है। पूर्णाहुति के समय, यदि यज्ञ अग्नि आह्वान किए गए देव या देवी के रूप को प्रकट करती है, तो यह सफल सहभागिता का संकेत है।

एक अन्य विशेष यज्ञ, अग्निहोत्र हवन है, जो सूर्योदय और सूर्यास्त के समय किया जाता है, जिसमें मुख्य मंत्र इदं न मम (यह सब मेरा नहीं है, वैराग्य का संकेत) होता है। यह यज्ञ एक-दो मिनट में पूरा हो जाता है। यह निर्भयता, दीर्घायु और तत्वों को नियंत्रित करने की क्षमता प्रदान करता है।

ध्यान आश्रम के साधक नियमित रूप से घर, पर्यावरण और शरीर की शुद्धता के लिए यज्ञ आयोजित करते हैं, जिनकी अभिव्यक्तियाँ देखी और दर्ज की जाती हैं और उनके प्रभावों को सभी अनुभव करते हैं। पितृ पक्ष और नवरात्रि के दिनों में यज्ञ लगातार किए जाते हैं। हमारी यज्ञशाला पाँच अलग-अलग कुंडों से सुसज्जित है: गोलाकार, चौकोर, अर्धवृत्ताकार, सितारा और त्रिकोणीय। प्रत्येक कुंड को यज्ञ के उद्देश्य के आधार पर विशेष रूप से चुना जाता है।

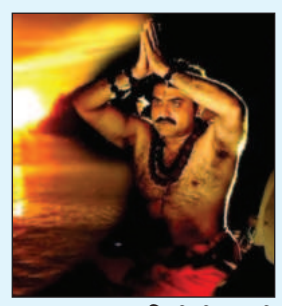

– अश्विनीजी गुरुजी
ध्यान आश्रम

फराह नाज़ का बॉलीवुड में उतार-चढ़ाव से भरा रहा संघर्ष

फराह नाज बॉलीवुड की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। वह 9 दिसंबर 1968 में हैदराबाद में एक मुस्लिम परिवार में पैदा हुईं। फराह नाज मशहूर एक्ट्रेस तब्बू की बहन हैं और शबाना आजमी की भतीजी हैं। फराह नाज ने 17 साल की उम्र में यश चोपड़ा की फिल्म 'फासले' से बॉलीवुड में कदम रखा। फराह नाज की पहली फिल्म कुछ खास नहीं कर सकी, लेकिन खूबसूरती की वजह से उन्हें ऑफर मिले। फराह नाज ने राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, ऋषि कपूर, विनोद खन्ना, मिथुन चक्रबर्ती और संजय दत्त के साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने बॉलीवुड

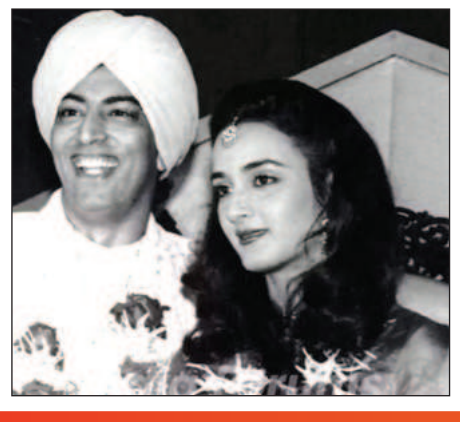

को ईमानदार, मरते दम तक, यतीम, बेगुनाह, सौतेला भाई, खुदा गवाह और अमर प्रेम जैसी फिल्में दीं। साल 1996 में फराह ने पंजाब जाट सिख परिवार में विंदू दारा सिंह से शादी की। विंदू दारा सिंह मशहूर एक्टर दारा सिंह के बेटे हैं।

साल 2002 में दोनों एक दूसरे से अलग हो गए। इसके बाद विंदू ने 2006 में रशिया के मॉजल डीना उमारोवा से शादी की। फराह ने साल 2003 में दूसरी शादी हिंदू एक्टर सुमीत सैगल से की। सुमीत ने की भी ये दूसरी शादी थी, उन्हों पहली शादी शाहीन बानो से की थी।

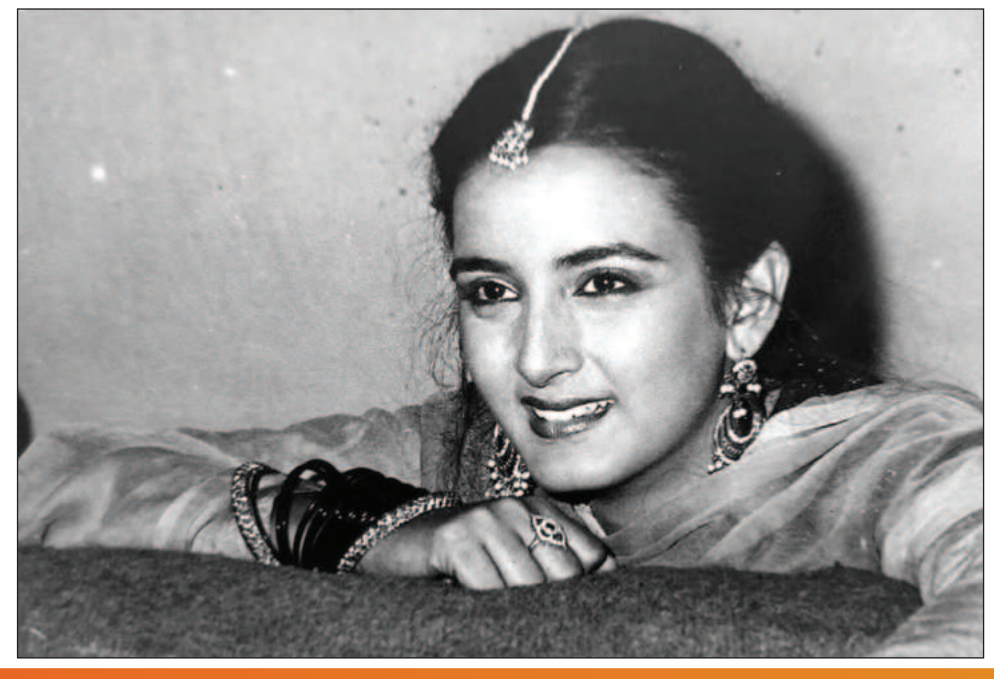

खूबसूरती और बोल्डनेस का कॉकटेल है दिव्या खोसला

अपनी खूबसूरती से हमेशा फैंस का दिल जीतने वाली दिव्या खोसला कुमार आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं।एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर दिव्या खोसला ने अपने ग्लैमरस अवतार से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। हाल ही में दिव्या ने अपनी नई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, जिसमें वह सिल्वर कलर की बॉडी-हगिंग ड्रेस में बेहद खूबसूरत और नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में दिव्या का ग्लैमरस अंदाज उनके फैंस को दीवाना बना रहा है। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा, शिम्मर एंड शाइन फॉर आयकॉनिक गोल्ड अवार्ड्स। बेस्ट एक्ट्रेस क्रिटिक्स अवार्ड के लिए धन्यवाद।दिव्या ने अपनी ड्रेस को काइकोडएचसी से स्टाइल किया है और उनके को सुकृतिग्रोवर ने तैयार किया है। उनका मेकअप और हेयरस्टाइल भी पूरी तरह से उनके लुक को कॉम्प्लिमेंट कर रहा है।ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दिव्या खोसला कुमार खूबसूरती और बोल्डनेस का कॉकटेल हैं।बता दें कि फिल्मों की तरह असल जिंदगी में दिव्या खोसला कुमार काफी दिखती हैं।इसके साथ ही एक्ट्रेस दिव्या खोसला कुमार इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें भी पोस्ट करती हैं।फैंस ने कमेंट सेक्शन में जमकर तारीफ की है। कोई उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहा है तो कोई उन्हें स्टनिंग कह रहा है। दिव्या की यह पोस्ट कुछ ही घंटों में लाखों लाइक्स हजारों कमेंट्स बटोर चुकी है।

जावेद जाफरी की ऊप्स! अब क्या? का ट्रेलर जारी तीन पीढ़ियों की महिलाओं के प्यार की दिखाई गई झलक

डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आने वाले आगामी शो ऊप्स! अब क्या? के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें तीन पीढ़ियों की महिलाओं के जीवन की झलक दिखाई गई जिसमें वे प्यार की जटिलताओं से जूझती हैं।

आने वाली सीरीज प्यार के अपने-अपने सफर में हर पीढ़ी के सामने आने वाली चुनौतियों, भावनाओं और अनुभवों को दिखाने का प्रयास किया गया है। शो में श्वेता बसु प्रसाद, आशिम गुलाटी, जावेद जाफरी, सोनाली कुलकर्णी, अभय महाजन, अपरा मेहता और एमी हैं।ट्रेलर में तीन पीढ़ियों की महिलाओं के बीच होने वाले मजेदार और दिल को छू लेने वाले ड्रामा की झलक दिखाई गई है। इन महिलाओं को प्यार, परंपरा और आधुनिक जीवन के बीच संतुलन बनाने की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।शो के बारे में बात करते हुए श्वेता ने कहा, जिस क्षण मैंने ऊप्स! अब क्या? की स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे पता था कि यह एक पागलपन भरा सफर होने वाला है।

मेरे किरदार की जिंदगी कुछ ही सेकंड में पूरी तरह से व्यवस्थित से पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो जाती है, और इसे बहुत ही हास्य और से दिखाया गया है।

यह प्यार, हंसी और पागलपन के बीच खुद को खोजने की कहानी है। मुझे पता है कि दर्शकों को इसे देखने में और भी मजा आएगा।

तो अपने कैलेंडर पर रिलीज की तारीख को चिन्हित कर लें।जावेद जाफरी ने कहा, मुझे ऊप्स! अब क्या? में बात पसंद आई, वह यह है कि यह जीवन की बेतुकी बातों से दूर नहीं भागती।

हास्य तीखा है, भावनाएं वास्तविक हैं, और किरदार भरोसेमंद हैं। ट्रेलर दिखाता है कि जीवन कितना अप्रत्याशित और मजेदार हो सकता है। यह एक ऐसी कहानी है जो परिवार, प्यार और रिश्तों के हंसी के बारे में भी है। यह काफी धमाकेदार होने वाली है!सोनाली कुलकर्णी ने कहा, जब जीवन में उतार-चढ़ाव आते हैं, तो कभी-कभी केवल हंसना ही एकमात्र काम होता है- और यही बात ऊप्स! अब क्या? के बारे में है। अपनी बेटी की पागलपन भरी यात्रा का समर्थन करते खुद की चुनौतियों का सामना करने वाली आधुनिक मां की भूमिका निभाना वाकई एक अविश्वसनीय अनुभव था।ऊप्स! अब क्या? का निर्देशन प्रेम मिस्त्री और देबात्मा मंडल ने किया है और डाइस मीडिया ने इस शो का निर्माण किया है।

विजय देवरकोंडा के फैंस को मिला तोहफा

फिल्म वीडी12 की टीजर डेट रिलीज

सा उथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा इन दिनों काफी चर्चा में हैं। फैंस उनकी आने वाली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में उनकी फिल्म वीडी12 से एक बड़ी सामने आई है। इस अपडेट को सुनने के बाद फैंस के बीच खुशी का माहौल है। विजय देवरकोंडा की फिल्म वीडी12 की टीजर रिलीज डेट सामने आ गई है। आइए जानते हैं इसका टीजर कब रिलीज होने वाला है।विजय देवरकोंडा की फिल्म वीडी12 का टीजर 12 फरवरी को रिलीज वाला है। अर्जुन रेड्डी के बाद विजय देवरकोंडा इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन जॉनर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। फैंस विजय देवरकोंडा की फिल्म पर कड़ी नजर रख रहे हैं। आपको बता दें कि गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म दो साल से ज्यादा समय से बन है, जिसका एक बड़ा हिस्सा अभी शूट होना बाकी है। अब फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।इस फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर अनिरुद्ध ने तैयार किया है। विजय देवरकोंडा ने हाल ही में एक छोटा सा ब्रेक लिया था, वह अगले हफ्ते से फिल्म की शूटिंग से शुरू करने जा रहे हैं। विजय देवरकोंडा हाल ही में अपनी मां के साथ महाकुंभ के त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करने प्रयागराज पहुंचे हैं। विजय देवरकोंडा का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैन्स भी इस वीडियो को काफी पसंद कर हैं।

शिवांगी वर्मा ने बताया, बैडएस रवि कुमार में कैमियो के लिए क्यों हुईं तैयार

हिमेश रेशमिया स्टारर हालिया रिलीज फिल्म रवि कुमार में अभिनेत्री शिवांगी वर्मा ने कैमियो भूमिका निभाई है। फिल्म में वर्मा, प्रभु देवा की प्रेमिका की भूमिका में नजर आई हैं। उन्होंने बताया कि इस रोल के लिए उन्होंने हामी क्यों भरी।अभिनेत्री ने उन कारणों का खुलासा किया, जिनकी वजह से उन्हें यह भूमिका निभाने का मिला। फिल्म में प्रभु देवा के साथ कैमियो रोल में नजर आईं शिवांगी ने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। हालांकि, उनकी भूमिका छोटी है, लेकिन वह प्रभु के साथ काम करने के अवसर और अनुभव को महत्वपूर्ण मानती हैं।वर्मा ने बताया, मैंने फिल्म प्रभु देवा के साथ उनकी प्रेमिका की भूमिका निभाई है। यह एक छोटी सी भूमिका है, लेकिन मैंने इसके लिए हां कहा, क्योंकि यह हिमेश रेशमिया का प्रोजेक्ट था। मैं उनके साथ दूसरी बार काम कर रही हूं। फिल्म रिलीज हो चुकी है और दर्शकों की ओर से शानदार सामने आई। मैं हिमेश रेशमिया की हमेशा से फैन रही हूं और उनके साथ यह मेरा दूसरा प्रोजेक्ट है, जो इसे और भी खास बनाता है। हर प्रोजेक्ट में वह जिस एनर्जी, विजन और जुनून के साथ काम करते हैं, वह बेमिसाल है।अभिनेत्री ने आगे कहा, यह फिल्म मेरे के करीब है क्योंकि मैंने हिमेश के साथ साल 2007 में आई फिल्म आपका सुरूर में तेरे प्यार मेंढ़ गाना गाया था। यह गाना बैडएस रवि कुमार में भी है! बस अंतर इतना है कि इस बार वह इसमें किसी दूसरी हीरोइन के साथ हैं लेकिन गाने का जादू है।अभिनेत्री ने आगे कहा कि बैडएस रवि कुमार फिल्म में वह सब कुछ है, जो आप हिमेश रेशमिया की फिल्म से उम्मीद करते हैं। फिल्म में हाई-एनर्जी, सुपर एंटरटेनिंग, ज्ञान से भरपूर उनका विजन है। फिल्म के माध्यम से उन्होंने दर्शकों को एक ऐसी कहानी दी है, जिसे दर्शक नहीं भूल सकते।शिवांगी ने आगे बताया, शूट के लिए मुंबई से मस्कट तक का मेरा सफर बेहद सहज और आसान रहा। पहले दिन से ही सब कुछ जाना-पहचाना और सहज लगा। मेरा पहला दिन कॉस्ट्यूम ट्रायल था।

टीम में पुराने लोगों को देखकर मुझे खुशी हुई। टीम के सदस्य रेशमिया मेरे पहले एल्बम में भी थे। जाने-पहचाने चेहरों को देखकर मुझे घर जैसा महसूस हुआ और मैं उसी समय समझ गई थी कि इस प्रोजेक्ट के साथ मुझे खास अनुभव होने वाला है।अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में वर्मा ने बताया, मैं एक फिल्म की शूटिंग कर रही मेरे साथ फिल्म में अभिनेता गोविंद नामदेव सर हैं और मैं अपना तीसरा शेड्यूल पूरा करने वाली हूं। उम्मीद है कि सब कुछ अच्छा होगा।

राजस्थान सरकार सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए कर रही निरंतर कार्य : भजनलाल शर्मा

चित्तौड़गढ़,10 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मंदिरों ने भारतीय परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों को संरक्षित करने का काम किया है। मंदिर आस्था के प्रतीक होने के साथ ही हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना के भी प्रमुख केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर भारतीय सनातन संस्कृति की आत्मा है जिनसे हमारी विरासत मजबूत होती है। हमारी सरकार प्रदेश में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर काम कर रही है।

शर्मा सोमवार को चित्तौड़गढ़ के मातृकुंडिया के श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चित्तौड़ की धरती शूरवीरों की धरा है। इस धरती पर वीर महाराणा प्रताप, भक्त शिरोमणि मीराबाई जैसी महान विभूतियां हुई हैं। साथ ही, यह भक्ति और अध्यात्म के एक प्रमुख केंद्र के रूप में भी प्रसिद्ध है। उन्होंने मातृकुंडिया के श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि 'मेवाड़ का हरिद्वार' के नाम से प्रसिद्ध मातृकुंडिया में स्थापित यह मंदिर एक महत्वपूर्ण आस्था केन्द्र के रूप में उभरेगा और इस क्षेत्र को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'विकास भी और विरासत भी' की अवधारणा को मानते हुए देश में विकास के साथ विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके नेतृत्व में 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव आया है। उन्होंने गरीब कल्याण, आतंकवाद-नक्सलवाद का खात्मा, देश की आर्थिक वृद्धि तथा दुनिया में देश का मान-सम्मान बढ़ाया है जिससे देश के विकास को एक नई दिशा मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने प्रदेश की आवश्यकताओं को समझते हुए पहले बिजली-पानी की आवश्यकताओं पर काम किया है। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसे निर्णयों से जहां पानी की आवश्यकता को पूरा किया जा रहा है। वहीं, प्रदेश में किसानों को दिन में बिजली देने के उद्देश्य से राज्य सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वे किसानों के दर्द को भली-भांति समझते हैं। हमारे अन्नदाता किसानों को अगर खेती के लिए पर्याप्त पानी तथा बिजली मिलेगी तो वे सशक्त होंगे। राज्य सरकार ने किसानों की सम्मान निधि और गेंहू की एमएसपी में वृद्धि जैसे अनेक निर्णय लिए, जिससे किसानों को आर्थिक संबल मिला है। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी देकर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। हमने संकल्प पत्र में किए गए 50 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे कर लिए हैं तथा प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए हम कृतसंकल्पित हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने तेजाजी मंदिर, मंगलेश्वर मंदिर और पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर जन-स्वास्थ्य आभियांत्रिकी कन्हैयालाल, सहकारिता राज्यमंत्री गौतम दक, सांसद सीपी जोशी, विधायक श्रीचंद कृपलानी, अर्जुनलाल जीनगर, सुरेश धाकड़, चंद्रभान सिंह आक्या, जिला कलेक्टर आलोक रंजन, एसपी सुधीर जोशी सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री की अभिनव पहल से बच्चों के सुखद भविष्य की नींव होगी सुदृढ़

नई दिल्ली/जयपुर,10 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के 8वें संस्करण में विद्यार्थियों के साथ तनाव मुक्त परीक्षा के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने भी जयपुर के मानसरोवर स्थित महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम सुना।

देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों से चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री ने उनको परीक्षा के तनाव से मुक्त रहने और टाइम मैनेजमेंट के उपयोगी सुझाव दिए। प्रधानमंत्री ने बच्चों से कहा कि वे परीक्षा का तनाव महसूस न करें तथा अपने लक्ष्य निर्धारित करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी दूसरों से प्रतिस्पर्धा करने की बजाय खुद को प्रेरित करते हुए बेहतर बनाने का प्रयास करें, क्योंकि जो खुद से स्पर्धा करता है, वह जीवन में कभी भी पीछे नहीं रहता। हमें हमारी विफलताओं से सीख लेते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला 2025 के दौरान स्वामी गोविंद देव गिरि से मुलाकात की।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने ली विभाग की जिलावार समीक्षा बैठक

जयपुर,10 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि सामाजिक उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित ना रहे और अपात्र का चयन ना हो। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को तय समय सीमा में योजनाओं का लाभ मिले और संबंधित प्रकरणों से जुड़ी समस्याओं का तुरंत निस्तारण हो यही अधिकारियों का लक्ष्य होना चाहिए। गहलोत ने सोमवार को प्रदेश के सभी प्रशाखा प्रभारी अधिकारी एवं जिलाधिकारियों के साथ राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि अधिकारी पेंशन और छात्रवृति से जुड़े सभी प्रकरणों को प्राथमिकता से लें। उन्होंने अधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर में कैंप लगाकर पेंशन का वार्षिक भौतिक सत्यापन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक 95 फीसद से अधिक वार्षिक सत्यापन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित और पुरस्कृत भी किया जाएगा। गहलोत ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में विभाग को जितना बजट आवंटित हुआ था, इसमें से 85 प्रतिशत की राशि विभिन्न योजनाओं पर खर्च की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि शेष बची राशि को भी आगामी 2 महीनों में खर्च कर ली जाएगी। सामाजिक न्याय मंत्री ने कहा कि 'नशा मुक्त' समाज का निर्माण ही केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारी इस अभियान को 'जन जागरण अभियान' के रूप में चलाकर पुनीत काम कर सकते हैं। उन्होंने 'मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग' योजना का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार, छात्रावासों का नियमित निरीक्षण, लंबित भुगतान में गति लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को 15 दिन में एक बार वृद्धाश्रम और डे केयर सेंटर का निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए।

उदयपुर में सड़क पार कर रहे लेपर्ड से टकराई बाइक

उदयपुर,10 फरवरी (एजेंसियां)। शिल्पग्राम के पास रविवार रात एक दुर्लभ हादसा हुआ जब एक तेंदुआ (लेपर्ड) सड़क पार कर रहा था और उसी दौरान एक बाइक सवार दूधवाले से टकरा गया। टक्कर से दूधवाला सड़क पर गिरकर घायल हो गया, जबकि लेपर्ड भी कुछ दूरी तक रुका और फिर जंगल की ओर भाग गया।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें यह पूरी घटना कैद हुई। हादसा करीब रात 7:50 बजे हुआ, जब दूधवाला शिल्पग्राम से टाइगर हिल की ओर जा रहा था। इसी दौरान अचानक तेंदुआ दीवार पार कर सड़क पर आया और दोनों की टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद दूधवाले का सारा दूध सड़क पर बह गया और स्थानीय लोगों ने उसे संभाला। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जंगल में लेपर्ड को खोजने का प्रयास किया, लेकिन वह नजर नहीं आया। गौरतलब है कि यह इलाका सज्जनगढ़ अभयारण्य और थूर मगरा के जंगल से सटा हुआ है, जहां पहले भी कई बार तेंदुए देखे गए हैं। वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और रात में इस रास्ते पर सावधानी बरतने की अपील की है।

काली थार वालों की ब्लैक एंड व्हाइट स्पीड पर पुलिस का ब्रेक

11 थार और 3 स्कार्पियो जब्त, 7 गिरफ्तार

जयपुर,10 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर की सड़कों पर रफ्तार की मस्ती में झूमने वाले 'थार गैंग' के लिए बुरी खबर है! सोशल मीडिया पर काली थार और स्कॉर्पियो के स्टंटबाज़ी वीडियो अपलोड करने वालों के खिलाफ करधनी पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए 11 थार और 3 स्कॉर्पियो ज़ब्त कर ली हैं। साथ ही, 07 'स्पीड प्रेमी' चालकों को शांति भंग के आरोप में हिरासत में भेज दिया गया है।

डीसीपी जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि युवाओं में 'काली थार' का ऐसा भूत सवार है कि वे इसे सिर्फ सड़क पर नहीं दौड़ाते, बल्कि सोशल मीडिया पर भी इसकी धाक जमाने में लगे रहते हैं। तेज रफ्तार, ज़िग-ज़ैग स्टंट और काले शीशों के पीछे छिपी यह 'रोड रोमियो' गैंग आम जनता के लिए खतरा बन गई थी। इसी को देखते हुए पुलिस ने इनके 'फिल्मी स्टंट' पर असली कार्रवाई करने की ठानी और ऑपरेशन 'थार-स्टंट' चलाया। सड़कों को अपने निजी रेस ट्रैक में बदलने वाले इन युवाओं को शायद यह अंदाज़ा नहीं था कि उनकी यह 'स्पीड थ्रिल' सीधा थाने की 'हाई स्पीड' कार्रवाई से टकरा जाएगी। एसीपी झोटवाड़ा सुरेंद्र सिंह राणावत और करधनी थाना प्रभारी सवाई सिंह की टीम ने दो दिनों के भीतर इन 'स्टंटबाजों' को धर दबोचा और उनकी रफ़्तार को पुलिस लॉकअप के ठहराव से मिला दिया।

अब सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ शुरुआत है या जयपुर पुलिस अब हर गली-चौराहे पर 'थार वॉच' लगाएगी? क्योंकि ज़ब्त की गई गाड़ियों और गिरफ्तार चालकों की संख्या देखकर लग रहा है कि शहर में 'स्टंट-क्रांति' बड़े स्तर पर चल रही थी। पुलिस का यह एक्शन उन लोगों के लिए भी चेतावनी है जो अपनी गाड़ियों को 'स्टंट मशीन' और शहर की सड़कों को 'फिल्म स्टूडियो' समझने की भूल कर रहे हैं। अब देखना यह होगा कि इन 'थार वीरों' को पुलिस की यह कार्रवाई कितना सबक सिखाती है या फिर ये जल्द ही नए नंबर प्लेट और नई रील्स के साथ फिर से 'रोड शो' करने लौट आएंगे।

हरियाणा में नगर निगम और नगर परिषद भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है : बजरंग गर्ग

हिसार,10 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस भवन में अनेकों प्रमुख लोगों ने मेयर व पार्षद का चुनाव लड़ने के लिए अपने आवेदन हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता व जिला कन्वीनर बजरंग गर्ग को दिए। जिस मुख्य रूप से नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन कृष्ण सिंगला टीटू, हनुमान ऐरन, पूर्व चेयरमैन बीर सिंह खालिया, वरिष्ठ नेता छत्रपाल सोनी, अश्वनी शर्मा, रवि भूटानी, अशोक गोयल मंगालीवाला, बलजीत पंघाल, पूर्व पार्षद अमित ग्रोवर, अरविंद शर्मा, सतीश भाटिया, गुरप्रीत सिंह, मदन लाहोरिया, मीरा लोट, सुरेश गोयल आदि नेताओं ने अब तक मेयर की टिकट के लिए आवेदन दिए। बजरंग गर्ग ने उपस्थित कांग्रेस नेताओं को सम्बोधित करते हुए कहाकि शहर के काफी लोगों ने कांग्रेस सिम्बल पर मेयर व पार्षद का चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर कि है। कांग्रेस पार्टी द्वारा मेयर व पार्षद का चुनाव लड़ने वाले व्यक्तियों के आवेदन ले रही है। आवेदन में से ही मेयर व पार्षद के उम्मीदवार उतारे जाए। जनता में कांग्रेस पार्टी सिम्बल में चुनाव लड़ने के लिए काफी उत्साहित है।

बजरंग गर्ग ने जनता से अपील कि है कि आप शहर के लिए मजबूत मेयर व पार्षद चुने जो सरकारी अधिकारियों का हाथ पकड़ कर काम करवा सके जबकि आज हरियाणा में किसी भी सरकारी विभाग में बिना रिश्वत दिए काम नहीं होते है। जनता छोटे-मोटे काम करवाने के लिए सरकारी दफ्तर व नगर निगम में धक्के खाते रहते है।

बजरंग गर्ग ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मजबूती से मेयर व पार्षद का चुनाव लड़ेगी। हरियाणा में नगर निगम व नगर परिषद भ्रष्टाचार का अड्डा बनाया हुआ है। आज खुलेआम नगर निगम में प्रोपर्टी आईडी ठीक करवाने के नाम पर पैसे लिए जा रहे है। शहरों में सड़के टूटी पड़ी है। सिवरेज व बरसाती नाले बंद पड़े है और सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है।बजरंग गर्ग ने कहा कि कांग्रेस का मेयर बनने पर सिवरेज व्यवस्था ठीक करवाई जाएगी।

हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदय भान ईवीएम की पारदर्शिता पर उठाए सवाल

चंडीगढ़,10 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदय भान ने हाल ही में कई अहम मुद्दों पर अपनी राय रखी। उन्होंने ईव्हीएम की विश्वसनीयता, आम आदमी पार्टी से गठबंधन, पंजाब की राजनीति और नगर निगम चुनावों पर बयान दिया। उनके इन बयानों ने सियासी हलचल तेज कर दी है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदय भान ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हाल ही में हुए चुनाव बैलेट पेपर से कराए गए, जिससे जनता का विश्वास बढ़ा। उन्होंने मांग की कि हरियाणा राज्य चुनाव आयोग और सरकार भी अपनी विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर विचार करें। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदय भान ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका अहंकार बहुत बड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने मीडिया में आकर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी, जिससे कांग्रेस के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा।

गुरुग्राम वासियों को ड्रोन से होगी डिलीवरी

गुरुग्राम,10 फरवरी (एजेंसियां)। गुरुग्राम आईटी और इंडस्ट्रियल हब बन चुका है, जहां रोजाना लाखों वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं। बढ़ते ट्रैफिक के कारण शहर में जाम एक आम समस्या बन गई है। खासकर ऑफिस टाइम में लोगों का बाहर निकलकर सामान खरीदना मुश्किल हो जाता है। इसे देखते हुए स्काई एयर ने ड्रोन डिलीवरी का ऐसा उपाय निकाला है जिससे लोगों को न तो जाम का सामना करना पड़ेगा और न ही समय बर्बाद होगा। ड्रोन डिलीवरी सेवा शुरू होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।सबसे पहले यह सेवा गुरुग्राम में चुनिंदा सोसायटियों में शुरू की गई है, जहां इसका ट्रायल के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है।

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए पीएम मोदी परीक्षा पर चर्चा के माध्यम से हर साल छात्रों से करते हैं बात: सैनी

चंडीगढ़,10 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को पंचकूला में संस्कृति मॉडल स्कूल में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद सीएम ने पत्रकारों से बातचीत की। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर साल छात्रों से 'परीक्षा पर चर्चा' को लेकर सीधे बातचीत करते हैं, ताकि बच्चों के ऊपर परीक्षा का दबाव न रहे और बच्चे हर समस्या का सामना करते हुए आगे बढ़ें। बच्चों के दिमाग के ऊपर किसी प्रकार का दबाव न हो। बच्चों को खुशी-खुशी परीक्षा को एक पर्व के रूप में लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

कई बार बच्चे ये सोचकर डिप्रेशन में चले जाते है कि उसके नंबर कम आए हैं। पीएम मोदी हर साल बच्चों (छात्र-छात्राओं) से बात करते हैं। ये बच्चों का मनोबल बढ़ाने और

उनका आत्मविश्वास बढ़ाने का यह बहुत अच्छा तरीका है। पीएम मोदी ने परीक्षा पे चर्चा के माध्यम से बच्चों से बातचीत करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी ने बच्चों से 21 भागों में अलग-अलग विषयों पर चर्चा की कि हमारे पास खेल भी होना चाहिए। पर्यावरण और अपने स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए और कड़ी मेहनत करते हुए किसी भी विषय या किसी भी परीक्षा को एक चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए। जब हम इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार करते हैं, तो हमारे लिए कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती, हर चुनौती छोटी होती है और बच्चों में एक बड़ा आत्मविश्वास पैदा होता है।

परीक्षा पे चर्चा के माध्यम से पीएम उन्हें एक मूल मंत्र देते हैं। मैं इसके लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं, इससे हमारे बच्चों का मनोबल बढ़ता है। माता-पिता को भी इससे प्रेरणा मिलती है और बच्चे भी सही रास्ते पर आगे बढ़ते हैं। मैं उन सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की भी कामना करता हूं जिनकी 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि ये बच्चे पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ाई करेंगे और अपने मन के तनाव को दूर करके आगे बढ़ेंगे। मैं उन सभी को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। काम-काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा- क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा । सितारे इशारा कर रहे हैं कि किसी नज़दीकी स्थान की यात्रा हो सकत है। यह सफ़र मज़ेदार रहेगा और आपके प्रिय लोगों का साथ मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे । जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे। अगर आप थोड़ी कोशिश करें तो आपका दिन कुछ इसी तरह गुज़रेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जीवन-साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे। आपकी बातों को आपके घर वाले आज गौर से नहीं सुनेंगे इसलिए आज उनपर आपका गुस्सा फूट सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। शाम ढलते-ढलते कोई आकस्मिक रुमानी झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। महत्वपूर्ण लोगों के साथ बातचीत करते वक़्त अपने शब्दों को ग़ौर से चुनें

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ज़िंदगी की ओर एक उदार रवैया अपनाएँ। अपने हालात की शिकायत करने और उसे लेकर दुःखी होने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा, क्योंकि यह मुफ़्त भी है और अच्छी एक्सरसाइज़ भी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका तेज़ काम आपको प्रेरित करेगा। सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें- नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिए आज आप किसी मनोवैज्ञानिक चिकित्सक से मिल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। ख़ुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियाँ मज़ेदार रहेंगी, अगर पूरे परिवार की उसमें सहभागिता हो। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़-सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है। स्वास्थ्य को दुरुस्त करने के लिए आज किसी पार्क या जिम में आप जा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है; आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं। आपकी खूबियां आज लोगों को बीच आपको प्रशंसा का पात्र बनाएंगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी। जीवनसाथी की वजह से आपकी कोई योजना या कार्य गड़बड़ हो सकता है; लेकिन धैर्य बनाए रखें।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 11 फरवरी 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी सायं 06:58 तक
नक्षत्र : पुष्य सायं 06:35 तक
योग : आयुष्मान प्रातः 09:05 तक
करण : गर प्रातः 06:55 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 06:16 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:43 , सूर्यास्त 06:24 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 06:16 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 06:08 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल सायं 06:35 से ,
भद्रा सायं 06:58 से

पारिवारिक विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

मुंबई सीएसटी स्टेशन की तर्ज पर होगा मुजफ्फरपुर जंक्शन का विकास, जलजमाव से मिलेगा छुटकारा : रेल मंत्री

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जंक्शन और स्टेशन रोड पर वर्षों से जलजमाव की समस्या झेल रहे यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राहत की बड़ी घोषणा की है। मुंबई उडढ स्टेशन की तर्ज पर अब यहां भी माइक्रो टनलिंग विधि से रेलवे लाइन के नीचे से पानी निकासी की जाएगी। इसको लेकर रेल मंत्री ने पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक को आवश्यक निर्देश दिए हैं। रेल मंत्री की इस घोषणा से मुजफ्फरपुर के लोगों को जल्द ही जलजमाव की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

मुजफ्फरपुर शहर में बरसात के दिनों में सबसे अधिक जलजमाव स्टेशन रोड, प्लेटफॉर्म और रेलवे कॉलोनी के आसपास देखने को मिलता है। इसके पीछे मुख्य कारण रेलवे ट्रैक के नीचे बने पुराने और जाम हो चुके नाले हैं, जो वर्षों से बेकार पड़े हैं। रेलवे लाइन के कारण शहर के उत्तरी हिस्से का पानी नहीं निकल पाता है, जिससे हर साल बारिश में जलभराव हो जाता है। स्टेशन के आसपास जलजमाव से प्लेटफॉर्म और सड़कें तालाब में तब्दील हो जाती हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्लेटफॉर्म पर आने वाले यात्रियों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे रेलवे की छवि पर भी असर पड़ता है। स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में जब स्थानीय लोगों ने रेल मंत्री को इस समस्या से अवगत कराया, तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया और माइक्रो टनलिंग तकनीक से जल निकासी का निर्देश दिया। माइक्रो टनलिंग एक आधुनिक तकनीक है, जिसका उपयोग दुनिया के कई बड़े शहरों में जल निकासी के लिए किया जाता है। इसमें रेलवे लाइन के नीचे एक सुरंग (टनल) बनाई जाती है, जिससे पानी आसानी से निकल सके। यह तकनीक न सिर्फ जलनिकासी में मदद करेगी, बल्कि जमीन के ऊपर मौजूद रेलवे लाइन या अन्य संरचनाओं को कोई नुकसान भी नहीं होगा। यह विधि तेजी से काम करने और कम समय में जलनिकासी की समस्या को हल करने के लिए जानी जाती है। अगर इस विधि को सही तरीके से लागू किया गया, तो आने वाले समय में मुजफ्फरपुर जंक्शन के आसपास जलजमाव की समस्या पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मुंबई सीएसटी स्टेशन की तर्ज पर मुजफ्फरपुर जंक्शन पर भी जलनिकासी की आधुनिक व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके लिए पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक को निर्देश दे दिए गए हैं। रेल मंत्री की इस घोषणा से स्थानीय लोगों और यात्रियों में उम्मीद की किरण जागी है। अगर इस योजना पर जल्द अमल हुआ, तो शहरवासियों को बरसात के दिनों में जलजमाव की समस्या से राहत मिलेगी और स्टेशन का सौंदर्य भी निखरेगा।

सेनेटरी पैड की खेप में भी शराब तस्करी!

हरियाणा से आए कंटेनर की जांच कर पटना पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में शराबबंदी के बावजूद भी शराब तस्कर शराब की तस्करी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। आये दिन किसी न किसी तरीके से माफिया तस्करी में लगे रहे हैं। कुछ बच निकलते हैं तो कुछ पुलिस के हत्थे चढ़ जाते हैं। इसी कड़ी में गर्दनीबाग थाने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक बड़े कंटेनर में शराब लाई जा रही है।

सूचना मिलते ही गर्दनीबाग थाना की पुलिस ने गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के बाइपास इलाके से हरियाणा नंबर एक कंटेनर को जब्त किया है। पुलिस ने जब कंटेनर खुलवाया तो दंग रह गई। इसमें सेनेटरी पैड की खेप भरी हुई थी। जांच करने पर पता चला कि सेनेटरी पैड की खेप के बीच 70 बोतल शराब छिपाई गई है। पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर लिया। हालांकि, इस दौरान शराब तस्कर फरार हो गए हैं।

पुलिस का दावा है कि फरार शराब तस्कर को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फ़िलहाल जब्त वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर वाहन मालिक के ऊपर केस दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दी गई है। गर्दनीबाग थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस को शराब तस्करी की सूचना मिली थी। इसी के आधार पर छापेमारी गई है। सैनेटरी पैड की आड़ में तस्करी की जा रही थी। कंटेनर को जब्त कर लिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

सीएमटीआई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बेंगलूरु की पहली बैठक हाल ही में केंद्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएमटीआई) तुमकुरु रोड के एनसी सभागार में आयोजित की गई। डॉ. नागहनुमय्या, अध्यक्ष नराकास (का-4) बेंगलूरु और निदेशक, केंद्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु ने बैठक की अध्यक्षता की। अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), राजभाषा विभाग, बेंगलूरु, राजभाषा ने प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा की। बैठक में लगभग 52 संस्थानों, संगठनों से सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों और राजभाषा पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की शुरुआत देश के लिए अपनी जान गंवाने वाले शहीदों (शहीद दिवस) के सम्मान में दो मिनट के मौन रखने के साथ हुई। उसके उपरांत दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण गीत प्रस्तुत की गई। डॉ. मुकुल भूषण सिंह, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, मल्लेश्वरम ने बैठक में उपस्थित अतिथियों और सभी सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुखों तथा राजभाषा अधिकारियों और राजभाषा संपर्क अधिकारियों का स्वागत किया। बैठक में लगभग 80 अधिकारी उप-स्थित थे। अनिल कुमार साहू, सहायक निदेशक (हिंदी टाइपिंग/आशुलिपि) ने केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप-संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। राजभवन, सदस्य सचिव, नराकास(का-4), बेंगलूरु ने राजभाषा के प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए नराकास के सदस्य कार्यालयों से राजभाषा विभाग द्वारा चलायी जा रही राजभाषा हिन्दी के प्रशिक्षण से सम्बंधित योजनाओं, कार्यक्रमों में अधिक से अधिक अधिकारियों को नामांकित करने का अनुरोध किया, ताकि अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हिन्दी ज्ञान का स्तर बढ़ सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि हमारे देश की क्षेत्रीय भाषाएँ समृद्ध होंगी तो उनके साथ-साथ हिंदी का स्वतः ही प्रचार-प्रसार और विकास होगा। इसलिए सभी को क्षेत्रीय भाषा कन्नड़ अवश्य सीखनी चाहिए।

करोड़ों की सौगात देने पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया एलान

नवादा में बनेगा मेडिकल कॉलेज

नवादा (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा पर नवादा पहुंचे हैं। उन्होंने नवादावासियों को करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं सौगत दी। इसके लिए पहले ही 112 शिलापट्ट स्थापित किए गए थे। और, 70 स्थलों का निरीक्षण किया गया था। रजौली के करिगांव में सीएम नीतीश कुमार ने सरकारी विभाग और जीविका दीदियों के काम से जुड़े स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि नवादा जिले में सब तरह के काम करा दिये हैं कुछ नये काम और कराये जायेंगे।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि जैसा हमने पहले बता दिया है कि ''नवादा में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल'' का निर्माण कराया जायेगा। इसके जमीन चिह्नित करने हेतु शीघ्र ही पटना से टीम भेजी जायेगी। वहीं इन सब कामों को करा दिया जायेगा और इसके अतिरिक्त नवादा जिले में और कोई भी जरूरत होगी, उसको भी कराया जायेगा। बिहार के हर क्षेत्र में काम हो रहा है, आगे और तेजी से काम होगा। इसके लिए आप सबको बधाई एवं धन्यवाद देता हूं।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि प्रगति यात्रा के दौरान जिन जिलों का दौरा किया गया है और इस दौरान जो घोषणाएं की गई हैं, उन सबको कैबिनेट से पास कराया जा रहा है। उत्तर बिहार के जिलों में प्रगति यात्रा के क्रम में 20 हजार करोड़ रुपये की कुल 188 योजनाओं की घोषणाएं कीं, जिनमें मंत्रिपरिषद् द्वारा कल 121 योजनाओं की स्वीकृति दी गई तथा विभाग के स्तर पर 67 योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। हमारा उद्देश्य है कि हर प्रकार से बिहार की तरक्की हो। वर्ष 2005 के बाद हमलोगों ने बिहार में विकास का जो काम किया है, उसे याद रखियेगा।

अपनी इस यात्रा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवादा जिला के लिए कई सौगात दी। सबसे पहले वह गोविंदपुर प्रखंड के महावारा गांव पहुंचे। यहां जदयू नेताओं ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। उन्होंने गोविंदपुर प्रखंड के महावारा गांव के लिए सकरी नदी पर पुल का शिलान्यास किया। इसके बाद रजौली में डिग्री कॉलेज के शिलान्यास किया। साथ ही साथ 104 अलग-अलग विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने अकबरपुर दौरे के दौरान खेल मैदान का उद्घाटन भी किया। इसके अलावा नवादा सदर प्रखंड के नहर पर बाइपास और नए सर्किट हाउस का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री समाहरणालय में अधिकारियों के साथ बैठक की और कई दिशा निर्देश दिए।

कुंभ नहाने पत्नी को लेकर गया प्रयागराज, इधर फूट गया पाप का घड़ा, लड़कियों को फांसकर करता था खेल

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना में पुलिस ने एक सेक्स रैकेट का खुलासा करते हुए एक नाबालिग सहित तीन लड़कियों को मुक्त करवाया है। पुलिस ने रविवार देर रात कदमकुआं थाना क्षेत्र स्थित एक मकान में छापेमारी की और तीन लड़कियों को मुक्त कर लिया। पूछताछ के दौरान लड़कियों ने जो खुलासे किए वह चौंकाने वाले थे।

हालांकि इस गिरोह को चलाने के आरोपी पति-पत्नी फरार हैं। इधर, पुलिस ने मुक्त कराई गई सभी युवतियों से पूछताछ के आधार पर छानबीन शुरू करते हुए उन्हें बालिका गृह भेज दिया है।

पटना पुलिस के सामने देह व्यापार के आरोप में पकड़ी गई लड़कियों ने बताया कि गैंग का सरगना पति पत्नी हैं। पति आदित्य आनंद उर्फ़ अमन भोली भाली लड़कियों को जाल में फंसा कर लाता है साथ ही वही ग्राहक भी खोजता है।

फिर अमन और उसकी पत्नी ग्राहकों के साथ डील फाइनल होने पर युवतियों को पटना के करबिगहिया, मीठापुर और बाईपास समेत अन्य इलाकों में होटल में भेजता था।

पुलिस की पकड़ में आई एक नाबालिक लड़की ने बताया कि दिसंबर में वह अपने घर से भाग कर पटना आई थी। पटना जंक्शन पर उसकी मुलाकात आदित्य आनंद से हुई जिसने नौकरी का झांसा देकर अपने साथ चलने के लिए कहा। युवती ने बताया कि आदित्य ने नौकरी के साथ ही मुफ्त रहने खाने की भी बात कही थी और अपने साथ लेकर कदमकुआं चला गया फिर उसे नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ गंदा काम किया। बंधक बनाकर लगातार हमसे गंदा काम करवाने लगा।

युवती ने बताया कि लड़कियों को झांसे में फंसा कर अपने चंगुल में लेने के बाद उसे नशीली दवा खिला कर उसके साथ गलत काम किया जाता है। ग्राहकों से नई और नाबालिग लड़कियों का रेट भी अधिक लिया जाता है साथ ही उनकी डिमांड भी अधिक होती है। पति पत्नी फोन पर ग्राहकों से बातचीत कर फिर व्हाट्सएप पर फोटो भेजते थे। डील फाइनल हो जाने पर फिर उन्हें होटलों में भेजा जाता था।

मामले में एसएसपी के निर्देश पर कदमकुआं थाना की पुलिस टेक्निकल अनुसंधान के आधार पर जांच करते हुए दिसंबर में गुम हुई लड़की की खोज करते हुए पोस्टल पार्क पहुंची। जांच टीम में कदमकुआं थाना प्रभारी राजीव कुमार, एसआई अनु सिंह, साजिद अख्तर दल बल के साथ जक्कनपुर थाना क्षेत्र के पोस्टल पार्क के खास महल स्थित एक मकान में छापेमारी की और एक नाबालिग लड़की सहित तीन लड़कियों को मुक्त कराया। पुलिस ने मुक्त कराई गई लड़कियों से पूछताछ के बाद मामले की छानबीन में जुट गई है।

मामले में पुलिस ने जब गैंग के सरगना पति पत्नी आदित्य आनंद उर्फ़ अमन और उसकी पत्नी हनी के बारे में पूछताछ की तो पता चला कि वह महाकुंभ स्नान के लिए गए हैं। जिस मकान में छापेमारी की गई थी वह मकान भी अमन ने अपने नाम पर किराया पर लिया था। हालांकि पुलिस सरगना पति पत्नी को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है।

देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले शिक्षक पर कार्रवाई

अब फूट-फूट कर रोते हुए मांग रहे माफी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले के सरैया थाना क्षेत्र स्थित बखरा प्राथमिक विद्यालय के एक शिक्षक को हिंदू देवताओं पर की गई अभद्र टिप्पणी भारी पड़ रही है। पुलिस कार्रवाई के निर्देश और हिंदूवादी संगठनों के विरोध के बाद आरोपी शिक्षक अब फूट-फूट कर रोते हुए माफी मांग रहे हैं। उन्होंने वीडियो जारी कर हाथ जोड़कर लोगों से अपनी गलती के लिए क्षमा याचना की।

बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें सरकारी विद्यालय के शिक्षक को एक चाय-नाश्ते की दुकान पर हिंदू धर्म के देवताओं के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी करते हुए देखा गया। वीडियो सामने आते ही स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों ने शिक्षक के खिलाफ आक्रोश जाहिर किया। मामला बढ़ता देख प्रशासन और पुलिस हरकत में आई और आरोपी शिक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ सरैया थाना में प्राथमिकी दर्ज कर दी। इसके बाद शिक्षक की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। प्रशासन भी इस मामले को गंभीरता से ले रहा है, जिसके तहत शिक्षक को निलंबित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस कार्रवाई और बढ़ते विरोध को देखते हुए अब आरोपी शिक्षक ने एक नया वीडियो जारी कर अपनी सफाई दी है। इस वीडियो में वह रोते हुए हाथ जोड़कर माफी मांग रहे हैं और अपनी टिप्पणी को साजिश करार दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था।

इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय हिंदूवादी संगठनों ने आरोपी शिक्षक की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त सजा की मांग की है। संगठन के कार्यकर्ताओं का कहना है कि ऐसे शिक्षकों को विद्यालयों में पढ़ाने का कोई हक नहीं है, जो धार्मिक आस्थाओं का अपमान करते हैं।

प्रशासन और शिक्षा विभाग ने भी मामले को गंभीरता से लिया है। शिक्षक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है और उनकी सेवा समाप्त करने पर भी विचार किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर किसी धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पट्टेदार के घर झगड़ा छुड़ाने गए युवक की हत्या

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मोतिहारी जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में बीती रात एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। धिवाढार गांव में एक युवक नबीउल्लाह (22) को पड़ोसी के झगड़े को छुड़ाना महंगा पड़ गया। जब वह विवाद सुलझाने पहुंचा तो वहां मौजूद एक व्यक्ति ने उसके सिर पर वजनी चीज से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, नबीउल्लाह (मृतक) अपने पाटीदार के घर हो रहे झगड़े की तेज आवाज सुनकर सुलह कराने पहुंचा था। लेकिन वहां हालात पहले से ही तनावपूर्ण थे। झगड़ा इतना उग्र था कि बीच-बचाव करने के दौरान मशरूल नाम के युवक ने उसके सिर पर किसी भारी चीज से प्रहार कर दिया। अचानक हुए इस हमले के बाद नबीउल्लाह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय लोग उसे तुरकौलिया के एक निजी अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों और पुलिस के अनुसार, पाटीदार के घर किसी महिला के साथ अवैध संबंध को लेकर विवाद हुआ था। यह झगड़ा देर रात तक चला और काफी उग्र हो गया। इसी दौरान नबीउल्लाह ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन गुस्से में आकर मशरूल ने उसपर वजनी चीज से वार कर दिया। सुबह होते ही मृतक के परिजनों ने हरसिद्धि थाना को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोतिहारी सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि जैसे ही घटना की जानकारी मिली, अरेराज के डीएसपी रंजन कुमार और सर्किल इंस्पेक्टर पूर्णकाम सामर्थ को मौके पर भेजा गया है। साथ ही एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) टीम को भी बुलाया गया है, ताकि मौके से सबूत इकट्ठे किए जा सकें। अपराधियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com